दैनिक
आदित्यवर्ण तमसः परस्तात्
नवप्रदेश
प्रदेश के साथ पूरा देश...

www.navpradesh.com | बिलासपुर, शुक्रवार 20 नवम्बर 2020, कार्तिक शुक्ल पक्ष-षष्ठी, विक्रम संवत-2077 वर्ष-06 अंक-216 पृष्ठ-08 मूल्य-3 रुपए | छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, झारखंड, से एक साथ प्रकाशित

आज बेबाक

बराक ओबामा अमेरिकी राष्ट्रपति के रूप में दुनिया के सबसे बड़े व्यापारी रह चुके हैं। उन्हें पता है कि भारत विश्व का सबसे बड़ा बाजार है, जहां घटिया माल आसानी से खप जाता है। माल विदेशी हो तो लोग उसे हाथों हाथ लेते हैं। यही वजह है कि ओबामा ने अपनी किताब अ प्रॉमिस्ड लैण्ड में भारतीय नेताओं और उद्योगपतियों पर निशाना साधा है। ऐसा कर के बराक ओबामा यदि यह समझते हैं कि उनकी किताब भारत में खूब बिकेगी तो वह बिलकुल ठीक समझते हैं। यहां अक्ल के अंधे और गांठ के पूरे लोगों की कमी नहीं है।

खास- खबर

दिल्ली में अब मास्क नहीं लगाने पर लगेगा 2000 का जुर्माना

नई दिल्ली/ए.। दिल्ली में बेकाबू होते कोरोना को काबू करने और लोगों को इस महामारी से बचाने में मास्क के महत्व को समझाने के लिए सख्ती दिखानी शुरू कर दी है। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने गुरुवार को दिल्ली में कोरोना की स्थिति पर चर्चा के लिए बुलाई गई सर्वदलीय बैठक के बाद कहा कि अब सार्वजनिक स्थान पर बिना मास्क पहने पाने जाने पर 500 रुपये के स्थान पर 2000 रुपये जुर्माना लगाया जाएगा। उन्होंने कहा कि कुछ लोग सख्ती दिखाने के बाद ही मानते हैं। केजरीवाल ने कहा कि आज दिल्ली में काफी तादाद में लोग मास्क पहन रहे हैं, लेकिन अब भी कुछ लोग इसे नजरअंदाज कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि कई बार जब कहने से बात नहीं बनती तो उन्हें थोड़ा टाइट करना पड़ता है। इसके तहत अब 500 रुपये के बजाय 2000 फाइन लगेगा।

बिहार के शिक्षा मंत्री मेवालाल का इस्तीफा

पटना/ए.। बिहार की नई सरकार में मंत्री पद की शपथ लेते ही विवादों में घिरे शिक्षा मंत्री डॉ मेवालाल चौधरी ने इस्तीफा दे दिया है। मेवालाल पर नियुक्ति के मामले में घोटाले का आरोप है। राजद नेता तेजस्वी यादव समेत अन्य विपक्षी दल लगातार उन पर हमले कर रहे थे। पत्नी की मौत के मामले में हत्या का भी नया आरोप लगाया जा रहा था। गुरुवार की सुबह ही मेवालाल ने अपने ऊपर लगे सभी आरोपों को निराधार बताया था। हालांकि इसके कुछ देर बाद ही उन्होंने मंत्री पद से इस्तीफा दे दिया। मुख्यमंत्री ने मेवालाल का इस्तीफा तत्काल राज्यपाल को भी भेज दिया।

शेयर बाजार

सेंसेक्स- 43599.96
निफ्टी- 12771.70
गोल्ड- 49973 (10 ग्रा.)
सिल्वर-61316 (1 कि ग्रा.)

देश की पहली महिला पीएम की जयंती पर मुख्यमंत्री ने भाजपा पर साधा निशाना

इंदिरा गांधी के प्रयासों से इतना हो रहा अनाज कि एनडीए सरकार के गोदामों में जगह नहीं : भूपेश

■ **कांग्रेस के 70 साल के कामों से जुड़े सवाल का तुलनात्मक तरीके से दिया जवाब**

नवप्रदेश संवाददाता

रायपुर। पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की जयंती के अवसर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल राजीव भवन में आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए। इंदिरा गांधी को श्रद्धांजलि अर्पित करने के बाद उन्होंने सभा को संबोधित किया। उन्होंने इंदिरा गांधी के राष्ट्र के प्रति योगदान पर प्रकाश डाला। इस दौरान वे भाजपा पर हमला करने से भी नहीं चूके। पंडित नेहरू व इंदिरा गांधी के कार्यकाल में हुए काम तथा वर्तमान में उनकी स्थिति का जिक्र कर भाजपा को उसके '70 साल के सवाल' का करारा जवाब दिया। चुटीले अंदाज में कहा- इंदिरा गांधी की लाई हरित क्रांति से आज इतना अनाज पैदा हो रहा है, जिसे रखने की जगह एनडीए सरकार के गोदामों में नहीं है। उन्होंने कहा कि इंदिरा गांधी ने बैंकों का राष्ट्रीयकरण किया और आज आप देख रहे हैं ■ शेष पृष्ठ 6 पर

ये सौगातें भी दी मुख्यमंत्री ने

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय इंदिरा गांधी की जयंती पर महिलाओं के लिए क्लीनिक दाई-दीदी क्लीनिक का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री ने पायलट प्रोजेक्ट के रूप में रायपुर, दुर्ग-भिलाई और बिलासपुर नगर निगम क्षेत्र के लिए 3 स्पेशल मोबाइल दाई-दीदी क्लीनिक को अपने निवास से हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। मुख्यमंत्री ने मोबाइल क्लीनिक के भीतर जाकर उपलब्ध सुविधाओं का अवलोकन भी किया और अपने ब्लड प्रेशर की जांच भी करायी। इस दाई-दीदी स्पेशल क्लीनिक में डॉक्टर सहित सभी चिकित्सकीय स्टाफ महिलाएं होंगी और केवल महिलाओं का ही निःशुल्क इलाज किया जाएगा।

दाई-दीदी क्लीनिक का किया शुभारंभ

नेचर सफारी का किया लोकार्पण, प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को राशि वितरित

मुख्यमंत्री ने रायपुर से लगभग 40 किलोमीटर दूर खरोरा-तिल्दा मार्ग पर स्थित मोहरेंगा वन क्षेत्र में 555.850 हेक्टेयर में बनी नेचर सफारी का लोकार्पण भी किया। नेचर सफारी के जंगल में पर्यटक प्राकृतिक परिवेश में 30 से 40 प्रजातियों के पक्षियों सहित चीतल, जंगली सुअर, खरगोश, सियार, लोमड़ी, बन्दर, नेवला, अजगर आदि वन्यप्राणियों, को देख सकेंगे। इस सफारी में औषधीय पौधे भी लगाए गए हैं। ■ शेष पृष्ठ 6 पर

सार्वजनिक उपक्रम बेच रही एनडीए सरकार

मुख्यमंत्री ने कहा एनडीए के लोग पूछते हैं कि कांग्रेस ने 70 साल क्या किया। गांधी-नेहरू परिवार के सदस्यों को लेकर आज भी दुष्प्रचार किया जा रहा है। बघेल ने कहा, 'देश के सार्वजनिक उपक्रम व नौरत्न नेहरू-इंदिरा की देन है, जिन्हें एनडीए सरकार द्वारा आज बेचा जा रहा है। कोरबा का बालको बिक गया। क्यो वो तुम्हारे परनाना ने बनाया था। रेलवे स्टेशन बेचे जा रहे हैं, क्या ये तुम्हारे दादा ने बनवाए थे। हवाईअड्डे बेचे जा रहे हैं क्या ये तुम्हारे चाच की शादी में दहेज में आया था। ये सब कुछ अपने पूंजीपति साथियों को उपकृत करने के लिए किया जा रहा है।

सीएम ने ऐसे गिनाईं पूर्व पीएम की खूबियां

देश में इंदिराजी से बड़ा कोई नेता नहीं : मुख्यमंत्री बघेल ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी से बड़ा नेता देश में कोई नहीं हुआ। उन्होंने बाल्यकाल में ही खुद को आजादी की लड़ाई में झोंक दिया। अपना संपूर्ण जीवन देश की एकता व अखंडता के लिए समर्पित कर दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि बतौर प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के सामने कई चुनौतियां थीं, जिनका उन्होंने डटकर सामना किया।

आदिवासियों से था उनका खास लगाव: मुख्यमंत्री ने कहा कि इंदिराजी का आदिवासियों से खास लगाव था। उन्होंने एक अवसर पर कहा था कि पिछले जन्म में वे शायद आदिवासी परिवार में ही पैदा हुई होंगी। आदिवासी महिलाओं संग नृत्य करते हुए उनकी तस्वीरें भी हैं। उन्होंने आदिवासियों की परंपरा, रहन-सहन, उनकी संस्कृति को करीब से जाना।

नए देश के उदय का ऐतिहासिक काम कराया : बघेल ने कहा कि इंदिराजी किसी के सामने झुकी नहीं। उन्हीं के नेतृत्व में भारतीय सेना के सामने पाकिस्तान के 90 हजार सैनिकों ने समर्पण कर दिया। दुनिया में किसी नेता ने नए देश का उदय नहीं कराया। ये ऐतिहासिक काम सिर्फ इंदिराजी ने कर दिखाया। पाकिस्तान के दो टुकड़े कर दिए।

कोरोना : दूसरी बड़ी लहर से बचने के लिए सीएमएचओ का कलेक्टर को प्रस्ताव

सिटी में एंट्री के लिए कराना होगा टेस्ट, मिले पॉजिटिव तो नो एंट्री!

नव प्रदेश संवाददाता

रायपुर। कोविड-19 कोरोना की दूसरी लहर के खौफ में है सब। लगातार बढ़ रही मरीजों की तादात और ठंड बढ़ने के साथ ही इसके ज्यादा दुष्प्रभाव की भविष्यवाणी भी एक्सपर्ट्स कर चुके हैं। ऐसे में अभी सामने आ रहे मरीजों की हालात के मद्देनजर वेंटिलेटर में मरीज जा रहे हैं। इसलिए आने वाले वक्त में यह दिक्कत जानलेवा और सरकार के लिए परेशानी का सबब न बने इसके लिए पहली बार रायपुर के सीएचएमओ ने कलेक्टर को एक अनूठा प्रस्ताव भेजा है। बतौर प्रस्ताव भेजे गए सुझाव में राजधानी रायपुर में एंट्री करने से पहले कोरोना टेस्ट की अनिवार्यता और रिपोर्ट नेगेटिव आने के बाद ही सीमा में प्रवेश की अनुमति दिए जाने की बात कही गई है। इस सुझाव व प्रस्ताव पर रायपुर ही नहीं बाद में अन्य प्रभावित इलाकों, शहरों, कस्बों और जिलों में भी लागू किया जा सकता है। अभी राजधानी के सभी पहुंच मार्गों पर पुलिस बल की मौजूदगी में कोरोना टेस्ट कराया जाएगा। जांच निगेटिव आने पर ही जिले की सीमा के भीतर प्रवेश मिल पाएगा। जिनका टेस्ट पॉजिटिव पाया जाएगा, उन्हें वापस लौटा दिया जाएगा। इस मामले में जिला चिकित्सा अधिकारी ने एसएसपी से सुरक्षा बल की मांग भी की है। बता दें कि पिछले कुछ दिनों से कोरोना संक्रमित मरीजों की संख्या में वृद्धि ■ शेष पृष्ठ 6 पर

■ **ठंड बढ़ने के साथ ही बढ़ने लगे हैं मरीज**

■ **शहरी मार्गों में पुलिस, प्रशासन होगा तैनात**

इन मार्गों पर हो सकता है कोरोना टेस्ट

- महादेव घाट पुल के ऊपर
- मंदिर हसौद
- देवपुरी
- सेजबहार
- टाटीबंध चौक
- सिलतरा
- विधानसभा चौक

आबकारी विभाग के पूर्व ओएसडी समुद्र सिंह गिरफ्तार

■ **5000 करोड़ के घोटाले का है आरोप**

नवप्रदेश संवाददाता

रायपुर। आबकारी विभाग के पूर्व ओएसडी समुद्र सिंह को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। उन्हें बोरियांकला स्थित उनके घर से गिरफ्तार किया गया। उनके खिलाफ एसीबी तथा ईओडब्ल्यू में बेनामी संपत्ति मामले में केस दर्ज हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार, समुद्र सिंह पर आबकारी विभाग के ओएसडी रहते 5 हजार करोड़ रुपए के घोटाले के आरोप हैं। समुद्र सिंह पिछले एक साल से फरार चल रहे थे। पुलिस को सूचना मिली थी कि समुद्र सिंह बोरियांकला स्थित अपने घर आए हुए हैं। ■ शेष पृष्ठ 6 पर

10 हजार के इनाम की थी घोषणा

पुलिस अधीक्षक ईओडब्ल्यू ने 10,000 रुपये की ईनाम की घोषणा की थी। समुंद्र सिंह पर 10 हजार रुपए के ईनाम की घोषणा की गई थी। ईओडब्ल्यू और एसीबी की कुल 5 टीमों ने अलग-अलग जगह पर छापा मारकर समुद्र सिंह को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार होते ही समुंद्र सिंह ने तबीयत खराब होने की शिकायत की थी। जिसके बाद उन्हें निजी अस्पताल अस्पताल में भर्ती कराया गया। अस्पताल से मिली जानकारी के अनुसार उनका इलाज जारी है, रिपोर्ट के आधार पर ही आगे की कार्रवाई की जाएगी।

हथियारों से लदे ट्रक में छिपे आतंकियों से मुठभेड़, 4 ढेर

■ **बड़ी मात्रा में हथियार तथा विस्फोटकों का जखीरा बरामद**

जम्मू/वार्ता। जम्मू शहर के नागरोटा इलाके में गुरुवार को सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में ट्रक में चार आतंकवादी मारे गये तथा ट्रक से एके-47 राइफलों और ग्रेनेड का जखीरा बरामद किया गया। विश्वसनीय सूत्रों के मुताबिक मुठभेड़ में मारे गये आतंकवादी पाकिस्तान स्थित जैश-ए-मोहम्मद के सदस्य थे और वे हाल ही में अंतरराष्ट्रीय सीमा से घुसे हैं। पुलिस महानिरीक्षक (जम्मू रेंज) मुकेश सिंह ने यहां प्रेस कांफ्रेंस में जानकारी दी कि जम्मू कश्मीर राष्ट्रीय राजमार्ग पर बान

टोल प्लाजा के समीप मुठभेड़ में चार आतंकवादी ढेर हो गये और पुलिस के विशेष अभियान समूह (एसओजी) दो सदस्य घायल हुए हैं। सिंह ने विस्तृत विवरण देते हुए बताया कि भारी मात्रा में हथियारों और विस्फोटकों समेत ■ शेष पृष्ठ 6 पर

मुंबई हमले के मास्टरमाइंड हाफिज सईद को 10 साल की सजा

■ **आतंक से जुड़े दो मामलों में पाकिस्तान की अदालत ने सुनाया फैसला**

मुंबई/ए.। पाकिस्तान की अदालत ने 2008 मुंबई हमले के सरगना और जेयूडी प्रमुख हाफिज सईद को आतंकवाद के दो और मामलों में 10 साल जेल की सजा सुनाई है। दोनों मामले आतंकवाद के लिए पैसे जुटाने से जुड़े हुए हैं। यह पहली बार नहीं है जब पाकिस्तानी कोर्ट ने जमात-उद-दावा के प्रमुख आतंकी हाफिज सईद को आतंकवाद से जुड़े किसी मामले में सजा सुनाई हो। इससे पहले, फरवरी महीने में पाकिस्तानी कोर्ट सईद को 11 साल की सजा सुना चुका है। हाफिज सईद को यूनाइटेड नेशन ने आतंकवादी घोषित कर रखा है और उस पर एक करोड़ अमेरिकी डॉलर का इनाम भी घोषित है। सईद को इस साल 17 जुलाई को गिरफ्तार किया गया था। उसे लाहौर की कोट लखपत जेल में कड़ी सुरक्षा के बीच रखा गया था। कोर्ट के अधिकारियों ने पीटीआई से बताया, ''लाहौर की एंटी-टेररिज्म कोर्ट (एटीसी) ने गुरुवार को जमात-उद-दावा के चार आतंकवादियों को, जिसमें उसका प्रमुख हाफिज सईद भी शामिल है, दो अन्य मामलों में सजा सुनाई है।

रायपुर/ लोकआस्था के चार दिवसीय महापर्व छठ के लिए हीरापुर तालाब में सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। तालाब को इस तरह सजाया गया है कि यह रात होते ही रोशनाई से जगमग हो उठता है। बुधवार को नहाय खाय के साथ पर्व की शुरुआत हो चुकी है। – फोटो महादेव तिवारी

खतरा बरकरार › राज्य में बढ़ रही कोरोना के सीरीयस मरीजों की संख्या, 5-7 फीसदी पोस्ट कोविड केसेस में भी पड़ रही ऑक्सीजन-वेंटिलेटर की जरूरत

समय रहते कोरोना जांच कराने पर 90 फीसदी तक कम हो जाती है सीरीयस होने की आशंका, लक्षण महसूस हो तो दोबारा भी कराएं

नव प्रदेश संवाददाता

रायपुर। प्रदेश में अब कोरोना संक्रमण के गंभीर मरीजों की संख्या बढ़ने लगी हैं। इसकी वजह है समय रहते जांच न कराना। यदि थोड़े लक्षण समझ आने पर कोरोना की जांच करा ली जाए तो गंभीर मरीजों की संख्या कम हो जाएगी। आंबेडकर अस्पताल मेकाहारा के कोविड इंचार्ज डॉ. आर के पांडा का कहना है कि थोड़े लक्षण समझ आने पर कोरोना की जांच करा ली जाए और ऐसी स्थिति में पॉजिटिव आने पर समय पर इलाज शुरू हो जाए तो मरीज के सीरीयस होने की आशंका 90 फीसदी व इससे ज्यादा तक कम हो जाती है। हालांकि एम्स के कोविड इंचार्ज डॉ. अजय के बेहरा के मुताबिक पोस्ट कोविड केस में 5-7 फीसदी मरीजों को ऑक्सीजन व वेंटिलेटर की जरूरत पड़ रही है। पांडा ने कहा कि कोरोना ऐसा वायरस है जो किसी व्यक्ति को दोबारा भी ■ शेष पृष्ठ 6 पर

गंभीर मरीजों में ऐसे लोग जिन्हें पहले से शारीरिक व्याधियां

एम्स के कोविड इंचार्ज डॉ. अजय के बेहरा के मुताबिक एम्स में जो कोरोना के जो सीरीयस केस आ रहे हैं उनमें बुजुर्ग व पहले से शारीरिक व्याधियां, जैसे- बीपी, शुगर, किडनी डिसीस तथा कैंसर जैसी गंभीर बीमारी का इलाज करा चुके मरीजों की संख्या अधिक है। इसलिए ऐसे लोगों को समय पर जांच कराना बेहद जरूरी है।

एम्स में अब तक डिस्चार्ज के बाद दोबारा संक्रमित कोई मरीज नहीं

डॉ. बेहरा के मुताबिक एम्स में अब तक 5000 से ज्यादा कोरोना मरीजों का इलाज किया जा चुका है। लेकिन इनमें अब तक डिस्चार्ज के बाद दोबारा पॉजिटिव वाला कोई केस नहीं है। सीरीयस मरीजों में भी दोबारा पॉजिटिव वाला मामला नहीं है। हां पोस्ट कोविड के 5-7फीसदी केसेस में मरीजों को ऑक्सीजन तथा वेंटिलेटर की जरूरत पड़ रही है।

एम्स व मेकाहारा में वेंटिलेटर बेड की स्थिति

बीते कुछ दिनों से कोरोना के सीरीयस मरीजों की संख्या बढ़ रही है। मेकाहारा में करीब 100 वेंटिलेटर बेड हैं। इनमें करीब 60-65 बेड पर मरीज हैं। कुछ मरीज ऐसे भी होते हैं, जिन्हें हाईफ्लो ऑक्सीजन की जरूरत होती है।

-डॉ. आरके पांड, कोविड इंचार्ज, मेकाहारा

कोरोना के सभी मरीजों को वेंटिलेटर की जरूरत नहीं होती। 200 में से 100-125 मरीजों को ऑक्सीजन तथा वेंटिलेटर की जरूरत होती है। एम्स में राज्य के विभिन्न इलाकों से रेफर किए पेशेंट आते हैं। 70 वेंटिलेटर बेड हैं। पहले से भर्ती मरीजों के ठीक होने व नए के भर्ती होने का क्रम चलता रहता है। हमारा उद्देश्य यही है कि हर जरूरतमंद मरीज का समय रहते अच्छे से अच्छा इलाज हो ।

डॉ. (प्रो.) नितीन एम नागरकर, डायरेक्टर एम्स

न्यूज गैलरी

जवाहर नवोदय विद्यालय चातरखार में कक्षा 6 वीं एवं कक्षा 9 वीं के रिक्त सीटों पर होगी भर्ती आवेदन 15 तक आंमत्रित

मुंगेली (नव प्रदेश)। जिला में जवाहर नवोदय विद्यालय चातरखार में कक्षा 9 वीं में शिक्षा सत्र 2021-22 में 04 रिक्त सीटों की पूर्ति के लिए आनलाईन आवेदन वेबसाईट के माध्यम से 15 दिसम्बर 2020 तक भरे जा सकते हैं । रिक्त 04 सीटों में आरक्षण के बारे में जानकारी वेबसाईट में उपलब्ध प्रासपेक्टस से प्राप्त किया जा सकता है। आवेदक जिला के किसी भी सरकारी मान्यता प्राप्त विद्यालय में शिक्षा सत्र 2020-21 में कक्षा 8 वीं में अध्ययनरत होने चाहिए। आवेदक की जन्मतिथि 01 मई 2005 से 30 अप्रैल 2009 के मध्य होनी चाहिए। परीक्षा की तिथि 13 फरवरी 2021 निर्धारित है। इसी तरह कक्षा 6 में शिक्षा सत्र 2021-22 में प्रवेश के लिए आनलाईन आवेदन , वेबसाईट के माध्यम से 15 दिसम्बर 2020 तक भरे जा सकते है। कक्षा 6 के लिए आवेदक जिला के किसी भी सरकारी मान्यता प्राप्त विद्यालय में शिक्षा सत्र 2020-21 में कक्षा 5 वीं में अध्ययनरत होने चाहिए। आवेदक की जन्मतिथि 01 मई 2008 से 30 अप्रैल 2012 के मध्य होनी चाहिए। प्रभारी प्राचार्य के. डी. साहू ने बताया कि कक्षा 6 में प्रवेश के लिए परीक्षा की तिथि 10 अप्रैल 2021 निर्धारित है।

13 दिसंबर को प्रसारित होगी लोकवाणी की 13 वीं कड़ी

मुंगेली (नव प्रदेश)। जिला में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल लोकवाणी में इस बार छत्तीसगढ़ सरकार दो वर्ष का कार्यकाल विषय पर प्रदेशवासियों से बात करेंगे। इस संबंध में कोई भी व्यक्ति आकाशवाणी रायपुर के दूरभाष नंबर 0771-2430501, 2430502, 2430503 पर 25, 26 एवं 27 नवंबर को अपरान्ह 3 से 4 बजे के बीच फोन करके अपने सवाल रिकॉर्ड करा सकते हैं। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की मासिक रेडियो वार्ता लोकवाणी की 13 वीं कड़ी का प्रसारण 13 दिसंबर को होगा। लोकवाणी का प्रसारण छत्तीसगढ़ स्थित आकाशवाणी के सभी केंद्रों, एफएम रेडियो और क्षेत्रीय समाचार चैनलों से सुबह 10.30 से 11 बजे तक होगा।

विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत नाम जोड़ने व काटने का कार्य जारी

मुंगेली (नव प्रदेश)। जिला में भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार मतदाता सूची के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण अर्हता तथि 01 जनवरी, 2021 के अनुसार इस जिले में स्थित विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र क्रमांक 26-लोरमी, 27-मुंगेली (अ.जा.) एवं 29-बिल्हा (भाग संख्या 01 से 118 तक) के सभी मतदान केन्द्रों में नियुक्त अभिहित अधिकारियों द्वारा पात्र मतदाताओं का नाम जोड़ने, काटने (विलोपन) गलत नाम को संशोधित करने तथा मतदाताओं के नाम अन्यत्र स्थानांतरित करने हेतु निर्धारित फार्म प्रपत्र प्ररूप 6, 7, 8 एवं 8क प्रयोग किया जाता है। इस हेतु निर्धारित प्रपत्र एवं फार्म अभिहित अधिकारियों से निःशुल्क प्राप्त कर तथा उसे भरकर अभिहित अधिकारियों को जमा कर सकते हैं। यह कार्य जिले के सभी सी.एस.सी. केन्द्रों द्वारा भी किया जा रहा है। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी पी.एस.एल्मा ने अपील करते हुए कहा है कि पात्र व्यक्ति जिनका उम्र 1 जनवरी 2021 को 18 वर्ष पूर्ण हो रहा हो ऐसे पात्र व्यक्ति अपना नाम मतदाता सूची में अवश्य दर्ज करायें एवं जिनकी मृत्यु हो चुकी है उनके परिवार के सदस्य तत्काल नाम कटवायें।

ट्रेलर की टक्कर से बाइक सवार की हुई मौत

बिलासपुर (नव प्रदेश)। सीपत थाना अंतर्गत बंधी के पास तेज रफ्तार ट्रेलर ने बाइक सवार को ठोकर मार दी , हादसे में बाइक सवार की मौके पर ही मौत हो गई । मिली जानकारी अनुसार ट्रैलर की ठोकर से युवक का सिर बुरी तरह से कुचल गया जिसमें उसकी मौके पर ही मौत हो गई। आमतौर पर कहा जाता है कि हेलमेट पहनने से दुपहिया चालक सुरक्षित रह सकते हैं लेकिन इस दुर्घटना में दुपहिया चालक ने हेलमेट पहन रखा था । हेलमेट समेत उसके सर के परखच्चे उड़ गए , इस भीषण दुर्घटना में प्रत्यक्षदर्शी भी कुछ ठीक से नही बता पा रहे है कि बाइक सवार की टक्कर आमने-सामने से हुई या फिर ट्रेलर ने पीछे से ठोकर मारी और ना ही दुर्घटना में मृतक की पहचान हो पा रही है प्रत्यक्षदर्शियों अनुसार ट्रेलर और बाइक की टक्कर इतनी आनन-फानन से हुई की कोई भी यह समझ ही नहीं पाया की टक्कर आमने- सामने से हुई या फिर पीछे से बाइक सवार को ठोकर लगी। बहराल पुलिस उस अज्ञात वाहन की खोज कर रही है। जिसने बाइक सवार को ठोकर मारी तथा उसके सिर को कुचलते हुए फरार हो गई। मृतक बाइक सवार की मोबाइल से उसकी पहचान करने की कोशिश की जा रही है ताकि उनके परिजनों को सूचित किया जा सके इस भयानक दुर्घटना में युवक की दर्दनाक मौत से पूरे क्षेत्र के लोग स्तंभित है।

किशोरी ने की आत्महत्या,सामने आ रहा प्रेम प्रसंग का मामला, तफ्तीश में जुटी पुलिस

बिलासपुर (नव प्रदेश)। सरकंडा थाना क्षेत्र के अशोक विहार में 17 साल की किशोरी ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है । प्रारंभिक पूछताछ में मामला प्रेम प्रसंग को बताया जा रहा है। फिलहाल पुलिस मामले को विवेचना में लेकर पूछताछ कर रही है। सूत्रों ने बताया कि किशोरी के पास एक मोबाइल मिली है जिसमे उसने किसी को जा रही हू लिखा है। सरकंडा थाना के अशोकविहार में 17 साल की किशोरी ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। बताया जा रहा है पास का ही एक युवक फोन से जानकारी मिलने के बाद घटना स्थल पहुंचा। उस समय फांसी पर लटकी किशोरी की सांस चल रही थी। युवक ने आस पड़ोस के सहयोग से किशोरी को फंदे से उतारा और चांटीडीह स्थित निजी अस्पताल ले गया। डॉक्टरों ने किशोरी को तत्काल सिम्स रिफर कर दिया। सिम्स पहुंचने से पहले किशोरी ने दम तोड़ दिया। डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। मामले में सरकंडा पुलिस ने मर्ग कायम कर विवेचना में लिया है।पुलिस के अनुसार किशोरी तीन बहने है। घटना 1 दिन पहले बुधवार की शाम की है। 17 साल की युवती ने जब दुपट्टे से फांसी लगाकर आत्महत्या की उस समय घर मे कोई नही था। पिता कोरिल वर्मा हमेशा की तरह अपने काम में ध तेलीपारा स्थित एजेंसी चला गया। मां भी काम धाम के लिए बाहर चली गयी। चूंकि किशोरी की दोनों बहनें गॉव में रहती है। सूने घर मे किशोरी ने पंखे में दुपट्टा बांधकर झूल गई। मार्ग कायम करने के बाद पुलिस ने पूछताछ के दौरान उपस्थित लोगों से घटना की जानकारी मांगी। इसी दौरान एक युवक से भी पुलिस ने पूछताछ की। समझने में देर नही लगी कि मामला प्रेम प्रसंग का है।

सूत्र ने बताया कि पुलिस पूछताछ में मामला प्रेम प्रसंग का सामने आया है। पूछताछ के दौरान एक युवक की मोबाइल में किशोरी अंतिम संदेश भेजा है। किशोरी ने अपने संदेश में लिखा है कि बहुत दूर जा रही हु। अब ऊपर ही मुलाकात होगी। जिंदगी को बाय बाय।

खुली सोच से ही खुले में शौच की आदत को दी जा सकती है मात : आयुक्त

शौचालय का इस्तेमाल करने से विभिन्न बीमारियों का रूकता है प्रसार

नव प्रदेश संवाददाता

रायगढ़। शौचालय का सीधा संबंध स्वच्छता, आधी आबादी की निजता, विकसित देश की पहचान आदि के साथ जुड़ा है। पर्यावरणविदों ने खुले में शौच को पर्यावरण की सुरक्षा के लिए भी काफी नुकसानदायक बताया है। तभी तो आमजनों को शौचालय के प्रति जागरूक करने केउद्देश्य से नवंबर माह की 19 तारीख को विश्व शौचालय दिवस (व?ल्र्ड ट्वायलेट डे) मनाया जाता है। खुली सोच से ही खुले में शौच की आदत को मात दी जा सकती है। विश्व शौचालय दिवस पर इस वर्ष का थीम 'सस्टेनेबल सैनिटेशन एंड क्लाइमेट चेंज' यानी स्वच्छता और जलवायु परिवर्तन है। गुरुवार को कलेक्ट्रेट स्थित सृजन सभाकक्ष में डीएम भीम सिंह (आईएएस) ने स्वच्छता सर्वे पर बैठक ली जिसमें उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा, ओडीएफ फ्री होने के बाद भी जिले के लोग अभी भी खुले में शौच करते हैं। यह चिंताजनक है उन्हें जागरूक करने की जरूरत है। निगम आयुक्त आशुतोष पाण्डेय ने बताया, 35 लाख रूपये की मदद से कई सार्वजनिक शौचालयों की मरम्मत की जाएगी और यह तय किया जाएगा कि कोई भी व्यक्ति खुले में शौच न करें। खुले में शौच से जल की गुणवत्ता ख़राब हो जाती है और यह पीने के लायक नहीं रहता है । इससे जल जनित बीमारियां होने की संभावनाएं ज्यादा होती हैं। जल की गुणवत्ता में एक खास पहलू है कि इसमें मल की मौजूदगी नहीं होनी चाहिए। इसलिए जब पेयजल की बैक्टीरियोलॉजिकल जांच की जाती है तो उसमें सबसे पहला उद्देश्य मल प्रदूषण की उपस्थिति की जांच करना होता है। एक खास तरह के बैक्टीरिया की मानव मल के जल में उपस्थिति की जांच की जाती है। एक खास तरह की बैक्टीरिया मानव मल के जल में उपस्थिति का संकेत देती है, जिसे ई-कोलाई कहते हैं। यूनिसेफ के अनुसार एक ग्राम मल में 1 करोड़ वायरस, एक लाख बैक्टीरिया और एक हजार परजीवी सिस्ट पाए जाते हैं।

केशरवानी महिला समिति ने राधाकृष्ण को लगाया छप्पन भोग

नव प्रदेश संवाददाता

मुंगेली। जिले के धारो मन मूरत कृष्ण काले की, गोवर्धनधारी मुरली वाले की... स्थानीय राधाकृष्ण मंदिर में सदैव धार्मिक कार्यों में अग्रणी छत्तीसगढ़ महिला प्रदेश उपाध्यक्ष व संरक्षक अनिता गुप्ता के मार्गदर्शन व सहयोग में केशरवानी महिला समिति के सदस्यों ने भगवान श्रीकृष्णराधा को दूध से नहलाकर नये वस्त्र एवं आभूषणों से सुसज्जितकर गोवर्धन पूजा करते हुए माता राधारानी जी की धूमधाम से ओली भरकर आशीर्वाद लिया और अन्नकूट का छप्पन भोग लगाकर राधेकृष्णा की शंखनाद व घंटियों के बीच जयकारे लगाए । गोवर्धन पूजा हिंदू पांचांग में कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा के दिन की जाती है । मान्यता है कि इस दिन इंद्रराज के प्रकोप से बचने के लिए और उनका अहंकार को तोड़ने के लिए स्वयं ही कृष्णजी ने गोवर्धन पर्वत को अपनी उंगली में उठाकर ब्रजवासियों की रक्षा की थी । इस दिन लोग गाय के गोबर से गिरिराज बना उसे फलों-फूलों से सजाकर पूजा करते हैं । अन्नकूट का तात्पर्य भक्तों के द्वारा बनाये गये भगवान के लिए विविध प्रकार के भोग खीर-पूड़ी, व्यंजनों, फलों को अर्पित कर उनका आशीर्वाद प्राप्त करना है । इसी क्रम में सैकड़ों की संख्या में उपस्थित महिला सदस्यों ने ढोलक-मंजीरे की थाप पर भजन गाते हुऐ ग्यारह हजार घृत बत्तियों की आरतीकर गिरिराज के प्रति अपनी श्रद्धा प्रकट करते हुऐ प्रसाद वितरण किया ।

विज्ञान महाविद्यालय में अंतरराष्ट्रीय वेब- संगोष्ठी का आयोजन

नव प्रदेश संवाददाता

मुंगेली। जिले के अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय, बिलासपुर छत्तीसगढ़ से संबद्ध डॉ. ज्वाला प्रसाद मिश्र शासकीय स्नातकोत्तर विज्ञान महाविद्यालय के हिंदी विभाग द्वारा सुप्रसिद्ध साहित्यकार ष्डॉ. रमेश पोखरियाल श्निशंकश् के कहानी संग्रह- अन्तहीन पर विमर्श विषय पर एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय वेब- संगोष्ठी (वेबिनार) का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें मुख्य अतिथि होंगे वरिष्ठ साहित्यकार एवं पत्रकार डॉ. बी.एल.गौड़ (दिल्ली)। अध्यक्षता करेंगे भाषाविद् डॉ. विनय कुमार पाठक, पूर्व अध्यक्ष- छत्तीसगढ़ राजभाषा आयोग, प्रमुख वक्ता होंगे- प्रोफेसर डॉ. सुधांशु कुमार शुक्ला, विभागाध्यक्ष हिन्दी, वर्सा विश्वविद्यालय पोलैंड, विशेष वक्ता डॉ.रमा जी, प्राचार्य, हंसराज कॉलेज दिल्ली विश्वविद्यालय दिल्ली, साहित्यकार डॉ. बेचैन कंडियाल (नई दिल्ली) और एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. नीना शर्मा श्हरेशश, गुजरात। प्राचार्य एवं संरक्षक डॉ. चिन्मोयी रानी दास ने अग्रिम शुभकामनाएं दी हैं। कार्यक्रम के संयोजक डॉ. चंद्रशेखर सिंह एवं संयोजन सचिव एवं तकनीकी होस्टएस.एल.मौर्य तथा महाविद्यालय संयोजन समिति वेब संगोष्ठी की तैयारी में जुटे हुए हैं।

केवल पूजा करने वाले व्यक्ति को घाट की अनुमति

कोरबा (नव प्रदेश)। कलेक्टर श्रीमती किरण कौशल ने केवल पूजा करने वाले व्यक्ति को छठ घाट जाने की अनुमति प्रदान कर दी है। छठ पूजा करने जाने वाले व्यक्ति को कोविड प्रोटोकॉल का सख्ती से पालन करना होगा। कलेक्टर ने पूर्वांचल सर्व समाज विकास समिति कोरबा के निवेदन के आधार पर कोविड-19 प्रोटोकॉल का पालन करते हुए केवल पूजा करने वाले व्यक्ति को पूजा स्थल में जाने की अनुमति प्रदान की है। कलेक्टर ने इस संबंध में निर्देश भी जारी कर दिये हैं। छह फिट की दूरी सुनिश्चित करके छठ पूजा को सम्पन्न करने के निर्देश दिये गये हैं। पूजा स्थल में एंट्री-एक्जिट प्वाइंट और कॉमन एरिया में टच फ्री मोड में सेनेटाइजर रखना अनिवार्य होगा। पूजा स्थल में प्रवेश के समय प्रत्येक व्यक्ति का हाथ सेनेटाइजर से सेनेटाइज करने या धोने तथा थर्मल स्केनिंग किया जाना अनिवार्य होगा।

दीपावली मिलन समारोह में सांसद ने कार्यकर्ताओं का किया मुंह मीठा

नव प्रदेश संवाददाता

मुंगेली। जिला के भाजपा कार्यालय में आयोजित दीपावली मिलन समारोह में सांसद अरुण साव व श्रीमती मीना साव ने कार्यकर्ताओं को मीठा खिलाकर दीपावली की बधाई व शुभकामनाएं दी।

सर्व प्रथम भारतमाता,पं दीनदयाल उपाध्याय, डॉ श्यामाप्रसाद मुखर्जी व भारतरत्न पं अटल बिहारी बाजपेयी के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की। सांसद अरुण साव ने अपने संक्षिप्त उद्बोधन में कहा कि हमारे देश भारत ने पिछले 6 वर्षों में चहुमुखी विकास किया है। चाहे रक्षा के क्षेत्र में हो,सामाजिक, आर्थिक व कृषि क्षेत्र में प्रगति की है। भारतीय जनता पार्टी की राष्ट्रवादी सोंच का ही परिणाम है कि धारा 370 हटा, अयोध्या में श्रीराम मंदिर की भूमि पूजन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने की ,तीन तलाक खत्म किया है। संचालन नगर भाजपा अध्यक्ष राणाप्रताप सिंह ने किया। इस अवसर पर प्रमुख रूप से श्रीमती मीना साव,माला गुप्ता,माधवी मिश्रा, रजनी पाठक,प्रेमलता वर्मा,निशा सोनी,हेमा सोनी,पायल नायक,सुशीला साहू,मोना नागरे, संतोषी साहू,डॉ सरिता भारद्वाज,संगीता पटेल,आर्या पाठक,गिरीश शुक्ला,प्रेम आर्य,द्वारिका जायसवाल,प्रद्युम्न तिवारी,विनय पाण्डेय,शिवप्रताप सिंह,संतुलाल सोनकर,पवन पाण्डेय,मोहन मल्लाह, शंकर सिंह,शिवकुमार बंजारा,दीनानाथ केशरवानी,राजीव श्रीवास, नितेश भारद्वाज, कोटूमल दादवानी,डोमन दीक्षित, प्रदीप पाण्डेय,हीरालाल साहू,विनय सोनी सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता गण उपस्थित रहे।

जिले में बढ़ रहे शराबखोरी से अपराधों के मामले

नव प्रदेश संवाददाता

मुंगेली। जिलें में अवैध रूप से नशीली दवाओं सहित शराब खोरी के मामलो में लगातार वृद्धि हो रही है पुलिस पेट्रोलिंग के माध्यम से अपराधो पर अंकुश पाने के लिए प्रयासरत तो है। किंतु खेल मैदान सार्वजनिक जगहो पर नदी किनारे मंदिर जैसी जगहो पर अवैध शराब खोरी करते लोगो को आसानी से देखा जा सकता है। नगरो में अवैध शराब खोरी के साथ नशिली दवाईयों का सेवन जुआ सट्टा आम बात हो गई है। छोटे छोटे बच्चे भी अब इसकी गिरफ्त में आने लगे है। जिसके चलते ये किसी भी आपराधिक धटनाओं को अंजाम देने से बाज नही आते ,नदि किनारे एवं गिलियों में इनको आसानी से झुण्ड बना कर बैठे देखा जा सकता है। शाम ढलते ही ये सक्रिय हो जाते है। गलियों एवं सकडों में खुलेआम जाम छलकाते है जिससे मुहल्ले वासी परेशान नजर आ रहे है, पुलिस द्वारा मुख्यमार्गो पर ही पेट्रोलिग कर अपनी औपचारिक्ता पुरी कर लेती है। किसी भी घर के सामने इन असमाजिक तत्वों को जाम छलकाने से मना करने पर ये लोगो की जानलेवा हमला करने के सभी बाज नही आते इसी तरह की परिस्थियां कई जगहो पर निर्मित हो रही है। जिसके चलते ऐसे असमाजिक तत्व कभी भी कोई बडी घटना को अंजाम दे सकते है। जिस कदर जिले के आपराधिक मामलो में लगतार बढोत्तरी होते जा रही है। उसको देखते हुए पुलिस के आलाधिकारियों के निर्देश पर पेट्रोलिंग तेज कर दी गई है जिसके चलते कुछ हद तक अपराधियों में भय व्याप्त होने लगे है। परंतु अभी भी अपराधिक गतिविधियों में कमी नजर नही आ रही है,नगर के चैक चैराहो और मंदिर परिसरों में असमाजिक तत्वों के जमवाडों के चलते महिलाओं और बच्चियों को आने जाने में परेशानियां महसूस होती है, आये दिन असमाजिक मजनूंओं द्वारा उनपर फब्तिया कसी जाती है।

नगर के आस पास के इलाको में आपराधिक घटनाओं में तेजी से इजाफा हुआ है, नगर में और नगर के आस पास के सुनसान इलाको में जुआ सट्टा, ताश, शराब खोरी जोरो से चल रही है, ऐसे लोग मंडियों, कालोनाइजरों द्वारा काटे गये खाली प्लाटों को , खेल मैदानो, पुल के आस पास खर्राघाट का सुनसान जगहो को चुनते है। जहा ये लोग आसनी से शराब खोरी या अन्य नशिली वस्तुओं का आसानी से इस्तेमाल कर सके ।

27 समितियों के माध्यम से होगी धान खरीदी

कोरबा (नव प्रदेश)। खरीफ वर्ष 2020-21 में धान-मक्का खरीदी के लिये जिले के किसानों का पंजीयन पूरा कर लिया गया है। इस खरीफ सीजन में जिले के 32 हजार 589 किसान 27 समितियों के माध्यम से अपना धान बेचेंगे। जिले में धान खरीदी के लिये कुल 32 हजार 589 किसानों का पंजीयन है। पिछले वर्ष 27 हजार 694 पंजीकृत किसानों द्वारा समितियों के माध्यम से धान बेचा गया था। कलेक्टर ने अधिकारियों को धान खरीदी केन्द्रों में धान खरीदी के पूर्व फड़, कम्प्यूटर, प्रिंटर, कांटा-बांट, जनरेटर, यूपीएस, नमी मापक यंत्र, डेउनेज, केप कव्हर्स इत्यादि की व्यवस्था करने के निर्देश दिए हैं। जिले में मक्का खरीदी के लिये मक्का बेचने वाले किसानों के पंजीयन की प्रक्रिया भी पूर्ण कर ली गई है।

शहर में बढ़ रहा चोरों का आतंक

नव प्रदेश संवाददाता

बिलासपुर। चोरों के निशाने पर राशन और खाद्य पदार्थ हैं। पिछले 10 दिनों में चोरों ने सबसे ज्यादा राशन और किराना दुकानों में ही हाथ साफ किया है। अब चोरों ने कलेक्टोरेट के सामने स्थित एक छोटे होटल में चोरी की। होटल का दरवाजा तोड़कर चोर वहां से सोयाबीन का तेल और नगदी ले गए हैं। घटना सिविल लाइन क्षेत्र की है। मिली जानकारी के अनुसार कलेक्टोरेट के पास कंपोजिट बिल्डिंग के सामने तिलक नगर निवासी ओमप्रकाश ठाकुर की ममता स्वीट्स के नाम से होटल है। रोज की तरह 15 नवंबर की रात करीब 9 जबे ओम प्रकाश होटल बंद कर घर चला गया। अगले दिन सुबह करीब 9.30 बजे होटल पहुंचा तो देखा दरवाजा उखड़ा हुआ है और अंदर सामान बिखरा था। पहले खुद ही चोर का पता लगाने का प्रयास किया, फिर थाने में सूचना दी कि चोर उसकी दुकान से 4 टीन सोयाबीन का तेल और गल्ला में रखे 1200 रुपए ले गए थे। ओम प्रकाश को संदेह था कि किसी जानकार या आसपास के व्यक्ति ने ही होटल में चोरी की है। इस पर वह खुद ही चोर का पता लगाने का प्रयास करता रहा। दो दिन बाद भी जब कोई सफलता नहीं मिली और चोर हाथ नहीं आया तो उसने थाने पहुंचकर रिपोर्ट दर्ज कराई। इससे पहले भी चोरों ने राशन पर हाथ साफ किया है।

दिशा-निर्देश जिला स्तरीय परामर्शदात्री पुनरीक्षा समिति की बैठक समपन्न

शासकीय योजनाओ के प्रकरणों को निराकृत करें- कलेक्टर

नव प्रदेश संवाददाता

मुंगेली। जिला में कलेक्टर के अध्यक्षता मे कल 17 नवम्बर को कलेक्टोरेट स्थित मनियारी सभाकक्ष में बैंकर्स की जिला स्तरीय परामर्शदात्री समिति एवं पुनरीक्षा समिति की त्रैमासिक बैठक संपन्न हुई। बैठक में उन्होने मुख्यत शासकीय ऋण योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की और योजनाओं की धीमी प्रगति पर गहरी नाराजगी जाहिर की। जिले में राट्रीष्य ग्रामीण आजीविका मिशन में ऋण वितरण एवं स्व सहायता समूहों के खाता खोलने में आने वाली अडचनों पर शीघ्र निराकरण करने के निर्देश दिये तथा संबंधित बैंकों को आगामी 10 दिनों में उल्लेखनीय प्रगति हेतु निर्देश दिया। मुख्यमंत्री स्व निधि योजना में लंबित ऋण प्रकरणों को शीघ्र निपटान तथा बैंको को राट्रीष्य ग्रामीण आजीविका मिशन के खाता खोलने में बैंक द्वारा सेवा क्षेत्र के बंधन को हटाने हेतु निर्देश दिया। बैठक में उन्होंने प्रधानमंत्री रोजगार गारंटी योजना में 100 प्रतिशत लक्ष्य प्राप्ति पर संतोष व्यक्त किया गया। कलेक्टर श्री एल्मा ने बैंक अधिकारियों से कहा कि विभिन्न विभागों से शासकीय योजनाओं के तहत भेजे गए ऋण प्रकरणों के प्रस्तावों को लक्ष्य के अनुरूप स्वीकृति प्रदान करें। उन्होंने कहा कि ऋण स्वीकृति के लिए बैंक प्रबंधकों एवं विभाग के अधिकारियों के मध्य सामंजस्य स्थापित कर आवेदकों का सहयोग करें। बैठक में उन्होने अनुपस्थित बैंक कर्मियों से स्पष्टीकरण प्राप्त करने हेतु लीड बैंक मेनेजर को निर्देश दिये।

बैठक में उन्होनें कृषि, मत्स्य पालन एवं पशु पालन में केसीसी के लंबित प्रकरणों का शीघ्र निपटान करने तथा कृषि विभाग को केसीसी से वंचित कृषकों के केसीसी कार्ड शीघ्र बनाने हेतु संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिये। इस अवसर पर जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी, भारतीय स्टेट बैंक के क्षेत्रीय प्रबंधक एस एन ठाकुर, पशु चिकित्सा विभाग के उपसंचालक ए के मरकाम, कृषि विभाग के सहायक संचालक सुश्री ललिता मरावी, ग्रामीण बैंक के नोडल अधिकारी मनोज कुमार सहित जिले में कार्यरत सभी बैंकों के शाखा प्रबंधक उपस्थित थे।

■ न्यूज गैलरी

होटल मैनेजर कमरे में लगा टीवी बेचकर हो गया फरार

रायपुर। लॉकडाउन के दौरान मैनेजर मालिक को बताये बिना होटल में लगे 6 नग टीव्ही बेचकर फरार हो गया। घटना की रिपोर्ट 18 नवंबर 2020 को तेलीबांधा थाने में दर्ज की गई है। ब्लॉक नंबर 210 संत चंदूलाल दरबार नागपुर (महाराष्ट्र)निवासी जीतू सावलानी 38 वर्ष ने रिपोर्ट दर्ज करायी है कि प्रार्थी का दो होटल चोकरधानी नाम से रायपुर व नागपुर में है। वह नागपुर वाले होटल में रहता है तथा रायपुर तेलीबांधा स्थित चोकरधानी होटल की देखभाल के लिये मैनेजर अमित एसकड़े आयु 40 वर्ष पिता विनोद यसकड़े निवासी सुरेन्द्रनगर नागपुर महाराष्ट्र को 40 हजार रुपयें वेतन प्रतिमाह पर रखा हुआ था। लॉकडाउन होने की वजह से गाड़ी नही चलने के चलते लंबे समय से पीड़ित रायपुर स्थित होटल नही आ पाया था। इसी बीच अमित एसकड़े ने मौके का फायदा उठाते हुए बिना बताये चोकरधानी होटल तेलीबांधा में लगे 6 नग टीवी निकालकर 72 हजार रुपयें में बेच दिया व रुपयें लेकर नौकरी छोड़ फरार हो गया। पीड़ित को नागपुर से रायपुर आने के बाद घटना की जानकारी हुई जिसके बाद 18 नवंबर को रिपोर्ट दर्ज करायी है।

प्रतिबंधित सिरप लेकर आ रहा युवक गिरफ्तार

रायपुर। प्रतिबंधित सिरप के साथ पुलिस ने एक बाईक सवार युवक को गिरफ्तार कर उसके पास से 100 एमएल शीशी में भरी 85 नग कफ सिरप जब्त कर मोटरसाइकिल जब्त कर लिया है। राजेन्द्रनगर पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर अन्नाहोटल पचपेड़ीनाक के पास एक बाईक सवार युवक को प्रतिबंधित सिरप लेकर जाते पकड़ा है। बाईक का तलाशी लेने पर डिक्की के अंदर प्रतिबंधित कफ सिरफ 100 एमएल शीशी में भरा 85 नग कोससक्स कंपनी का मिलने पर आरोपी को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाही कर बाईक व सिरफ जब्त कर लिया है।

बाईक से युवक फिसलकर गिरा, मौत

रायपुर। मोटरसाइकिल से जाते समय फिसलकर गिरने से एक व्यक्ति को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती किया गया था। जहां इलाज के दौरान मौत हो जाने माना कैम्प पुलिस ने जांच के बाद बाईक सवार के खिलाफ मर्ग कायम कर अपराध दर्ज कर लिया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार 30 सितंबर को सड़क हादसे में बाईक सवार शुभम निर्मलकर आयु 24 वर्ष पिता खेलूराम निर्मलकर निवासी नवागांव पलौद रायपुर अपने मोटरसाइकिल क्रमांक सीजी 04 एचव्ही 1574 से जाते समय अनियंत्रित होकर डिवाईडर से टकरा गया।

छत्तीसगढ़ की खनिज सम्पदा प्रदेश के विकास और प्रदेशवासियों की आर्थिक उन्नति का जरिया बने : भूपेश

0 मुख्यमंत्री ने नवा रायपुर में छत्तीसगढ़ खनिज विकास निगम के नए कार्यालय का किया उद्घाटन

0 खनिजों में वेल्यु एडिशन के अधिक से अधिक उद्योग प्रदेश में ही लगाने के प्रयास किए जाएं

0 खनिजों से मिलने वाले राजस्व में वृद्धि हो और लोगों को अधिक से अधिक रोजगार के अवसर मिलें

नव प्रदेश संवादाता

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा है कि छत्तीसगढ़ की खनिज संपदा को प्रदेश के विकास और प्रदेशवासियों की आर्थिक उन्नति का जरिया बनाने की एक बड़ी जिम्मेदारी छत्तीसगढ़ खनिज विकास निगम की है। खनिज विकास निगम का यह प्रयास होना चाहिए कि प्रदेश में खनिज आधारित वैल्यू एडिशन के अधिक से अधिक उद्योग लगें, जिससे प्रदेश के राजस्व में वृद्धि हो और साथ ही लगने वाले नए उद्योगों में लोगों को रोजगार के नए अवसर मिलें। मुख्यमंत्री बघेल आज नवा रायपुर के सेक्टर-24 में छत्तीसगढ़ खनिज विकास निगम के नए कार्यालय का उद्घाटन करने के बाद कार्यक्रम को सम्बोधित कर रहे थे।

वन मंत्री मोहम्मद अकबर ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। स्कूल शिक्षा मंत्री डॉ. प्रेमसाय सिंह टेकाम, खाद्य मंत्री अमरजीत भगत, राजस्व मंत्री जयसिंह अग्रवाल, नगरीय प्रशासन मंत्री डॉ. शिव कुमार डहरिया, विधायक धनेन्द्र साहू, राज्य खाद्य आपूर्ति निगम के अध्यक्ष रामगोपाल अग्रवाल विशेष अतिथि के रूप में कार्यक्रम में उपस्थित थे। छत्तीसगढ़ खनिज विकास निगम (सीएमडीसी) के अध्यक्ष गिरीश देवांगन ने कार्यक्रम में अतिथियों का स्वागत किया।

मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर कहा कि राज्य सरकार द्वारा नए उद्योगों की स्थापना के लिए 50 से ज्यादा एम.ओ.यू. किए गए हैं, जिनके माध्यम से प्रदेश में लगभग 45 हजार करोड़ रुपए का पूंजी निवेश होगा। सीएमडीसी के लिए एक बड़ी चुनौती होगी कि वह खनिज आधारित उद्योगों को रॉ-मटेरियल की आपूर्ति लगातार कुशलता के साथ करे। मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ महतारी ने हमें बहुत कुछ दिया है। छत्तीसगढ़ खनिज संपदा से परिपूर्ण है। अब हमारी जिम्मेदारी है की इस खनिज संपदा का लाभ प्रदेश के 2 करोड़ 80 लाख लोगों तक पहुंचे। मुख्यमंत्री ने लौह अयस्क की आरीडोंगरी परियोजना का उल्लेख करते हुए कहा कि सीएमडीसी यह प्रयास करे कि यहां से निकलने वाले लौह अयस्क से पैलेट बनाने का काम हो, वेल्यु एडिशन से राज्य के राजस्व में वृद्धि हो। मुख्यमंत्री ने सीएमडीसी की नई परियोजनाओं का भी उल्लेख किया। उन्होंने बैलाडीला के डिपॉजिट 4 और डिपाजिट 13 के कार्य में प्रगति लाने, नए कोल ब्लॉक हासिल करने के लिए प्रयास करने और टिन अयस्क के संग्रहण के नए क्षेत्रों की खोज का काम में तेजी लाने की जरूरत पर बल दिया। उन्होंने कहा कि सरगुजा क्षेत्र में एल्युमीनियम प्लांट के लिए एक एमओयू किया गया है, बहुत ही जल्द इसका कार्य शुरू होगा। बघेल ने कहा कि छत्तीसगढ़ में प्रचुर मात्रा में कोयला, लौह अयस्क, डोलोमाइट, चूना पत्थर, हीरा, यूरेनियम जैसे खनिज पाए जाते हैं। इस सम्पदा का सदुपयोग प्रदेश के विकास में किया जाना चाहिए।

बघेल ने कहा कि नई सरकार बनने के बाद डीएमएफ मद से खदान क्षेत्रों में शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार उपलब्ध कराने के प्रयास किए गए। बस्तर क्षेत्र में बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के प्रयास किए गए। पहले बस्तर के विधायक डॉक्टर और मास्टर की मांग करते थे, लेकिन अब ऐसी मांगे आना बंद हो गई है। उन्होंने कहा कि सुकमा जिले में 13 वर्षों से बंद 105 स्कूल पुनः प्रारंभ किए गए, मुख्यमंत्री सुपोषण अभियान के माध्यम से 13.87 प्रतिशत बच्चे कुपोषण से बाहर हुए, यह एक रिकॉर्ड है। स्वास्थ्य के क्षेत्र में हाट बाजार क्लीनिक जैसी योजनाएं प्रारंभ हुई, बस्तर इलाके में डॉक्टरों की नियुक्ति का कार्य किया गया आज जगदलपुर में 22 डॉक्टर हैं जबकि बीजापुर जैसे दूरस्थ जिले में 26 डॉक्टर काम कर रहे हैं। बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं का यह परिणाम रहा कि पिछले वर्ष 200 प्रतिशत बारिश के बाद भी बस्तर क्षेत्र में डायरिया या उल्टी-दस्त से एक भी मृत्यु का मामला सामने नहीं आया। वन मंत्री मोहम्मद अकबर ने कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ को प्रकृति ने जो खनिज सम्पदा दी है। उसे देखते हुए छत्तीसगढ़ खनिज विकास निगम में काम करने की काफी गुंजाईश है। उन्होंने उम्मीद जताई कि खनिज विकास निगम प्रदेश के विकास में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। छत्तीसगढ़ खनिज विकास निगम के अध्यक्ष गिरीश देवांगन ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि सीएमडीसी छत्तीसगढ़ के विकास में खनिज संसाधनों का सदुपयोग करने का हरसंभव प्रयास करेगा। सीएमडीसी का यह प्रयास होगा कि खनिज आधारित उद्योगों को कच्चे माल की सुचारू आपूर्ति हो और उद्योगों में लोगों को रोजगार के अधिक से अधिक अवसर मिले। उन्होंने कहा कि सीएमडीसी गढ़बो नवा छत्तीसगढ़ का सपना साकार करने के लिए राज्य सरकार के साथ कदम से कदम मिलाकर कार्य करेगा।

राज्यपाल ने कराते खिलाड़ी हर्षा साहू का किया सम्मान

नव प्रदेश संवादाता

रायपुर। राज्यपाल सुश्री अनुसुईया उइके से आज यहां राजभवन में पूर्व अंतर्राष्ट्रीय कराते खिलाड़ी, शिएको काई कराते अकादमी श्रीमती हर्षा साहू ने सौजन्य मुलाकात की। राज्यपाल ने कहा कि आप बेटियों को जो आत्म रक्षा करने का प्रशिक्षण दे रही है वह सराहनीय है। राज्यपाल ने कहा कि वर्तमान समय में बेटियों को अपनी आत्मरक्षा का प्रशिक्षण अवश्य लेना चाहिए। इससे महिलाओं में एक आत्मविश्वास आएगा और असामाजिक तत्वों का मजबूती से सामना करेंगी। साथ ही उनके प्रति हो रही घटनाओं में भी कमी आएगी। इस अवसर पर राज्यपाल ने श्रीमती हर्षा साहू को शॉल व प्रतीक चिन्ह प्रदान कर सम्मान किया।

श्रीमती हर्षा ने बताया कि विगत वर्षों में उनके द्वारा छात्राओं को आत्मरक्षा का प्रशिक्षण दिया गया है। चलती ट्रेन व सूनसान जगह पर घटना होने पर असामाजिक तत्वों से कैसे निपटा जाए यह भी सिखाया गया है।

इंदिरा गांधी ने गरीबों, मजदूरों सहित समाज के सभी वर्गों के विकास के लिए अपना जीवन अर्पित किया : विस अध्यक्ष

■ महंत ने विधान सभा परिसर में पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की जयंती पर उनके तैलचित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर दी श्रद्धांजलि

नव प्रदेश संवादाता

रायपुर। बैंको का राष्ट्रीयकरण, देश की एकता एवं अखण्डता तथा ''गरीबी उन्मूलन कार्यक्रमों'' से उन्होंने हमेशा गरीबों, मजदूरों और समाज के सभी वर्गो के विकास के लिए अपना पूरा जीवन अर्पित किया। उक्त बातें विधान सभा अध्यक्ष डॉ. चरणदास महंत ने पूर्व प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी की जयंती के अवसर पर विधान सभा परिसर स्थित सेन्ट्रल हॉल में पूर्व प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी के तैलचित्र पर आज पुष्पांजलि अर्पित करते हुए कहीं।

डॉ. महंत ने कहा कि श्रीमती इंदिरा गांधी ने देश ही नहीं वरन् पूरी दुनिया पर अपनी अमिट छाप छोड़ी है। श्रीमती इंदिरा गांधी को उनके द्वारा लिए गए निर्भीक फैसलों और राजनीतिक दृढ़ता के लिए ''लौह महिला'' भी कहा जाता है। बैंको का राष्ट्रीयकरण, देश की एकता एवं अखण्डता तथा ''गरीबी उन्मूलन कार्यक्रमों'' से उन्होंने हमेशा गरीबों, मजदूरों और समाज के सभी वर्गो के विकास के लिए अपना पूरा जीवन अर्पित किया। उन्होंने कहा कि श्रीमती इंदिरा गांधी की जयंती के अवसर पर आज उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि यही होगी कि हम सब उनके बताये मार्ग एवं सिद्धांतों का अनुसरण करें। इस अवसर पर विधान सभा के प्रमुख सचिव चन्द्र शेखर गंगराड़े एवं विधान सभा सचिवालय के वरिष्ठ अधिकारियों ने भी पूर्व प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की।

नगर निगम ने पूर्व पीएम इंदिरा गाँधी को उनकी 103 वीं जयंती पर नमन किया

***रायपुर।** राजधानी शहर रायपुर में देश की पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गाँधी को उनकी 103 वीं जयंती पर रायपुर नगर पालिक निगम के संस्कृति विभाग ने ससम्मान नमन करने आयोजन रखा। इस संक्षिप्त एवं गरिमापूर्ण आयोजन में पहुँचकर राजधानी शहर के प्रथम नागरिक महापौर श्री एजाज ढेबर ने समस्त राजधानीवासियों की ओर से पूर्व प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गाँधी को सादर नमन करते हुए आदरांजलि अर्पित की। इस अवसर पर नगर निगम संस्कृति विभाग के अध्यक्ष आकाश तिवारी, जोन 5 अध्यक्ष श्री मन्नू विजेता यादव, जोन 9 अध्यक्ष प्रमोद मिश्रा सहित नगर के अनेक गणमान्यजनों ने पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गाँधी को उनकी 103 वीं जयन्ती पर नमन करते हुए कालीबाड़ी चौक स्थित प्रतिमा स्थल पर पुष्पांजलि अर्पित की।*

आरोप | केंद्री मौत मामला: परिवार के बीच संवेदना जताने भाजपा नेता पहुंचे, कहा

कर्ज, गरीबी, बेरोजगारी और स्मार्ट कार्ड से ईलाज नहीं होना बनी मौत की वजह

■ मृतक कमलेश ना शराब पीता था और ना ही मानसिक रोगी था-रमन

■ परिजनों के आंसू पोंछने कोई कांग्रेसी आ जाता तो क्या बिगड़ता-कौशिक

■ साहू परिवार की हत्या-आत्महत्या की होनी चाहिए न्यायिक जांच-सोनी

नव-प्रदेश संवादाता

मौत पर सवाल

- क्या आर्थिक तंगहाली से उठाया घातक कदम
- ईलाज के लिए स्मार्ट कार्ड का लाभ नहीं मिला
- सुसाईड नोट पुलिस परिजनों से क्यों छुपा रही है
- नशेड़ी, मानसिक रोगी नहीं था तो क्यों किया हत्या
- पुलिस के अलावा न्यायिक जांच के बाद खुलेगा राज

रायपुर। राजधानी में ऐन दिवाली बाद अपनी बूढ़ी मां, पत्नी समेत दो मासूम बच्चों को कथित तौर पर मारकर खुद फांसी लगा लेने वाले कमलेश साहू के मामले में भारतीय जनता पार्टी के दिग्गज नेताओं ने गंभीर आरोप और सवाल उठाए हैं। आज गुरुवार को पूर्व मुख्यमंत्री डॉ.रमन सिंह, नेताप्रतिपक्ष धरमलाल कौशिक, सांसद सुनील सोनी और पूर्व मंत्री-विधायक चंद्रशेखर साहू शोक संतप्त साहू परिवार से संवेदना जताने पहुंचे। परिवार से पूरी जानकारी और हत्याकांड के कथित संदिग्ध कमलेश साहू के संबंध में पूरी जानकारी ली। भाजपा का कहना है कि राज्य सरकार की नीतियों का लाभ और स्मार्ट कार्ड से ईलाज की सुविधा मिलती होती तो शायद वह ये कदम नहीं उठाता।

परिजनों से मुलाकात के बाद भाजपा नेताओं ने पूरे घटनाक्रम को रहस्यमय बताते हुए कई गंभीर आरोप सरकार और पुलिस पर भी लगाया। डॉ.रमन सिंह ने कहा कि परिवार को मौत के घाट उतारने और फिर आत्महत्या करने वाले कमलेश साहू ना तो शराबी था, ना ही मानसिक रोगी। परिजनों व जानकारी लेने के बाद पता चला कि वह आर्थिक तौर पर परेशान था। सभी को मारकर खुद फांसी पर लटक जाने की घटना की न्यायिक जांच के लायक बताते हुए भाजपा ने राज्य सरकार से मामले की उच्च स्तरीय जांच करवाने की मांग की है।

छत्तीसगढ़िया किसी गाय पर भी डंडा नहीं चलाता : रमन

रमन सिंह ने कहा कि छत्तीसगढ़िया किसी गाय पर डंडा नहीं चलाता है वह अपनी सगी मां, धर्मपत्नी और दो-दो मासूमों की जान कैसे ले सकता है। इतना बड़ा कदम उठाने के लिए यही बात सामने आ रही है कि बुजुर्ग मां के ईलाज, पत्नी-बच्चों की परवरिश और घर में आर्थिक तंगी से वह बेजार हो गया था। भाजपा का यह भी आरोप है कि परिजनों को सुसाईड नोट भी पुलिस ने दूर से ही दिखाई है। पूरे मामले में कमलेश साहू का सुसाईड नोट भी पुलिस सार्वजनिक नहीं की है जिसमें आर्थिक और बीमारी का भी जिक्र किया गया है। इससे साफ हो जाता है कि कांग्रेस राज में रोजगार, चिकित्सा और आर्थिक तंगहाली ही खुशहाल साहू परिवार की मौत की वजह है।

भाजपा के प्रश्न पर सीएम भूपेश का प्रति-प्रश्न

रमन सिंह 15 साल सीएम रहे, कितने मामले में परिजनों से मिले?

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने केंद्री में हुए साहू परिवार के मौत मामले में भाजपा की सियासत और उसके सवालों पर पलटवार किया है। भाजपा नेताओं के बयान पर तल्ख अंदाज में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने सवाल किया है कि वे 15 साल मुख्यमंत्री रहे उस वक्त कितनी हत्या-आत्महत्या के मामलों में परिजनों के घर गए संवेदना जताने। अब जब कुछ काम नहीं है तो वे केंद्री जाकर मौत पर सियासत करने की कोशीश कर रहे हैं। सीएम श्री बघेल ने कहा जो वारदात हुई वह दुखद है, लेकिन विपक्षी इसे राजनैतिक रंग दे रहे हैं। जबकि गृहमंत्री ने पुलिस से इस मामले में गहराई से जांच-पड़ताल के तत्काल आदेश दे दिये थे।

सियासत नहीं वे संवेदनहीन

भाजपा नेताओं के साहू परिवार से मिलने के बाद लगे सियासत करने के आरोप पर रमन सिंह ने पलटवार किया और कहा हम सियासत कर रहे हैं तो कांग्रेसी मंत्री, विधायक क्यों संवेदना जताने नहीं पहुंचे? घटना के तीसरे दिन भी कांग्रेस का कोई प्रभारी मंत्री तो दूर, गृहमंत्री, मुख्यमंत्री यहां तक की विधायक भी शोक संतप्त परिवार के पास दो शब्द बोलने नहीं पहुंचा। अब हमपर वो सियासत का आरोप लगाते हैं तो हम उन्हें संवेदनहीन ही कहेंगे।

पेट दर्द और सांस लेने में थी तकलीफ

■ मोबाइल मेडिकल यूनिट से इलाज के बाद मिल गया रिलिफ

■ मुख्यमंत्री शहरी स्लम स्वास्थ्य योजना: झुग्गी बस्तियों में रहने वाले गरीब परिवारों का इलाज हुआ आसान

रायपुर। 63 बसंत देख चुकी वृद्धा श्रीमती इंदिरा मनवानी को क्या मालूम था कि एक दिन अस्पताल और इलाज उसके घर के द्वार तक आ जायेगी। वह तो अस्पताल का मतलब घर से बहुत दूर और इलाज व दवा का मतलब लंबी लाइन और जमीन, जायदाद गिरवी ही समझती आई है। पेट और सिर दर्द से जूझ रही श्रीमती मनवानी अस्पताल जाने का विचार कर ही रही थी कि मुख्यमंत्री शहरी स्लम स्वास्थ्य योजना से प्रदेश में शुरू हुई मोबाइल मेडिकल यूनिट की टीम उसके द्वार पर आ पहुंची। यहां जांच पड़ताल के बाद मुफ्त में दवा भी मिली। डाक्टरों के सलाह और दवा ने इंदिरा की तकलीफे पल में दूर कर दी। अब इंदिरा मनवानी खुश है। कुछ ऐसी ही कहानी 55 साल की श्रीमती ललिता गुप्ता की है। कुछ दिनों से सिर में दर्द की शिकायत थी और उल्टी जैसा लग रहा था। अपने घर के पास मोबाइल मेडिकल यूनिट की शिविर लगी तो उन्होंने भी अपना निःशुल्क उपचार कराया और दवाई के साथ उन्हें राहत मिल गई।

प्रदेश में मोबाइल मेडिकल यूनिट टीम के माध्यम से झुग्गी बस्तियों के लोगों का निःशुल्क स्वास्थ्य जांच और इलाज होने से छोटी-छोटी बीमारी से जूझने वाले असंख्य परिवारों में खुशी की एक नई लहर है। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल और नगरीय प्रशासन विकास मंत्री डॉ शिवकुमार डहरिया की सोच का ही परिणाम है कि स्लम एरिया में रहने वाले परिवारों को उनके ही घरों के आसपास इलाज की सुविधा मिल रही है।

संपादकीय

चीनी उत्पादों का बहिष्कार जरूरी

इस साल दीपावली ने भारतीयों ने चीनी उत्पादों का बहिष्कार किया। हर साल दीपावली के अवसर पर चीनी उत्पादों की जमकर बिक्री होती थी चीनी पटाखे भी खूब बिका करते थे किन्तु इस बार न तो चीनी पटाखे लोगों ने खरीदे और न ही चीनी उत्पादों के प्रति अपनी दिलचस्पी दिखाई। नतीजतन चीन को इस बार दीपावली में 40 हजार करोड़ रूपए का नुकसान हुआ। गौरतलब है कि दीपावली के पूर्व प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देशवासियों से स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देने का आव्हान किया था। उन्होने लोकल को ही वोकल बनाने की पूरजोर अपील की थी इसी का नतीजा है कि इस बार भाजपा शासित कई राज्यों में चीनी पटाखों पर प्रतिबंध लगा दिया गया था। जिन राज्यों में चीनी पटाखों पर रोक नहीं थी वहां भी लोगों ने चीनी पटाखों से परहेज किया। वैसे भी कई राज्यों में किसी भी तरह के पटाखे चलाने पर रोक लगा दी गई थी और अधिकांश राज्यों में सिर्फ दो घण्टे का समय पटाखे चलाने के लिए निर्धारित किया गया था। इन बंदिशों के कारण भी पटाखे कम बिके और चीनी पटाखें तो बिलकुल भी नहीं बिके। भारतीयों के इस जज्बे को सलाम जिन्होने चीनी उत्पादों का बहिष्कार कर देश प्रेम की भावना का परिचय दिया है। यह जज्बा ऐसे ही बना रहना चाहिए भविष्य मे भी चीनी उत्पादों का बहिष्कार होना चाहिए क्योंकि सरकार व्यापारिक समझौतों से बंधी हुई है इसलिए वह चीन से आयात पर रोक नहीं लगा सकती लेकिन हम भारतीय उपभोक्ता चीनी उत्पाद खरीदने के लिए बाध्य नहीं है इसलिए चीनी उत्पादों का बहिष्कार कर सकते है और उसकी जगह स्वदेशी उत्पादों को खरीद कर भारत को आत्मनिर्भर बनाने में अपना योगदान दे सकते है। जिस तरह चीन भारत के खिलाफ सीमा विवाद के चलते साजिशें रच रहा है और पाकिस्तान को भारत के खिलाफ उकसा रहा है उसे देखते हुए चीन को सबक सिखाना जरूरी है चीन की कमरतोड़ कर ही हम उसे सबक सिखा सकते है इसलिए चीनी उत्पादों का बहिष्कार आगे भी लगातार चलना ही चाहिए।

विचार

गैंग नहीं, सियासी पार्टियां

याद रखना चाहिए कि इस राज्य में उग्रवाद के चरम उठान के दिनों में भी ये पार्टियां न केवल चुनाव प्रक्रिया से जुड़ी रहकर राज्य में सरकार चलाती रही हैं बल्कि इनके सैकड़ों नेता-कार्यकर्ता आतंकी हमलों में मारे गए हैं और अलग-अलग समय में ये केंद्र सरकार का भी हिस्सा रही हैं। अंतरराष्ट्रीय मंचों पर इन दलों के प्रमुख नेता कश्मीर को लेकर भारत के पक्ष का समर्थन करते रहे हैं।

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने मंगलवार को कांग्रेस और जम्मू-कश्मीर की स्थानीय राजनीतिक पार्टियों पर तीखा हमला बोलते कहा कि कांग्रेस और गुपकार गैंग जम्मू-कश्मीर को फिर से आतंक और उत्पात के दौर में ले जाना चाहते हैं। गुपकार गैंग से गृहमंत्री का मतलब उन पार्टियों से है जो गुपकार डिक्लेरेशन का हिस्सा हैं। नैशनल कॉन्फ्रेंस, पीडीपी, पीपल्स कॉन्फ्रेंस और सीपीआईएम ने मिलकर पीपल्स अलायंस फॉर गुपकार डिक्लेरेशन (पीएजीडी) नाम का एक राजनीतिक मोर्चा बनाया है जो एक इकाई के रूप में राज्य में स्थानीय निकायों के चुनाव लड़ रहा है। कांग्रेस का इनके साथ घोषित तौर पर कोई समझौता नहीं है, लेकिन स्थानीय स्तर पर सीटों का तालमेल होने की चर्चा है।

चूंकि गुपकार डिक्लेरेशन से प्रतिबद्धता जताने वाला यह संगठन राज्य में अनुच्छेद 370 बहाल किए जाने की मांग करता है और फारूख अब्दुल्ला तथा महबूबा मुफ्ती के कुछ तीखे बयानों पर विवाद भी हो चुका है, इसलिए भारतीय जनता पार्टी का उन पर खास तौर पर हमलावर होना स्वाभाविक है। लेकिन यहां मामला देश के गृहमंत्री के बयान का है। जम्मू-कश्मीर में प्रभाव रखने वाली मुख्यधारा की पार्टियों के एक मोर्चे को गैंग या अपराधियों के गिरोह के रूप में संबोधित करना उचित नहीं कहा जा सकता। याद रखना चाहिए कि इस राज्य में उग्रवाद के चरम उठान के दिनों में भी ये पार्टियां न केवल चुनाव प्रक्रिया से जुड़ी रहकर राज्य में सरकार चलाती रही हैं बल्कि इनके सैकड़ों नेता-कार्यकर्ता आतंकी हमलों में मारे गए हैं और अलग-अलग समय में ये केंद्र सरकार का भी हिस्सा रही हैं। अंतरराष्ट्रीय मंचों पर इन दलों के प्रमुख नेता कश्मीर को लेकर भारत के पक्ष का समर्थन करते रहे हैं। आज भी ये स्थानीय चुनावों में पूरी शिद्दत से शामिल हो रहे हैं, चुनाव बहिष्कार की बात नहीं कर रहे। अगर ये दल राज्य में अनुच्छेद 370 की वापसी की मांग पर अड़े हुए हैं तो उनकी इस मांग से सहमत होना जरूरी नहीं है, लेकिन इसके साथ ही हमें यह याद रखना चाहिए कि भारत का संविधान और यहां की लोकतांत्रिक व्यवस्था उन्हें शांतिपूर्ण ढंग से अपनी बात रखने की इजाजत देती है। आखिर अनुच्छेद 370 के लागू रहते हुए भी जम्मू-कश्मीर लंबे समय तक इस देश का अभिन्न अंग रहा है। सरकार और भारतीय जनता पार्टी यह कहती रही है कि अनुच्छेद 370 के तहत विशेष प्रावधान खत्म करने का फैसला राज्य की जनता के हित में किया गया है। चुनाव वह उपयुक्त मौका है जब पार्टी के कार्यकर्ता घर-घर जाकर लोगों को इस फैसले की खूबियां समझा सकते हैं और उन्हें समझाना चाहिए। इसके बजाय जम्मू-कश्मीर के राजनीतिक संगठनों को आपराधिक गिरोह करार देने वाले सरकारी बयान इन्हें चुनाव प्रक्रिया से बाहर धकेलने का काम करेंगे। ऐसा हुआ तो उन तत्वों को मजबूती मिलेगी जो राज्य में लोकतांत्रिक प्रक्रिया को हाशिये पर डालकर लोगों को आतंकी रास्ते की ओर ले जाने का प्रयास कर रहे हैं।

योगेश कुमार गोयल

> इस पर्व की शुरूआत को लेकर कुछ मान्यताएं महाभारत काल से भी जुड़ी हैं। पाण्डवों की पत्नी द्रोपदी द्वारा परिजनों के उत्तम स्वास्थ्य की कामना और लंबी आयु के लिए नियमित रूप से सूर्य की पूजा करने का उल्लेख मिलता है। पौराणिक कथाओं के अनुसार पाण्डव जब अपना सारा राजपाट जुए में हार गए थे, तब श्रीकृष्ण के निर्देशानुसार द्रोपदी ने छठ व्रत रखा और छठी मैया के आशीर्वाद से उनकी मनोकामनाएं पूर्ण होने पर पाण्डवों को राजपाट वापस मिला। सूर्यपुत्र कर्ण तो भगवान सूर्य के परम भक्त थे, जो प्रतिदिन घंटों तक कमर तक पानी में खड़े होकर सूर्यदेव को अर्ध्य दिया करते थे। सूर्यदेव की कृपा से ही वे महान् योद्धा बने थे। माना जाता है कि सर्वप्रथम महाबली कर्ण ने ही सूर्यदेव की पूजा शुरू की थी और आज भी छठ पर्व में सूर्य को अर्ध्य देने का विशेष महत्व है।

छठ पूजा पर विशेष

आस्था और निष्ठा का अनुपम लोकपर्व छठ

पंच पर्व महोत्सव दीवाली के बाद प्रतिवर्ष प्रकृति की पूजा का महापर्व 'छठ' बड़ी धूमधाम से मनाया जाता है। इस वर्ष यह पर्व 20 नवम्बर को मनाया जा रहा है। सूर्य को एकमात्र ऐसा भगवान माना जाता है, जो वास्तव में हर किसी को दिखाई देते हैं और छठ पर्व पर सूर्य भगवान की ही पूजा होती है। कार्तिक शुक्ल पक्ष की षष्ठी को मनाए जाने वाले इस चार दिवसीय उत्सव की शुरूआत कार्तिक शुक्ल चतुर्थी को तथा समाप्ति कार्तिक शुक्ल सप्तमी को होती है और इस दौरान श्रद्धालु 36 घंटे का कठिन व्रत रखते हैं। छठ पूजा की शुरूआत चतुर्थी के दिन 'नहाय खाय' से होती है। अगले दिन 'खरना' होता है, तीसरे दिन छठ पर्व का प्रसाद तैयार किया जाता है और स्नान कर अस्त होते सूर्य को अर्ध्य दिया जाता है। सप्तमी को चौथे और अंतिम दिन उगते सूर्य की पूजा-आराधना के साथ इस महापर्व का समापन होता है। चूंकि सूर्योपासना का यह महापर्व कार्तिक शुक्ल पक्ष की षष्ठी को मनाया जाता है, इसीलिए इसे छठ कहा जाता है। सही मायनों में यह आस्था और निष्ठा का अनुपम लोकपर्व है।

उत्तर भारत और विशेषकर पर बिहार, झारखण्ड, पूर्वी उत्तर प्रदेश तथा नेपाल के तराई क्षेत्रों में मनाया जाने वाला सूर्योपासना का यह महापर्व सूर्य, उनकी पत्नी उषा और प्रत्यूषा, प्रकृति, जल, वायु और सूर्य की बहन छठी मैया को समर्पित है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार छठी माता को सूर्य देवता की बहन माना जाता हैं। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार छठी मैया संतानों की रक्षा करती हैं और उनको लंबी आयु प्रदान करती हैं। कहा जाता है कि छठ पर्व में सूर्य की उपासना करने से वह प्रसन्न होकर घर-परिवार में सुख-समृद्धि, रोगमुक्ति, सम्पन्नता और मनोवांछित फल प्रदान करती हैं। उषा तथा प्रत्यूषा को सूर्य की शक्तियों का मुख्य स्रोत माना गया है, इसीलिए छठ पर्व में सूर्य तथा छठी मैया के साथ इन दोनों शक्तियों की भी आराधना की जाती है। प्रातःकाल में सूर्य

की पहली किरण (उषा) और सायंकाल में सूर्य की अंतिम किरण (प्रत्यूषा) को अर्ध्य देकर दोनों को नमन किया जाता है। पुराणों में षष्ठी देवी का एक नाम कात्यायनी भी है, जिनकी पूजा नवरात्र में षष्ठी को होती है। षष्ठी देवी को ही छठ मैया कहा गया है, जो निसंतानों को संतान देती हैं और संतानों की रक्षा कर उनको दीर्घायु बनाती हैं।

छठ पर्व के प्रसाद में प्रायः चावल के लड्डू बनाए जाते हैं और बांस की टोकरी में प्रसाद तथा फल सजाकर इस टोकरी की पूजा की जाती है। व्रत रखने वाली महिलाएं सूर्य को अर्ध्य देने तथा पूजा के लिए तालाब, नदी अथवा घाट पर जाकर स्नान कर डूबते हुए सूर्य की पूजा करती हैं और अगले दिन सूर्योदय के समय सूर्य को अर्ध्य देकर पूजा करने के पश्चात् प्रसाद बांटकर छठ पूजा का समापन होता है। पर्यावरणविदों के अनुसार यह पर्व सबसे ज्यादा पर्यावरण अनुकूल हिन्दू त्यौहार है, जो नदियों को प्रदूषण मुक्त बनाने का प्रेरणा देता है। छठ पूजा के अवसर पर नदियों, तालाबों तथा अन्य जलाशयों के किनारे पूजा की जाती है, जिससे लोगों को ऐसे जलस्रोतों के आसपास साफ-सफाई रखने की प्रेरणा मिलती है। दरअसल धार्मिक मान्यताओं के अनुसार छठ पूजा साफ-सुथरी नदी, तालाबों या अन्य जलस्रोतों के किनारे ही की जाती है, इसीलिए पूजा से पहले इन जलस्रोतों के आसपास पूरी साफ-सफाई करने का विधान है।

छठ व्रत के संबंध में अनेक कथाएं प्रचलित हैं। ऐसी ही एक कथानुसार प्राचीन काल में प्रियव्रत नामक एक राजा थे, जिनकी कोई संतान नहीं थी। इससे वे बेहद दुखी और चिंतित रहा करते थे। एक दिन राजा की महर्षि कश्यप से भेंट होने पर उन्होंने अपना दुख महर्षि कश्यप के समक्ष व्यक्त किया। महर्षि कश्यप ने पुत्र प्राप्ति के लिए उन्हें यज्ञ करने को कहा। राजा ने यज्ञ कराया, जिसके बाद महारानी मालिनी ने एक पुत्र को तो जन्म दिया लेकिन शिशु मृत ही पैदा हुआ। दुखी राजा ने मृत शिशु को श्मशान ले जाकर पुत्र वियोग में अपने प्राण त्यागने का भी निश्चय किया। तभी ब्रह्माजी की मानस कन्या देवसेना ने प्रकट होकर राजा से कहा कि हे राजन्! मैं सृष्टि की मूल प्रवृत्ति के छठे अंश से उत्पन्न होने के कारण षष्ठी कहलाती हूं, आप मेरी पूजा करें तथा लोगों को भी मेरी पूजा के लिए प्रेरित करें। राजा ने कार्तिक शुक्ल षष्ठी को पुत्र इच्छा से देवी षष्ठी का व्रत किया, जिसके फलस्वरूप उन्हें पुत्र रत्न की प्राप्ति हुई। मान्यता है कि उसी के बाद छठ पूजा की परम्परा शुरू हुई।

इस पर्व की शुरूआत को लेकर कुछ मान्यताएं महाभारत काल से भी जुड़ी हैं। पाण्डवों की पत्नी द्रोपदी द्वारा परिजनों के उत्तम स्वास्थ्य की कामना और लंबी आयु के लिए नियमित रूप से सूर्य की पूजा करने का उल्लेख मिलता है। पौराणिक कथाओं के अनुसार पाण्डव जब अपना सारा राजपाट जुए में हार गए थे, तब श्रीकृष्ण के निर्देशानुसार द्रोपदी ने छठ व्रत रखा और छठी मैया के आशीर्वाद से उनकी मनोकामनाएं पूर्ण होने पर पाण्डवों को राजपाट वापस मिला। सूर्यपुत्र कर्ण तो भगवान सूर्य के परम भक्त थे, जो प्रतिदिन घंटों तक कमर तक पानी में खड़े होकर सूर्यदेव को अर्ध्य दिया करते थे। सूर्यदेव की कृपा से ही वे महान् योद्धा बने थे। माना जाता है कि सर्वप्रथम महाबली कर्ण ने ही सूर्यदेव की पूजा शुरू की थी और आज भी छठ पर्व में सूर्य को अर्ध्य देने का विशेष महत्व है। एक मान्यता यह भी है कि देवमाता अदिति ने प्रथम देवासुर संग्राम में असुरों से देवताओं के हार जाने पर तेजस्वी पुत्र की प्राप्ति के लिए देवारण्य के देव सूर्य मंदिर में छठी मैया की आराधना की थी। छठी मैया ने उनकी आराधना से प्रसन्न होकर उन्हें सर्वगुण सम्पन्न तेजस्वी पुत्र को जन्म देने का वरदान दिया, जिसके बाद अदिति ने त्रिदेव रूप आदित्य भगवान को जन्म दिया, जिन्होंने देवताओं को असुरों पर विजय दिलाई। कहा जाता है कि तभी से छठ पर्व मनाए जाने का चलन शुरू हो गया।

डॉ. श्रीनाथ सहाय

> भारत में 1986 में नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) की स्थापना हुई है जिसका मकसद देश में नशीले पदार्थों की तस्करी पर लगाम लगाना है। वहीं नशाखोरी की रोकथाम के लिए 1985 में नारकोटिक्स ड्रग्स एंड साइकोट्रापिक एक्ट बनाया गया था। इस एक्ट को प्रभावी बनाने के लिए इसमें तीन बार संशोधन हो चुके हैं। 1998 में राष्ट्रीय मादक द्रव्य निवारण संस्थान की स्थापना का उद्देश्य भी देश में मादक द्रव्यों की मांग में कमी लाना है। मगर देश में नशे के खिलाफकड़े कानून व सुरक्षा एजेंसियों की सर्तकता के बावजूद ड्रग्स के करोड़ों रुपए के काले कारोबार के बढ़ते दायरे की जमीनी हकीकत होश उड़ाने वाली है।

नशे के काले कारोबार पर शिंकजा कसना होगा

बॉलीवुड अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत के मौत मामले में ड्रग्स कनेक्शन सामने आया है। उसके बाद से देशभर में नशे के कारोबार पर बहस का नया दौर शुरू हो गया है। भारत में नशे का कारोबार दिन प्रतिदिन बढ़ता ही जा रहा है। वालीबुड में नशे को लेकर रोजाना हो रहे खुलासे से लोग हतप्रभ है। नारकोटिक्स ब्यूरो बालीवुड में फैले इस काले कारोबार का खुलासा करने में जुटा है। इसमें कोई दो राय नहीं है कि देश के बड़े शहरों के अलावा छोटे शहरों और कस्बों में नशे का सामान सरेआम बिकता है। बताया जा रहा है मुम्बई में होने वाली पार्टियों में नशे का खुलकर प्रयोग हो रहा है विशेषकर नये कलाकार इसकी चपेट में आ रहे है।

युवा नशे की गिरफ्त में जल्दी आते हैं, ये खुला तथ्य है। स्कूल और कॉलेज के छात्रों में ड्रग और नशीली दवाओं का इस्तेमाल तेजी से बढ़ रहा है। छात्र मारिजुयाना, एलएसडी, एटीएस और एमडीएमए जैसे ड्रग्स धड़ल्ले से ले रहे हैं। यही नहीं, कई बार वे कफ-सिरप और दर्दनाशक दवाओं का इस्तेमाल नशे के लिए करते हैं। युवाओं में ड्रग का प्रचलन पिछले कुछ समय से पूरी दुनिया में बढ़ा है। एम्स में नेशनल ड्रग डिपेंडेंस ट्रीटमेंट सेंटर (एनडीडीटीसी) के 2019 के एक सर्वेक्षण का अनुमान है कि देश में 3.1 करोड़ लोग मारिजुयाना का सेवन करते हैं। नशे के रूप में शराब, गांजा, जर्दा, ब्राउन.शुगर, कोकीन, स्मैक आदि मादक पदार्थों का प्रयोग करते हैं, जो स्वास्थ्य के साथ सामाजिक और आर्थिक दोनों लिहाज से ठीक नहीं हैं। नशे का आदी व्यक्ति समाज की दृष्टी से हेय हो जाता हैं, और उसकी सामाजिक क्रियाशीलता जीरो हो जाती हैं ,फिर भी वह व्यसन को नहीं छोड़ता हैं। शराब और अन्य मादक पदार्थों के सेवन से पेट और लीवर खराब होते हैं। इससे मुख में छाले पड़ सकते हैं और पेट का कैंसर हो सकता है। पेट की नलियों और रेशों पर इसका असर होता है, यह पेट की अंतडियों को नुकसान पहुंचाती है। इससे अल्सर हो जाता है, जिससे गले और पेट की नली में सूजन आ जाती है और बाद में कैंसर भी हो सकता है इसी तरह गांजा और भांग जैसे पदार्थ इंसान के दिमाग पर बुरा असर डालते हैं। स्मोकिंग से फेफड़े में कैंसर होता हैं, वहीं कोकीन, चरस, अफीम लोगों में उत्तेजना बढ़ाने का काम करती हैं, जिससे समाज में अपराध और गैरकानूनी हरकतों को बढ़ावा मिलता हैं। इन नशीली वस्तुओं के उपयोग से व्यक्ति पागल और सुप्तावस्था में चला जाता हैं।

ड्रग्स का धंधा पूरी दुनिया में फैला है और भारत की भौगोलिक स्थिति उसकी सप्लाई में अहम भूमिका निभाती है। भारत हेरोइन और हशीश का उत्पादन करने वाले देशों के बीच में स्थित है। गोल्डन ट्रायंगल (थाइलैंड-लाओस-म्यांमार) और गोल्डन क्रीसेंट (अफगानिस्तान-पाकिस्तान-ईरान) के कई देशों की सीमाएं भारत से मिलती हैं। इसकी वजह से भारत में ड्रग्स को पहुंचाना आसान हो जाता है। वैसे तो कोई आधिकारिक आंकड़ा नहीं है, पर एजेंसियों के अधिकारियों के अनुसार देश में हर साल करीब 10 लाख करोड़ रुपये का ड्रग कारोबार किया जाता है। यह आकलन एजेंसियों द्वारा जब्त की गई ड्रग्स और सूचना के आधार पर किया गया है।

भारत में विभिन्न प्रकार के नशीले पदार्थों की कोई कमी नहीं है। यहां भांग, हशीश, चरस, कोकीन से लेकर डॉक्टरों द्वारा लिखी जाने वाली दवाओं जैसे ट्रामैडॉल, कोडीन, डिजायनर ड्रग जैसे मेथाफेटामाइन, गोलियां जैसे याबा या जाबा- सभी प्रकार की ड्रग्स का इस्तेमाल धड़ल्ले से अवैध रूप से हो रहा है। भारत में विदेश से आने वाली अवैध ड्रग्स म्यांमार की सीमा से मणिपुर, मिजोरम पहुंचाई जाती है। इसी तरह पाकिस्तान से पंजाब, राजस्थान, गुजरात, जम्मू-कश्मीर में पहुंचती है। फिर, नेपाल से उत्तर प्रदेश और बिहार में पहुंचाई जाती है। इसके अलावा मैक्सिको, कोलंबिया से भेजी गई ड्रग्स ब्राजील, अफ्रीका, दुबई होते हुए अरब सागर के जरिए भारत में पहुंच जाती है। समुद्री तट पर पहुंचने के बाद गोवा और कर्नाटक के रास्ते देश के दूसरे इलाकों में भेजी जाती है। कई बार तस्कर हवाई रास्ते का भी इस्तेमाल करते हैं। भारत में कोकीन प्रमुख रूप से दक्षिण अमेरिका से कोक गैंग के जरिए आती है। यह गैंग नेपाल, दिल्ली, गोवा और मुंबई के बीच काम करता है। 1930 के दशक में गांधी जी ने 'हरिजन' तथा 'यंग इंडिया' नामक पत्रिकाओं के जरिए शराब को देश के लिए घातक बताकर इसका पुरजोर विरोध किया था। 'नशा मुक्त भारत' गांधी जी का एक सपना था, मगर आलम यह है कि आज देश की अर्थव्यवस्था में शराब अपना मजीद किरदार निभा रही है, जिसके चलते लोगों की शराब के प्रति दीवानगी और बढ़ रही है और दूसरी तरफ हमारी हुकूमतें 'नशा मुक्ति केंद्रों' की स्थापना भी कर रही हैं। समाज में पनप रहे विभिन्न प्रकार के अपराधों का एक कारण नशा भी है।

पाठकों की बात

पत्र, प्रतिक्रियाएं, सोशल मीडिया

जब तुम मिले कुछ

जब तुम मिले कुछ ऐसा हुआ, जैसे अनेकों जन्म साँसों में भर गए, जैसे मृत्यु की ओर आखिरी कदम से ठीक पहले, जिजीविषा जाग उठी हो अचानक, जैसे युगों पूर्व मुरझाई हुई आकांक्षाओं को, पुनर्जीवन प्राप्त हो गया हो, जब तुम मिले सरपट दौड़ा समय, चंद लम्हों में ही सही जिंदगी जी ली हमने।

– वर्षा वर्षिता श्रीवास्तव

हम आपके अपने हैं

हम आपके अपने हैं, झूठ-मूठ ही ऐसा दिखाने की कवायद से भी मुक्त कर गई, कोरोना काल की दीपावली. दूर रहने वालों की बात क्या करना, पड़ोसियों ने भी एक-दूसरे से सोशल डिस्टेंशिंग बनाए रखी और वाट्सएप से शुभकामनाएं देकर छुट्टी पा ली. वाह कोरोना.. तूने वो सच्चाई दिखा दी, जो शायद कभी नहीं दिखती।

– अनिल पाण्डेय

ख़ास पाती | बेशक तड़पता रहा है तू भी

बेशक तड़पता रहा है तू भी ये जानती हूँ मैं, अश्कों के सुनामी कितने देर रात तकिए के गिलाफ़ पर, जज़्ब करता है तू भी ये जानती हूँ मैं, कसकते दिल पर अपनी हथेलियों की हरारत मे मुझे ही तो महसूस करता रहा है तू भी ये जानती हूँ मैं, ख़ामोशी के इस आलम मे जुदाई के इस मौसम मे हर तन्हा लम्हे मे पल पल मुझसे ही बात करता रहा है तू भी ये जानती हूँ मैं, ये तेरा यूं यकबयक आकर मुझको बाहों में भरना जी भरकर मुझको प्यार करना बिलखकर मेरा, तेरे दामन मे पिघलना जुदाई की स्याह रातों में यही ख़्वाब बुनता है तू भी ये जानती हूँ मैं, अब रुबरू हैं हम तुम थरथराते लबों पे सवाल बेहिसाब लबों मे ही उलझे जवाब बेहिसाब अब सवाल गुम, जवाब गुम दो बुत मचल रहे आतिशे इश्क़ मे, न रोको , न टोको ये मिलन है लंबी जुदाई के बाद अब रात के आगोश में पिघल रहा है चाँद इश्क़ की तपिश से सूरज सा जल रहा है चाँद, अब जुदा न हों कभी ये सिलसिला चलता रहे न रहें मुंतज़िर वक्त के ये नूर यूं ही बरसता रहे यही सोच रहे हो तुम ये जानती हूँ मैं।

– नम्रता सरन सोना

परिवर्तन एक गहन प्रक्रिया है व्यक्तित्व के

परिवर्तन एक गहन प्रक्रिया है व्यक्तित्व के स्तर पर ये कई घटनाओं से घटे अनुभवों की श्रृंखला से समृद्ध होता है और स्थान समय और परिस्थितियों के स्तर पर समय के अनुसार रूप बदलता है और यही परिवर्तनशीलता इस संसार का एक मात्र अपरिवर्तनशील नियम हैतो इस उपलब्ध अस्थाई जीवन मे अंततः यहीं एकमात्र गम्भीरता से विचारणीय विषय है कि यहां गम्भीरता से विचारने योग्य है क्या ?

– कुलदीप वर्मा

जानते हो मेरे पहाड़ों पर चांदनी

जानते हो मेरे पहाड़ों पर चांदनी चीड़ों पर छन छन कर गिरती है और धूप उन पर टप टप टपकती है ..... वो बस मुस्कुराते रहते हैं ठीक उसी तरह एक रोज़ तुम मेरे लिए चीड़ हो जाना ... मुझे चाँद से धूप और धूप से चाँद लिखना है तुम पर । मुझे तुम पर पहाड़ी मुस्कान देखनी है... एक रोज़।

– कल्पना पाण्डेय

दर्द जब डूबकर दिल में विरह

दर्द जब डूबकर दिल में, विरह पर वार करते हैं। अश्रु तब छलछलातें हैं, नयन से प्यार करते हैं। विवश, बेकल सदायें तब, हृदय में कसमसाती हैं, साँस गिर-गिर के उठती हैं ,आह अभिसार करते हैं।

– किरण मिश्रा

क्या हुआ यदि चांद हूं मैं गगन

क्या हुआ यदि चांद हूं मैं गगन का श्रृंगार हूं मैं क्या हुआ? बहुत ऊंचे शिखर पर अक्सर ऑक्सीजन की कमी होती है बहुत पास आकर कदम अक्सर लौट जातें हैं उल्टें पांव परिणामतः धुली-धुली सी मेरी आंखों में एक रीती रीती सी नमी होती है।

– ममता अमर

दुर्योधन के पास हर सुख सुविधा

दुर्योधन के पास हर सुख सुविधा थी फिर भी वह अधर्मी व दुष्ट प्रवर्ति का हो गया । कुंती ने अभाव में भी पांडवों को अधर्मी व दुष्ट नहीं बनने दिया और धर्म अधर्म का भेद बताया । इसलिए बच्चों के श्रेष्ठ जीवन के लिए उनकी अच्छी व बुरी बात पर नजर रखें , गलत करने से रोकें।

– निरंजन 'नीर'

QUIZ TIME

1) क्षेत्र के संदर्भ में, छत्तीसगढ़ भारत काज्ज.. सबसे बड़ा राज्य है जम्मू-कश्मीर गठन के बाद।

2) धनकुल किस प्रकार के वाद्य है?

3) लॉकडाउन के दौरान मध्यान्ह भोजन वितरण में छत्तीसगढ़ का कौन-सा क्रम है? (प्रथम / द्वितीय / तृतीय)

4) शहीद महेंद्र कर्मा तेंदूपत्ता संग्राहक सामाजिक सुरक्षा योजना का शुभारंभ कब किया गया?

5) छत्तीसगढ़ राजनीति के चाणक्य का नाम बताइए?

Ramaquiz

उत्तरमाला- (1) नौवाँ (2) तत वाद्य (3) प्रथम (4) 5 अगस्त, 2020 (5) वासुदेव चंद्राकर

आज का इतिहास

नई दिल्ली (वार्ता)। 1750- मैसूर के शासक टीपू सुल्तान का जन्म। 1815 : यूरोप में शांति व्यवस्था बनाये रखने के लिए रूस, आस्ट्रिया और इंग्लैंड ने गठबंधन किया। 1866 : अमेरिका के वांशिगटन में हावर्ड विश्वविद्यालय की स्थापना की गयी। 1910- रूस के प्रसिद्ध लेखक लियोन टॉलेस्ट्वाय का निधन। 1917- यूक्रेन गणराज्य घोषित हुआ। 1917 : कलकत्ता (अब कोलकाता) में बोस अनुसंधान संस्थान की स्थापना की गयी। 1942 : ब्रिटिश सेना ने लीबिया की राजधानी बेनगाजी पर दोबारा कब्जा किया। 1945- जापान का अमेरिका के समक्ष पूर्ण आत्मसमर्पण एवं द्वितीय विश्व युद्ध की समाप्ति। 1949 : इजरायल में यहूदियों की संख्या 10 लाख हो गयी। 1955 : पॉली उमरीगर ने न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट मैच में भारत की ओर से पहला दोहरा शतक लगाया। 1968- अमेरिका ने नेवादा में परमाणु परीक्षण किया। 1971 : स्पेन के तानाशाह जनरल फ्रैंको का निधन हुआ। 1975- स्पेन पर 39 वर्षों तक शासन करने वाले तानाशाह जनरल फ्रैंसिस?को फ्रैंको का निधन। 1981 : भास्कर उपग्रह को छोड़ा गया। 1984- प्रसिद्ध शायर फ़ैज़ अहमद का निधन। 1985 : माइक्रोसाफ्ट विंडोज 1.0 को जारी किया गया। 1989 : भारतीय महिला फ्रीस्टाइल पहलवान बबीता फोगाट का जन्म। 1997 : अमेरिकी अंतरिक्ष शटल यान 'कोलम्बिया' फ्लोरिडा के कैनेडी अंतरिक्ष केन्द्र से सफलतापूर्वक प्रक्षेपित किया गया। 1998 : अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन जारया का पहला माड्यूल जारी किया गया।

अंजना-अमरीश स्टारर 'जय मां विंध्यवासिनी' की शूटिंग पूरी

> अब हम जल्द ही इस फिल्म का पोस्ट प्रोडक्शन शुरू करेंगे, जिससे सिनेमाघरों के खुलने के बाद हम इसे अच्छी सी तारीख पर रिलीज करा सकें। बेलु ने दावा किया कि यह फिल्म फूहड़ता फ्री है और यह सभी प्रकार के दर्शकों को पसंद आने वाली है। इस फिल्म को कोई भी अपने परिवार के साथ बैठकर देख सकता है।

मुबंई (वार्ता)। भोजपुरी सिनेमा की सुपरस्टार अभिनेत्री अंजना सिंह और अभिनेता अमरीश सिंह स्टारर 'जय मां विंध्यवासिनी' की शूटिंग पूरी हो गयी है। निर्देशक विष्णु शंकर बेलु की आने वाली भोजपुरी फिल्म 'जय मां विंध्यवासिनी' की शूटिंग समाप्त हो गई है। इस फिल्म में भोजपुरी हॉट केक अंजना सिंह और सुपर स्टार अमरीश सिंह मुख्य भूमिका में हैं। फिल्म की शूटिंग दो नवंबर से तपोभूमि प्रयागराज के हंडिया (उत्तर प्रदेश) में चल रही थी। इस फिल्म के प्रोड्यूसर जय सिंह हैं और फिल्म का निर्माण श्रद्धा साई प्रोडक्शन के बैनर तले किया जा रहा है। फिल्म 'जय मां विंध्यवासिनी' के फाइनल शॉट के बाद निर्देशक विष्णु शंकर बेलु ने बताया कि फिल्म के शूट का अनुभव बेहद खास और शानदार रहा। यह भोजपुरी की अनोखी धार्मिक जोन की फिल्म है, जो दर्शकों को खूब पसंद आने वाली है। शूटिंग के दौरान भी सबों ने अपनी-अपनी भूमिका को खूब इंजॉय किया।

अमाल मलिक का पॉप डेब्यू सॉन्ग 'तू मेरा नहीं' मचा रहा है धूम

मुंबई (वार्ता)। बॉलीवुड हिटमेकर एवं सुप्रसिद्ध संगीतकार अमाल मलिक का पॉप डेब्यू सॉन्ग 'तू मेरा नहीं' धूम मचा रहा है। अमाल मलिक ने सोनी म्यूज़िक इंडिया के साथ मिलकर अपना पहला पॉप सिंगल 'तू मेरा नहीं' रिलीज़ किया, जिसे अमाल ने ही संगीतबद्ध और स्वरबद्ध किया है और रश्मि विराग ने लिखा है। यह गाना अब श्रोताओं से खूब तारीफबटोर रहा है। मीका सिंह, रफ्तार, शान, जैकलीन फर्नांडीज, इमरान हाशमी, हुमा कुरैशी, परिणीती चोपड़ा, कियारा आडवाणी, दिशा पाटनी, विक्रांत मेस्सी, हिमेश रेशमिया, ईशान खट्टर, टाइगर श्रॉफ कनिका कपूर, पुलकित सम्राट, तुलसी कुमार, मोनाली ठाकुर ,सहित बॉलीवुड और संगीत इंडस्ट्री के कई नामचीन कलाकारों ने अपने सोशल मीडिया के माध्यम से अमाल को ढेर सारी शुभकमनाएं दी और उनके इस पॉप डेब्यू कि जमकर तारीफ भी की।

रणवीर सिंह ने फ़िल्म सर्कस की शूटिंग शुरू की

मुंबई (वार्ता)। बॉलीवुड अभिनेता रणवीर सिंह ने अपनी आने वाली फिल्म 'सर्कस' की शूटिंग शुरू कर दी है।

बॉलीवुड फिल्म निर्देशक रोहित शेट्टी, रणवीर सिंह को लेकर फिल्म 'सर्कस' बना रहे हैं। रोहित इससे पूर्व रणवीर के साथ सिंबा और सूर्यवंशी में काम कर चुके हैं। फिल्म 'सर्कस' एक कॉमेडी फिल्म होगी।रोहित के निर्देशन में बन रही सर्कस फिल्म की शूटिंग मुंबई के महबूब स्टूडियो से शुरू की गई है। बताया जा रहा है कि महबूब स्टूडियो में रणवीर के अलावा पूजा हेगड़े, मुरली शर्मा और वरूण शर्मा को सीन शूट करते हुए देखा गया है। इस फिल्म में जैकलीन फर्नांडीस भी मुख्य किरदार में दिखाई देंगी।

कहा जा रहा है कि रोहित शेट्टी अपनी अगली फिल्म सुप्रसिद्ध लेखक विलियम शेक्सपियर के एक नाटक 'कॉमेडी ऑफएरर्स' पर बना रहे हैं।यह फिल्म साल 2021 में रिलीज होगी।

प्रभास की 'आदिपुरुष' 11 अगस्त 2022 को होगी रिलीज

मुंबई (वार्ता)। दक्षिण भारतीय फिल्मों के सुपरस्टार बाहुबली फेम प्रभास की आने वाली फिल्म 'आदिपुरुष' 11 अगस्त 2022 को रिलीज होगी।

अजय देवगन को लेकर सुपरहिट फिल्म 'तान्हाजी- द अनसंग वॉरियर' बना चुके ओम राउत अब बाहुबली फेम प्रभास को लेकर फिल्म 'आदिपुरुष' बनाने जा रहे हैं। यह फिल्म एक थ्रीडी एक्शन ड्रामा होगी। फिल्म को हिंदी, तेलुगू, तमिल, मलयालम और कन्नड़ में रिलीज किया जाएगा। 'आदिपुरुष' के रिलीज डेट की घोषणा को लेकर ओम राउत ने जानकारी दी कि 'आदिपुरुष' 11 अगस्त, 2022 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। बताया जा रहा है कि प्रभास की इस फिल्म का बजट 350 करोड़ से 400 करोड़ रुपए के बीच है। फिल्म में जहां 'आदिपुरुष' का किरदार प्रभास निभाएंगे, तो वहीं फैंस में सीता के रोल को कौन निभाएंगे इसको लेकर काफी उत्सुकता बनी हुई है। अबतक सीता के रोल के लिए कई नाम सामने आ चुके हैं।

दीपिका कक्कड़ ने बनवाया 'शोइका' नाम का टैटू

नई दिल्ली। दीपिका कक्कड़ हाल ही में पति शोएब इब्राहिम के साथ गोवा वेकेशन पर गई थीं। दोनों ने वेकेशन से कई फोटोज शेयर की थी। अब हाल ही में दीपिका ने अपनी एक फोटो शेयर की है जिसमें उनके हाथ में शोइका नाम का टैटू बनाया हुआ है। बता दें कि शोइका, शोएब और दीपिका के नाम से जुड़ा नाम है। हालांकि यह क्लीयर नहीं है कि यह टैटू टेम्परेरी है या परमानेंट। बता दें कि दीपिका के कुछ दिनों पहले यूट्यूब पर 1 मिलियन सब्सक्राइबर हुए हैं। इस खुशी में शोएब ने दीपिका के लिए पार्टी रखी थी। दीपिका ने सेलिब्रेशन की फोटो शेयर करते हुए लिखा था, 'यूट्यूब पर 1 मिलियन सब्सक्राइबर होने पर गोल्ड प्ले बटन रिवॉर्ट मिला है। मेरे पास शब्द नहीं हैं कहने को।

केंद्र से जीएसटी और टीडीएस प्रणाली पर दोबारा विचार करने का आग्रह

नई दिल्ली (वार्ता)। देश में परामर्शदाता इंजीनियरों की शीर्ष संस्था कंसल्टिंग इंजीनियर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (सीइएआई) ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से सलाहकार एवं सेवा समुदाय के लिए वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) तथा स्रोत पर कर कटौती (टीडीएस) संग्रह की व्यवस्था पर दोबारा विचार करने का अनुरोध किया है।

संस्था ने गुरुवार को लिखे पत्र दोनों से अनुरोध किया कि इस क्षेत्र को ग्राहकों से भुगतान मिलने के बाद ही जीएसटी तथा टीडीएस जमा करने की सुविधा दी जाए। सीईएआई अध्यक्ष अमिताभ घोषाल ने कहा, ÷इस समय सलाहकार अथवा कंसल्टेंट ईमानदार पेशेवरों और फर्मों की तरह अपने कर जमा करते हैं,किंतु जीएसटी तथा टीडीएस जमा करते समय काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है क्योंकि इसे अक्रुअल एंड ड्यू आधार पर यानी खर्च करते ही जमा कर देना पड़ता है। जीएसटी को बिल बनने के 30 दिन के भीतर जमा कर देना होता है, ग्राहकों से भुगतान मिलने के बाद नहीं।

श्री घोषाल ने कहा, ÷कंसल्टिंग इंजीनियरिंग कंपनियां सेवा क्षेत्र से जुड़ी हैं और उनका अस्तित्व ग्राहकों से समय पर भुगतान मिलने पर ही टिका है। बैंक पेशेवरों को अग्रिम ऋण देने के लिए तैयार नहीं होते और जीएसटी तथा आयकर चुकाने या जमा करने के लिए कर्ज नहीं देते। ग्राहकों से भुगतान मिलने में देर हो तो हमारी वित्तीय स्थिति पर गलत प्रभाव पड़ता है, जिससे जीएसटी जमा करने में देर होती है और ब्याज भी जुड़ जाता है।

सीईएआई की बुनियादी ढांचा समिति के चेयरमैन के के कपिला ने कहा, ÷जीएसटी जमा करने में देर होने पर जीएसटी पंजीकरण रद्द होने या मुकदमा होने का खतरा रहता है, जबकि हम नकदी की किल्लत होने के बावजूद जीसटी में देर होने पर ब्याज भी जमा करते हैं। इसी तरह टीडीएस को भी अगले महीने की सात तारीख तक जमा करना होता है चाहे पेशेवर या फर्म को अपने ग्राहक से समय पर भुगतान मिले या नहीं मिले। आर्थिक तंगी के कारण कभी-कभी टीडीएस जमा करने में देर हो जाती है। उस स्थिति में भी ब्याज के साथ टीडीएस जमा करने के बावजूद हमें आयकर विभाग से मुकदमे का नोटिस भेज दिया जाता है। श्री कपिला ने कहा, ÷कंसल्टिंग इंजीनियरों ने प्रधानमंत्री से हस्तक्षेप करने और वित्त मंत्रालय को ऐसी कानून को मानने वाली फर्मों और पेशेवरों के खिलाफ तब तक मुकदमा नहीं करने का निर्देश देने का आग्रह किया है, जब तक उनकी मंशा स्पष्ट रूप से गलत नहीं दिख रही हो। सभी सेवा प्रदाताओं और उनकी कारोबारी जरूरतों को एक ही चश्मे से देखना सही नहीं है।

सोना-चांदी लुढ़का

मुंबई (वार्ता)। अंतराष्ट्रीय बाजार में दोनों कीमती धातुओं के दाम में रही घटबढ़ के बीच बुधवार को घरेलू बाजार में भी सोने-चांदी के दाम फिसल गये। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना हाजिर 1,877.65 डॉलर प्रति औंस पर अपरिवर्तित रहा। इस दौरान अमेरिकी सोना वायदा 0.51 प्रतिशत फिसलकर 1,876.60 डॉलर प्रति औंस पर रहा। इस बीच चाँदी 0.20 प्रतिशत चमककर 24.51 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गयी। घरेलू स्तर पर वायदा बाजार एमसीएक्स में सोना 1.31 प्रतिशत यानी 663 रुपये की गिरावट में 50,105 रुपये प्रति दस ग्राम पर आ गया। इस बीच चाँदी 1.66 प्रतिशत यानी 1,045 रुपये की गिरावट में 62,197 रुपये प्रति किलोग्राम और चाँदी मिनी 1.64 प्रतिशत यानी 1,041 रुपये की गिरावट के साथ 62,220 रुपये प्रति किलोग्राम बोली गयी।

पेट्रोल-डीजल के दाम लगातार 48 वें दिन स्थिर

नई दिल्ली (वार्ता)। पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कंपनियों ने गुरुवार को लगातार 48 वें दिन कोई घटबढ़ नहीं की। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल में हालांकि हल्की मजबूती दिख रही है। वहीं दूसरी तरफ कोरोना वायरस का फिर से प्रकोप बढ़ने की वजह से तेल की मांग विशेष नहीं है।

घरेलू बाजार में डीजल के दाम में अंतिम बार कटौती दो अक्टूबर को हुई थी,जबकि पेट्रोल की कीमत पिछले 58 दिन से स्थिर हैं। पेट्रोल की कीमत में आखिरी बार 22 सितंबर को 7 से 8 पैसे प्रति लीटर की गिरावट देखी गई। तेल विपणन क्षेत्र की अग्रणी कंपनी इंडियन आयल के अनुसार आज दिल्ली में पेट्रोल 81.06 रुपये जबकि डीजल 70.46 रुपये प्रति लीटर पर स्थिर रहा। वाणिज्यिक नगरी मुंबई में पेट्रोल 87.74 रुपये प्रति लीटर और डीजल 76.86 रुपये प्रति लीटर पर टिका रहा। कोलकाता में पेट्रोल 82.59 रुपये प्रति लीटर और डीजल 73.99 रुपये प्रति लीटर पर अपरिवर्तित रहा। चेन्नई में पेट्रोल की कीमत 84.14 रुपये प्रति लीटर और डीजव 75.99 रुपये प्रति लीटर पर टिकी रही।

एलन मस्क बने दुनिया के चौथे सबसे बड़े रईस

नई दिल्ली। टेस्ला और स्पेस एक्स के प्रमुख 49 वर्षीय एलन मस्क अब दुनिया के चौथे सबसे अमीर आदमी बन गए हैं। उनकी संपत्ति करीब 105 बिलियन डॉलर हो गई है। इस तरह उन्होंने फेसबुक के सीईओ मार्क जुकरबर्ग को पीछे छोड़ दिया है। फोर्ब्स रियल टाइम बिलेनियर इंडेक्स के अनुसार दुनिया के टॉप-10 अमीरों की गुरुवार दोपहर तक की लिस्ट में एशिया के सबसे बड़े रईस रिलायंस इंडस्ट्रीज के मालिक मुकेश अंबानी दो पायदान नीचे लुढ़क कर नौवें स्थान पर आ गए हैं। एलन मस्क ने फेसबुक के सीईओ मार्क जुकरबर्ग को एक पायदान नीचे ढकेल दिया है। उनके नेटवर्थ में 8.4 अरब डॉलर का इजाफा हुआ है। वहीं मुकेश अंबानी दो पायदान लुढ़ककर सातवें से नौवें स्थान पर आ गए हैं। आठवें स्थान पर लैरी एलिशन और सातवें पर लैरी पेज हैं। वॉरे

बफेट छठे और मार्क जुकरबर्ग पांचवें स्थान पर हैं। अमेजन के सीईओ जेफ बेजोस को 1.6 बिलियन डॉलर का नुकसान हुआ है, बावजूद इसके वह पहले स्थान पर काबिज हैं। दूसरे पर बर्नार्ड एंड फैमिली है। तीसरे पर बिलगेट्स काबिज हैं। बता दें कि फोर्ब्स के रियल-टाइम बिलियनेयर रैंकिंग्स से हर रोज पब्लिक होल्डिंग्स में होने वाले उतार-चढ़ाव के बारे में जानकारी मिलती है। दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में शेयर बाजार खुलने के बाद हर 5 मिनट में यह इंडेक्स अपडेट होता है।

जिन व्यक्तियों की संपत्ति किसी प्राइवेट कंपनी से संबंधित है,

सिगरेट की तस्करी पांच महीने में आठ गुना बढ़ी

नई दिल्ली। उद्योग संगठन फिक्की की तस्करी तथा नकली सामान की बिक्री को रोकने वाली समिति कैस्केड के मुताबिक कई उपायों के बावजदू भारत सिगरेट की तस्करी करने वालों की निगाह में बना हुआ है और जून से अक्टूबर 2020 के दौरान तंबाकू की तस्करी आठ गुना बढ़ी। फिक्की कैस्केड ने एक बयान में कहा कि भारत में प्रवर्तन एजेंसियों ने पिछले पांच महीनों के दौरान देश भर में लगभग 412 करोड़ रुपये की अवैध सिगरेट जब्त की। ये आंकड़ा जून-अक्टूबर 2019 में 52 करोड़ रुपये था। इस तरह तस्करी में जोरदार बढ़ोतरी हुई। बयान में कहा गया कि इनमें से कई मामले कोविड-19 महमारी के चलते लागू किए गए लॉक़डाउन के दौरान सामने आए। पूरे मामले पर फिक्की कैस्केड के अध्यक्ष अनिल राजपूत ने कहा कि पिछले साल के मुकाबले तस्करी में आठ गुना बढ़ोतरी हुई है।

विराट की गैरमौजूदगी में केएल राहुल और पुजारा के पास बेहतरीन मौका: हरभजन

नई दिल्ली (वार्ता)। भारतीय टीम के दिग्गज स्पिनर हरभजन सिंह ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आगामी दौरे पर विराट कोहली की गैरमौजूदगी में केएल राहुल और चेतेश्वर पुजारा के पास खुद को साबित करने का बढ़िया मौका है। हरभजन ने एक टीवी चैनल पर बातचीत में कहा, ÷केएल राहुल, चेतेश्वर पुजारा बड़े खिलाड़ी हैं और उन्हें विराट की गैरमौजूदगी में खुद को साबित करने का मौका मिलेगा।विराट एक बड़े खिलाड़ी हैं और वह ऑस्ट्रेलिया दौरे पर जाते हैं तो रन बनाते हैं। उनकी गैरमौजूदगी में कुछ खिलाड़ियों के पास आगे बढ़ने का मौका होगा। भारतीय कप्तान विराट कोहली 27 नवंबर से शुरू हो रही सीमित ओवरों की सीरीज और 17 दिसंबर को एडिलेड में होने वाले पहले टेस्ट के बाद स्वदेश वापस लौट आएंगे। उन्होंने भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) से पितृत्व अवकाश की मंजूरी मांगी थी जो उन्हें मिल गई है।

केनरा बैंक के 115 वें संस्थापक दिवस मनाया गया

रायपुरा। केनरा बैंक के 115 वें संस्थापक दिवस, बैंक के नवा रायपुर क्षेत्रीय कार्यालय में भव्य रूप में कोविड 19 के सरकारी दिशानिर्देशों का अनुपालन करते हुए मनाया गया। श्री के बानुमूर्ति, सहायक महा प्रबंधक, क्षेत्रीय कार्यालय, रायपुर की अध्यक्षता में समारोह का उद्घाटन किया गया। उक्त कार्यक्रम में श्री नीरज कुमार, मंडल प्रबंधक; श्री बिनय कुमार दास, मंडल प्रबंधक; श्री ठाकुर दास कोरी, मंडल प्रबंधक के साथ अन्य कर्मचारी भी उपस्थित थे।

उक्त अवसर पर ग्राहक संपर्क कार्यक्रम का आयोजन भी किया गया। उक्त में उपस्थित ग्राहकों को स्मृति चिह्न प्रदान करके सम्मानित भी किया।

इस उपलक्ष्य में केनरा बैंक, क्षेत्रीय कार्यालय, नवा रायपुर द्वारा कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व के मद्देनज़र लक्ष्मीनारायण कन्या उच्च माध्यमिक शाला के मेधावी छात्राओं को प्रोत्साहन के तौर पर कम्प्यूटर भेंट की गई ।

कोरोना काल : **लॉकडाउन के कारण खिलाड़ी अपने परिवार के साथ समय बिता सके**

इस वर्ष ने मानसिक रूप से मजबूत रहना सिखाया: सूरज करकेरा

बेंगलुरु (वार्ता)। भारतीय पुरुष हॉकी टीम के गोलकीपर सूरज करकेरा का कहना है कि इस वर्ष ने उन्हें सिखाया है कि जीवन में कुछ भी हो सकता है और हर किसी को इसका सामना करने के लिए मानसिक रूप से मजबूत रहने की जरूरत है।

इस वर्ष जून में जब भारतीय पुरुष और महिला हॉकी खिलाड़ियों को राष्ट्रव्यपी लॉकडाउन के कारण अपने परिवार के साथ समय बिताने की अनुमति दी गई थी तब सूरज ने बेंगलुरु के साई सेंटर में ही रूकने का फैसला किया था क्योंकि उनका परिवार मुंबई में रहता है और वहां कोविड-19 के मामले बहुत तेजी से बढ़ रहे थे। सूरज ने इस दौरान साई में अपना अधिकतर समय अपने कमरे में किताबें पढ़ने और पिछले वर्षों के मैच देखने में बिताया। जब छह महीने की छुट्टी के बाद टीम के अन्य खिलाड़ी कैंप में वापस आये तब सूरज को डेंगू हो गया और उन्हें अस्पताल में भर्ती होना पड़ा। उन्होंने इस बारे में कहा, ÷यह वर्ष पूरी तरह उतार-चढ़ाव से भरा रहा। मैंने साई सेंटर में ठहरने का फैसला किया क्योंकि मुझे लगा कि मुंबई की यात्रा करना मेरे लिए सुरक्षित नहीं है क्योंकि वहां कोविड-19 के मामले बहुत अधिक थे। लेकिन जब हम कैंप में साथ मिलकर अभ्यास शुरू करने ही वाले थे तब दुर्भाग्य से मुझे डेंगू हो गया। इसके बाद मुझे पूरी तरह स्वस्थ होने में समय लगा। सूरज 2017 के हॉकी विश्व लीग में कांस्य पदक जीतने वाली टीम का हिस्सा थे। वह 2017 में ढाका में एशिया कप में सफल होने वाली भारतीय टीम का भी हिस्सा थे। सूरज को लगता है कि वह बहुत भाग्यशाली रहे जो उन्हें उस मुश्किल घड़ी में कोचिंग स्टॉफ का पूरा सहयोग मिला। उन्होंने कहा, मैं उस समय होस्टल में अकेला था, हमारे मुख्य कोच और वैज्ञानिक सलाहकार लगातार मेरा ध्यान रख रहे थे। उन्होंने भी 10 महीनों से अधिक समय से अपने परिवार को नहीं देखा है और यह उनके लिए आसान नहीं है। मुझे व्यक्तिगत तौर पर यह महसूस होता है कि इस वर्ष ने हमें बहत कुछ सिखाया है। इसने सिखाया कि जीवन में कुछ भी हो सकता है और हमें इसका सामना करने के लिए मानसिक रूप से मजबूत रहने की जरूरत है। उन्होंने कहा, ÷मैं खुद को बहुत भाग्यशाली मानता हूं जो मुझे नेशनल कोचिंग कैंप में सरदार सिंह, श्रीजेश, मनप्रीत, सुनील, आकाशदीप जैसे अनुभवी खिलाड़ियों से सीखने का मिला। मैंने उनसे बहुत कुछ सीखा। वे लगातार मेरा मार्गदर्शन कर रहे हैं। मेरा ध्यान अब अपने कौशल में सुधार करने पर है।

रिद्धिमान साहा ने किया अभ्यास, चोट से उबरने के दिए संकेत

सिडनी (वार्ता)। भारत के टेस्ट विकेटकीपर रिद्धिमान साहा ने बुधवार को सिडनी में टीम के साथ अभ्यास किया जिससे ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट सीरीज शुरू होने तक उनके हैमस्ट्रिंग चोट से पूरी तरह उबरने के संकेत मिले हैं। एडिलेड में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट सीरीज शुरू होने में अभी भी करीब चार सप्ताह बाकी हैं और उम्मीद है कि साहा तब तक पूरी तरह फिट हो जाएंगे। यह टेस्ट सीरीज 17 दिसंबर से शुरू हो रही है।

साहा को आईपीएल में सनराइजर्स हैदराबाद की तरफ से खेलने के दौरान चोट लग गई थी। उनका आईपीएल में प्रदर्शन काफी शानदार रहा। 36 वर्षीय विकेटकीपर इस चोट के कारण आईपीएल के एलिमिनेटर और दूसरे क्वालिफॉयर मैच में नहीं खेल पाये थे। साहा को बुधवार को नेट पर श्रीलका के बाएं हाथ के विशेषज्ञ नुवान सेनेवीरत्ने और भारत के दायें हाथ के गेंदबाज दयानंद गरानी का थ्रोडाउन का काफी समय तक सामना करते हुए देखा गया। साहा ने इस दौरान हालांकि विकेटकीपिंग नहीं की और बीसीसीआई की तरफ से अपलोड किए गए इस वीडियो से इसका पता नहीं लगाया जा सकता कि वह किस हद तक अपनी चोट से उबरे हैं।

भारत के लिए 37 टेस्ट में 1238 रन बनाने वाले साहा हालांकि नेट पर अभ्यास के दौरान असहज नहीं दिखे। वीडियो को देखकर हालांकि ऐसा लगा कि दोनों थ्रोडाउन विशेषज्ञ साहा के खिलाफ पूरा जोर नहीं लगा रहे थे क्योंकि वह चोट के बाद लय हासिल करने की कोशिशों में जुटे हुये हैं। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के अध्यक्ष सौरभ गांगुली ने हाल ही में भरोसा जताया था कि साहा ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले टेस्ट से पहले पूरी तरह से फिट हो जाएंगे क्योंकि नितिन पटेल और निक वेब दोनों उन्हें चोट से उबारने का काम कर रहे हैं।

शादी का झांसा देकर शारीरिक शोषण करने वाला आरोपी युवक गिरफ्तार

मालखरौदा। जांजगीर चांपा जिला के मालखरौदा थाना में पीड़िता ने उपस्थित होकर रिपोर्ट दर्ज कराया कि नरेश कुमार साहू पिता राज कुमार साहू साकिन बड़े सीपत के द्वारा 11 सितंबर 2018से माह जून

2019 तक शादी का झांसा देकर घर अंदर घुस कर जान से मारने का धमकी दे कर जबरन बलात्कार किया है एवं गर्भपात का गोली खिलाया है और साथ ही अश्लील वीडियो बनाकर मोबाइल से वायरल भी किया है। जिस पर थाना मालखरौदा में अपराध क्र 377/2020 धारा 450,376,506 भादवि 6 पाक्सो एक्ट पंजीबद्ध कर पुलिस अधीक्षक महोदया श्रीमती पारुल माथुर जिला जांजगीर चांपा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महोदया श्रीमती मधुलिका सिंह जांजगीर चांपा, एवं अनुविभागीय अधिकारी पुलिस सक्ती श्री शोभराज अग्रवाल के निर्देशन पर आरोपी को तत्काल गिरफ्तार हेतु पातासाजी किया जा रहा था जो नरेश कुमार साहू पिता राज कुमार साहू बड़े सीपत से फरार हो गया था जिसे ग्राम बड़े सीपत में पकड़ा गया। आरोपी के विरूद्ध अपराध घटित करना सबूत पाए जाने पर दिनांक 19 नवंबर 2020 को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड में भेज दिया गया। इस प्रकरण में मुख्य रूप से अब्दुल शफीक खान निरीक्षक थाना प्रभारी मालखरौदा , आरक्षक फारख खान, राजेश धिरहे, जय गबेल, शत्रुघन जांगड़े का भूमिका सराहनीय रही।

विश्व को दिशा देने वाली इंदिरा सदैव याद किये जाएंगे-शिशुपाल

कांकेर। पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न प्रियदर्शनीय इंदिरा गांधी जी के जयंती के अवसर पर जिला कांग्रेस कमेटी के द्वारा विधायक निवास कांकेर में आयोजित पुष्पाजंली सभा में कांग्रेसजनों ने इंदिरा गांधी के व्यक्तित्व तथा कृतित्व को याद करते हुए उनके छायाचित्र पर श्रद्धासुमन अर्पित किये । इस अवसर पर कांकेर विधायक एवं संसदीय सचिव शिशुपाल शोरी ने इंदिरा जी के व्यक्तित्व का बखान करते हुए कहा कि समुचे विश्व में अपनी दृढ़ ईच्छा शक्ति का लोहा मनवाने के कारण पूरी दुनिया ने उन्हें आयरन लेडी की उपाधि दी। दुनिया के ताकतवर हस्तीयों में इंदिरा जी का नाम रहा है । उन्होंने बैंकों का राष्ट्रीयकरण और गरीबी उन्मूलन जैंसे कदम उठाये. इंदिरा जी के नेतृत्व और मातृत्व का प्रतिसाद आम जनता को सदा मिलता रहा. बस्तर जैसे क्षेत्र में इंदिरा जी के लोकप्रियता आज भी बरकरार है जो कि उनके कुशल व्यक्तित्व एवं व्यवहार का परिचायक है। सभा में छ.ग. अनुसूचित जाति आयोग के सदस्य नितिन पोटाई ने अपनी बात रखते हुए इंदिरा जी के जीवन काल का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया जिसमें इनके बाल्यकाल के दौरान देश के आजादी में वानरसेना के भूमिका का वर्णन किया तथा उनके पिता पं. जवाहरलाल नेहरू जी के द्वारा जेल में परिरूद्ध रहने के दौरान अपनी पुत्री के नाम लिखे गये पत्र जो कि इंदिरा जी के नेतृत्व क्षमता के मजबूत बनाने के लिए कारगार साबित हुआ उसका भी वर्णन किया तथा उन्होने कहा कि स्वतंत्र भारत के ऐतिहास में बहुत कम लोग ही है जिन्होंने पूरी दुनिया की राजनीति में अपनी अमिट छाप छोड़ी है उसमें इंदिरा जी का नाम प्रमुखता से है।

''जैपेनिस इंसेफलायटीस टीकाकरण अभियान 23 नवम्बर से''

दन्तेवाड़ा। जैपेनिस इंसेफ्लायटीस एक गंभीर बीमारी है, जसके 70 प्रतिशत रोगी या तो मृत हो जाते है या दीर्घकालीन न्यूरोलॉजिकल विकलांगता से ग्रसित हो जाते है, यह बीमारी 1 से 15 वर्ष तक के बच्चों को ही ज्यादा प्रभावित करता है, इसके रोकथाम के लिए जैपेनिस इंसेफ्लायटीस टीकारण अभियान 23 नवम्बर 2020 से प्रारंभ होकर 18 दिसम्बर 2020 तक चलेगा। जिसमें जिले के 1 से 15 वर्ष तक के सभी बच्चों को जैपेनिस इंसेफ्लायटीस का टीका लगाया जायेगा। उक्त टीकाकरण अभियान हेतु परियोजना कार्यालय राजीव गांधी शिक्षा मिशन दन्तेवाड़ा द्वारा समस्त खण्ड शिक्षा अधिकारी खण्ड स्त्रोत समन्वयक समस्त प्राचार्य एवं संकुल समन्वयकों को पत्र जारी कर जैपेनिस इंसेफ्लायटीस टीकाकरण अभियान दिनांक 23 नवम्बर से 18 दिसम्बर के मध्य विकास खण्ड, स्कूल संस्था के 1 से 15 वर्ष तक के सभी बच्चों को टीका लगाये जाने आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित किये जाने एवं उक्त कार्यक्रम के सफल क्रियान्वयन हेतु स्वास्थ्य विभाग को आवश्यक सहयोग प्रदान करने की निर्देश दिये गये है।

जिला पुनर्वास समिति की बैठक 26 को

दन्तेवाड़ा। नक्सली पीड़ित व्यक्तियों/परिवारों तथा आत्मसमर्पित नक्सलियों को समाज की मुख्य धारा से जोड़ने के उद्देश्य से पर्याप्त सुरक्षा एवं पुनर्वास से संबंधित कार्ययोजना को क्रियान्वित करने एवं समीक्षा करने हेतु जिला पुर्नवास समिति की बैठक 26 नवम्बर को समय प्रातः 11 बजे संयुक्त जिला कार्यालय दन्तेवाड़ा के ''डंकिनी'' सभाकक्ष में आयोजित की गई बैठक नक्सली हिंसा में मृत/घायल एवं संपत्ति नुकसान के प्रकरणों की समीक्षा एवं अनुमोदन तथा नक्सली घटना में मृत व्यक्ति के परिवार के सदस्य को शासकीय सेवा में नियुक्ति का अनुमोदन एवं लंबित प्रकरण में चर्चा करने के लिए आयोजित की गई है।

छठ पर्व : पूजा करने वाले ही जा सकेंगे घाट

दन्तेवाड़ा। कलेक्टर श्री दीपक सोनी के निर्देशानुसार छठ पर्व को लेकर गाइडलाइन जारी की गई है। पूजा के दौरान घाट पर केवल पूजा करने वाले ही जा सकेंगे। कोरोना के चलते प्रशासन ने यहां शारीरिक दूरी का पालन, मास्क और सैनिटाइजर रखना अनिवार्य किया है। अनावश्यक भीड़ एकत्रित न होने देने की जिम्मेदारी आयोजन समितियों की होगी। छठ पूजा में किसी प्रकार के जुलूस, सभा, रैली, सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित नहीं किए जा सकेंगे। छठ पूजा स्थलों पर पान, गुटखा इत्यादि खाना, थूकना प्रतिबंधित रहेगा। राज्य शासन द्वारा दिए गए निर्देशानुसार छठ पूजा में सुबह छह से आठ बजे तक ही हरित (ग्रीन) पटाखे फोड़ने की अनुमति रहेगी। छठ पूजा स्थलों पर किसी प्रकार के बाजार, मेला, दुकान इत्यादि लगाने की अनुमति नहीं होगी। छठ पूजा स्थलों पर ध्वनि विस्तारक यत्रों के उपयोग की अनुमति नहीं होगी।

महिला एल्डरमैन से बदसलूकी निगम कर्मी को पड़ा भारी

विधायक शैलेष पाण्डेय की गृह मंत्री से शिकायत पर गृह मंत्री ने निगम कर्मी को बर्खास्त करने व उसके खिलाफ एफआई आर के निर्देश दिए

बिलासपुर। नगर निगम बिलासपुर के एक कर्मी को महिला एल्डरमैन से बदसलूकी करना भारी पड़ गया ।शिकायत पर गृह मंत्री ताम्र ध्वज साहू ने उक्त निगम कर्मी को बर्खास्त करने के साथ ही उसके खिलाफ एफ आई आर का निर्देश दिया है ।

बिलासपुर नगर निगम की महिला एल्डरमैन अजरा खान से भरे बाजार में मारपीट करने वाला निगमकर्मी बर्खास्त भी हो गया और उस पर स्नढ्ढक्र भी दर्ज हो गयी। बिलासपुर विधायक शैलेष पांडेय की गृहमंत्री से शिकायत पर कुछ ही मिनटों में बड़ा एक्शन हुआ है। गृहमंत्री ने फोन पर निगम कमिश्नर को जहां आरोपी निगमकर्मी को तुरंत बर्खास्त करने का निर्देश दिया है, तो वहीं एसपी को फोन पर तत्काल इस मामले में स्नढ्ढक्र के निर्देश दिये हैं।

मामला आज दोपहर बृहस्पतिबाजार का है, जहां सफाई व्यवस्था का जायजा लेने के लिए एल्डरमैन अजरा खान निकली हुई

थी, इसी दौरान जब वो बाजार में पहुंची तो सफाई काम में लगे निगमकर्मियों को निर्देश दिया कि बिना पानी डाले सफाई करने से लोगों को परेशानी हो रही है। धूल ना उड़े, इसलिए पहले पानी का छिड़काव करो, ताकि लोगों को परेशानी ना हो। महिला एल्डरमैन की बातों को सुनकर एक निगमकर्मी तैश में आ गया और अजरा खान से उलझ पड़ा। भरे बाजार में निगमकर्मी महिला एल्डरमैन से बदतमीजी करने लगा और हाथापाई पर उतारू हो गया। इस मामले में सफाई सुपरवाइजर बिक्की यादव और संदीप डहरिया के खिलाफ नामजद एफआईआर दर्ज किया गया है। इस मामले की शिकायत महिला एल्डरमैन ने मौके से ही विधायक शैलेष पांडेय को दी, जिसके बाद शैलेष पांडेय ने इस मामले की पूरी जानकारी गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू को दी। जिस पर तुरंत ही गृहमंत्री ने पहले तो कलेक्टर को दुर्व्यवहार करने वाले निगमकर्मी को बर्खास्त करने का निर्देश दिया और फिर एसपी को इस मामले में एफआईआर दर्ज कर कार्रवाई करने को कहा।

27 लोगों ने तोड़ा यातायात के नियम 6000 रुपए की समन शुल्क वसूली

■ **नियम तोडने वालो पर आगे भी की जाएगी कार्यवाही - कौशिक**

काँकेर। शहर व ग्रामीण इलाकों में यातायात को सुचारू रूप से संचालन को लेकर पुलिस अधीक्षक एम आर अहिरे व अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बघेल के मार्गदर्शन में यातायात कप्तान रोशन कौशिक के नेतृत्व में गुरुवार को यातायात पुलिस ने हटकुल नदी के पास दोपहिया वाहन सहित चार पहिया वाहनों की सघन चेकिंग की गई।जिसमें दोपहिया वाहन चालकों को बिना हेलमेट लगाने व चार पहिया वाहन चालकों को सीट बेल्ट लगाने हिदायत दिया गया । इसके अलावा दोपहिया वाहन व चार पहिया वाहन चालकों को

यातायात नियम का उल्लंघन करते पाए जाने वाले कुल 27 चालकों के विरुद्ध चालानी कार्यवाही कर ?6000 समन शुल्क वसूल किया गया।तथा सभी वाहन चालकों को समझाइश देकर छोड़ा गया।इस दौरान यातायात कप्तान रोशन कौशिक ने कहा की नगर सहित ग्रामीण अंचलों में दुर्घटना को रोकने के अलावा बिना हेलमेट बिना लाइसेंस बिना ड्राइविंग सीट बेल्ट वालो के खिलाफ हिदायत देकर यातायात पुलिस द्वारा कार्यवाही किया गया है।आगे भी इसी तरह यातायात के नियमों के उल्लंघन करने वालो पर कार्यवाही ज़ारी रहेंगी।यातायात की चलानी कार्यवाही में यातायात के जवान शामिल रहे ।

भानबेड़ा कांकेर का महुआ लड्डू पहुंचा गृह मंत्री अमित शाह के घर

■ **दीपावली उपहार के रूप में मुख्यमंत्री बघेल ने की भेंट**

कांकेर। छत्तीसगढ़ राज्य के कांकेर जिले के भानबेड़ा की महिला स्व-सहायता समूह द्वारा तैयार की गई महुआ लड्डू की महक देश के गृह मंत्री श्री अमित शाह के घर तक पहुंच गई है। प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने दिल्ली प्रवास के दौरान गृह मंत्री श्री अमित शाह से मुलाकात कर दीपावली उपहार भेंट किए, इसमें प्रमुख रूप से भानबेड़ा कांकेर का महुआ लड्डू शामिल था।

वनोपज के दीपावली गिफ्ट पैक को लोगों ने किया खूब पसंदः गौरतलब है कि वन विभाग द्वारा संचालित संजीवनी विक्रय केन्द्र ने दीपावली उपहार के रूप में

इस बार वनोपज के उत्पादों का गिफ्ट पैक तैयार किया है, इसमें प्रमुख रूप से महुआ लड्डू, शहद, चिरौंजी, महुआ सैनिटाइजर, सर्व ज्वर चूर्ण, इमली कैंडी आदि के गिफ्ट पैकिंग की दीपावली उपहार के रूप में अच्छी मांग रही। दीपावली पर लोग अपने परिजनों के लिए उपहार में कुछ नया देने का सोचते हैं, इस लिहाज से इम्युनिटी बढ़ाने वाले वन विभाग के इन उत्पादों को लोगों ने काफी पसंद किया। वनोपज गिफ्ट पैक की कीमत 200 से लेकर 2100 तक की है, वन विभाग का उनके द्वारा वनोपज एवं वनौषधियों को बढ़ावा देने एवं लोगों में इम्युनिटी बढ़ाने के उद्देश्य से की गई।

किसानों ने धान खरीदी को लेकर कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

नवप्रदेश संवाददाता

अंतागढ़। जिले के कोयलीबेड़ा लैम्पस के अंतर्गत आने वाले 68 गांवों के धान विक्रय करने वाले पंजीकृत किसानों में से 325 किसानों का समय सीमा में धान खरीदी नहीं हो पाया जिसके चलते किसान अभी तक परेशान है।

किसानों ने कलेक्टर को सौंपे ज्ञापन में खरीदी लिमिट कम होना, बारदाना की कमी, लेम्पस कोयलीबेड़ा में हमालों की कमी के कारण 325 किसानों का पिछले वर्ष का ही धान अभी सरकार खरीद नहीं पाई है। ग्रामीणों ने पिछले वर्ष हुए नुकसान को देखते हुए इस वर्ष धान खरीदी शुरू होने से पहले ही धान खरीदी केन्द्र में सुव्यवस्था बनाने की मांग की है

जिससे इस वर्ष किसान अपना पूरा धान समय सीमा में बेच सके।

किसान युनियन कोयलीबेडा की मांग : धान खरीदी में लिमिट तय न करे सरकार, कम से कम 1200 क्विंटन प्रतिदिन खरीदी की व्यवस्था करें। धानी खरीदी सुबह 8 बजे से हो। हमालों की संख्या बढ़ाई जाए। पंजीकृत किसानों का टोकन लिस्ट लगाया जाए। मक्का खरीदी के लिए सरकार एम.एस.पी. निर्धारित किया जाए। पिछले वर्ष के जिन किसानों धान नहीं बिका उनका कर्ज माफ किया जाए।

भाजपा के कार्यकर्ताओं का प्रशिक्षण होगा : केदार कश्यप

कांकेर। भारतीय जनता पार्टी जिला कांकेर की जिला प्रशिक्षण योजना बैठक गुरुवार 19 नवंबर को कमल सदन कांकेर में बैठक के जिला प्रभारी पूर्व मंत्री व भाजपा प्रदेश प्रवक्ता केदार कश्यप की उपिस्थति तथा भाजपा जिलाध्यक्ष सतीश लाटिया की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई । बैठ को संबोधित करते हुए केदार कश्यप ने कहा कि आगामी 25 नवम्बर से 20 दिसम्बर के बीच मण्डलों में भाजपा कार्यकर्ताओं का विभिन्न विषयों को लेकर प्रशिक्षण होना है । इससे पहले विषयवार मुख्य वक्ताओं का प्रशिक्षण प्रदेश भाजपा कार्यलय में विगत 6 से 8 नवम्बर के बीच सम्पन्न हो चुका है । उन्होने आगे कहा कि भाजपा विचारधारा वाली पार्टी है । इस पार्टी में डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी पं दीन दयाल उपाध्याय, भारत रत्न अटल बिहारी बाजपेयी, लाल कृष्ण आडवानी से लेकर विभिन्न आर एस एस के स्वंय सेवकों के जन कल्याणकारी विचारधारा समाहित है। जब भाजपा के संसद में केवल दो ही सांसद थे तब कांग्रेस सहित विभिन्न विपक्षी पार्टियां हमारा मजाक उड़ाते हुए कहती थी कि हम दो हमारे दो पार्टी किंतु कार्यकर्ताओं के मेहनत व पार्टी के लिए समर्पण के कारण हम आज देश के अधिकांश राज्यों में सत्ता में है । आज देश में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में दूसरी बार पूर्ण बहुमत की सरकार है।

श्री कश्यप ने कहा कि आज पूरे देश में भाजपा का वर्चस्व है । ये भाजपा के समर्पित कार्यकर्ताओं की मेहनत का ही परिणाम है कि आज पूरे देश में भाजपा का वर्चस्व है । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार ने देश की दशा-दिशा को सुधारने के लिए अभूतपूर्व कार्य किया है जिसे लोगों तक पहूंचाना हमारा दायित्व है । केन्द्र की भाजपा सरकार ने सत्ता में आने के बाद महत्वपूर्ण निर्णय लिए जो वर्षो से भाजपा का सपना था और घोषणा पत्र मे भी शामिल था । अयोध्या में भव्य श्री राम मंदिर निर्माण, कश्मीर से धारा 370 हटाना, तीन तलाक बैन जैसे मुददे भाजपा ने एक झटके में हल कर दिया।

आज कांग्रेस भाजपा के घोषणा पत्र में शामिल मुददों पर कटाक्ष करने से डरती है कि ये कब पूरा करोगे । श्री कश्यप ने आगे कहा कि भाजपा ने अंतिम व्यक्ति की चिंता की है । कोरोना महामारी के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश की हालत बिगड़ने नही दी । पूरे विश्व प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के महामारी से लड़ने की व्यवस्था की तारीफ कर रही है ।

श्री कश्यप ने कहा कि भाजपा ही एकमात्र ऐसी पार्टी है जो अपने कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षण देती है । राजनीतिक दल में कार्य करने वाले व्यक्तियों को विषयों की गहन जानकारी होनी चाहिए इसलिए भारतीय जनता पार्टी समय समय पर अपने कार्यकर्ताओं के लिए प्रशिक्षण का आयोजन करती है ताकि पार्टी की रीति नीति, सिद्धांत और केन्द्र के भाजपा सरकार के कार्यो को जनता तक अच्छे से पहूंचा सके । उन्होने मण्डलवार होने वाले कार्यकर्ताओं के प्रशिक्षण से संबंधित जानकारी बताते हुए प्रशिक्षणार्थियों के लिए उचित व्यवस्था करने की बात कही । अंत में उपस्थित सभी लोगो को अभिवादन करते हुए उन्हें दीपावली की बधाई दी ।

भाजपा जिलाध्यक्ष सतीश लाटिया ने कहा कि भाजपा कार्यकर्ताओं के लिए पहले पार्टी फिर परिवार है और ये भाव एकमात्र भाजपा पार्टी में ही है। उन्होने कहा कि पहले विषय वक्ताओं ने प्रदेश में प्रशिक्षण लिया अब वे मण्डलों में कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षण देंगे । श्री लाटिया ने सभी मण्डलों मे प्रशिक्षण हेतु प्रशिक्षणार्थियों की शत प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित करने हेतु मण्डल प्रभारी, मण्डल अध्यक्षों को व्यवस्था बनाने को कहा । सभी प्रशिक्षणार्थी पूरे मनोयोग से प्रशिक्षण में उपस्थित रहे । उन्होने कहा कि सीखने की कोई उम्र नही होती इसलिए मनुष्य को हमेशा सीखते रहना चाहिए उन्होने आगे बताया कि जिले के प्रत्येक मण्डलों में 100 कार्यकर्ताओं का प्रशिक्षण होना है । भाजपा में कार्यकर्ताओं को लगातार प्रशिक्षण लेने और कुछ नया सीखने का मौका मिलता है।

हिन्दू सम्राट बाला साहेब की 17 वीं पुण्यतिथि मनाई गई

काँकेर /भानुप्रतापपुर। शिवसेना द्वारा शिवसेना के राष्ट्रीय प्रमुख हिंदू हृदय सम्राट बालासाहेब ठाकरे की पुण्यतिथि 17 नवंबर को शिवसेना कार्यालय में भानुप्रतापपुर में मनाया गया ।इस अवसर पर शिव सैनिकों एवं आम जनता ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके द्वारा हिंदुत्व एवं राष्ट्र हित ,राष्ट्रवाद के लिए किए गए कार्यो के प्रति याद करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित किया गया इस अवसर पर एक

गोष्ठी का आयोजन किया गया गोष्ठी में शिवसेना कार्यकर्ताओं ने संकल्प लिया की जिस तरह बाला साहब ठाकरे ने देश में राष्ट्रहित में एवं हिंदुत्व के लिए संघर्ष किया उसी तरह सभी शिव सैनिक भाई हिंदुत्व के लिए जी-जान लगाकर संघर्ष करेंगे और जहां पर भी हिंदुत्व के ऊपर बात आएगी वहां सबसे आगे लड़ने के लिए तैयार रहेंगे ।इस अवसर पर प्रमुख रूप से चंद्र मौली मिश्रा राजेश कुमार, एनेश नरेटी, शंकर टेकाम, अरूण नरेटी, बृज किशोर यादव, एवं सैकड़ों शिवसेना कार्यकर्ता उपस्थित थे।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

इंदिरा गांधी के प्रयासों से...

कि बैंक दिवालिया हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि इंदिराजी के प्रधानमंत्री रहते एक समय ऐसा भी आया कि उन्हें अनाज के लिए अमेरिका से मदद मांगनी पड़ी। तभी उन्होंने ठान लिया था कि अब वे भारत को खाद्यान संपन्न बनाकर ही रहेंगी। उन्होंने हरित क्रांति का नारा दिया। किसानों को अधिक-अधिक अनाज उत्पादन की अपील की। इसके लिए जरूरी व्यवस्था भी की। तब किसानों के पास से जबर्दस्ती अनाज लिया जाता था। इंदिराजी की हरित क्रांति के बाद देश में इतना अनाज उत्पादन होने लगा कि आज एनडीए सरकार के गोदामों में उसे रखने के लिए जगह नहीं है।

नेचर सफारी का किया...

उन्होंने खिलाड़ियों के लिए टेनिस स्पोर्ट अकादमी निर्माण का भूमि पूजन भी किया। इसके अतिरिक्त तेंदूपत्ता संग्राहकों के प्रतिभाशाली बच्चों को शिक्षा प्रोत्साहन राशि का ऑनलाइन वितरण भी किया। इन सभी कार्यक्रमों में मुख्यमंत्री वीडियो कॉन्फ्रेसिंग के जरिए शामिल हुए।

सिटी में एंट्री के लिए...

हुई है। इस कारण सीएचएमओ मीरा बघेल ने कलेक्टर को प्रस्ताव दिया है कि रायपुर पहुंचने वाले सभी मार्गों पर कोरोना टेस्ट की व्यवस्था की जाए।

आबकारी विभाग के पूर्व...

जिसके बाद पुलिस ने रात करीब 2:30 बजे गिरफ्तार कर लिया। माना जा रहा है कि समुद्र सिंह की गिरफ्तारी के बाद उनसे पूछताछ में घोटाले से जुड़े कई बड़े नाम उजागर हो सकते हैं। बता दें कि समुद्र सिंह के खिलाफ ईओडब्ल्यू में अपराध क्रमांक 14/2019 धारा 13 1(ड्ढ),13 (2) भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम,120-बी भारतीय दंड संहिता के तहत मामला पंजीबद्ध किया गया है।

हथियारों से लदे ट्रक...

आतंकवादियों के घुसपैठ की खुफिया सूचना के आधार पर विभिन्न जांच चौकियों पर पुलिस और अर्द्धसैनिक बलों को तैनात किया गया था। सुबह करीब पांच बजे बान टोल प्लाजा के नजदीक एक ट्रक को रोका गया। ट्रक के रूकने के बाद चालक वहां से भाग निकला। तलाशी के दौरान ट्रक में छुपे आतंकवादियों ने अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में सुरक्षा बलों ने भी गोलियां चलायी और तीन घंटे तक मुठभेड़ चली।

एसओजी के दो कर्मी घायल

उन्होंने बताय । कि मुठभेड़ में चार आतंकवादी मारे गये । ट्रक से 11 एके-47 राइफल तथा 29 ग्रेनेड समेत काफी संख्या में अन्य हथियार और विस्फोटक बरामद किया गया। मुठभेड़ में एसओजी के दो कर्मी घायल हो गये , जिनकी पहचान कुलदीप राज (अखनूर) और मोहम्मद इशाक मलिक (नील कासिम बनिहाल , रामबन) के रूप में की गयी है। दोनों को जम्मू के सरकारी मेडिकल कालेज अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

समय रहते कोरोना...

संक्रमित कर सकता है। और यह कब व्यक्ति को संक्रमित कर दे इसके बारे में भी कुछ नहीं कहा जा सकता है। इसलिए पॉजिटिव पाए जाने पर दवाओं का कोर्स पूरा होने के बाद भी लक्षण अधिक दिन तक समझ आए तो दोबारा जांच कराना जरूरी है। ऐसे लोगों को भी दोबारा जांच करानी चाहिए जिनकी एक बार जांच कराने पर रिपोर्ट निगेटिव आ गई, लेकिन महीने-15 दिन बाद उन्हें लक्षण महसूस हो रहे हैं।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक यशवंत धोटे द्वारा बंसल स्कूल कैम्पस, अशोक विहार कॉलोनी, पण्डरी से मुद्रित कर कुबेर प्लाजा शॉप नं. 226 सेकंड फ्लोर लिंक रोड बिलासपुर से प्रकाशित, संपादक- रविशंकर शुक्ला*
RNI NO.CHHHIN/2015/62431, डाक पंजीयन क्रमांक जी.2-112/सी.जी./बी.एल.पी./108/2020-2022, email: navpradesh@gmail.com, फोन व फैक्स : 07752-400878

छट के महापर्व पर शहर के घाटों का निरिक्षण करने पहुंचे विधायक- महापौर

■ **सफाई व्यवस्था से लेकर रंग रोजन को जल्द से जल्द पूर्ण करने के दिए निर्देश**

चिरमिरी। लोक आस्था का महापर्व छठ को लेकर क्या स्थिति है इसको लेकर बुधवार को मनेन्द्रगढ़ विधायक डॉ. विनय जायसवाल नगर निगम की महापौर कंचन जायसवाल,निगम सभापति गायत्री बिरहा ने निगम के एमआईसी सदस्यों के साथ नगर के विभिन्न छठ घाटों का निरीक्षण कर घाटों की साफ़-सफाई,विधुत व्यवस्था सहित अन्य चीज़ो का जायज़ा लेकर मौके पर व्यवस्था दुरुस्त करने अधिकारियों को निर्देशित किया।

गोदरीपारा के आजादनगर छठ घाट, बड़ाबाजार, बी. टाइप गोदरीपारा, बरतुंगा, हल्दीबाड़ी, डोमनहिल, गेल्हापानी, कोरिया, पोंडी के विभिन्न छठ घाटों का निरीक्षण किये।

विधायक डॉ. विनय व महापौर कंचन ने कहा कि नगर निगम के द्वारा छठ घाट पर विशेष व्यवस्था रखने व छठ घाटों में छठ व्रतियों एवं श्रद्धालुओं को कठिनाइयों का सामना न करना पड़े इसके लिए विशेष ध्यान रखा जाएगा। पुलिस प्रशासन को भी चार पहिया वाहन व असमाजिक तत्वों पर विशेष ध्यान रखने को निर्देश दिये. उन्होंने कहा कि साफ-सफाई व्यवस्था पर किसी भी प्रकार की कोताही बर्दाश्त नही की जावेगी। इसको सतत मोनिटरिंग की जा रही है। छठ घाटों पे पानी भी भरने का अधिकारियों को निर्देश दिये।

इस दौरान एमआईसी सदस्य ओम प्रकाश कश्यप, संदीप सोनवानी, शिवांश जैन,पार्षद मंजूर आलम,अजय बघेल,विमला कश्यप,रामदेव मिंज, सुमित्रा एवं हैप्पी वधावन, राजा मुखर्जी,सुभाष दास,रवि बिरहा, गिरजा,असरफ अली व अन्य मौजूद रहे ।

229 वाहिनी नुकलपाल के ग्रामीणों को राज मिस्त्री का सामान वितरण कर सिविक एक्शन प्रोग्राम राजमिस्त्री प्रशिक्षण का समापन किया गया

बीजापुर - नवप्रदेश। सीआरपीएफ कैम्प, नुकनपाल में विवेक भंड्राल, कमाण्डेंट 229 वी वाहिनी की उपस्थिति में ग्रामीणों को राज मिस्त्री का सामान वितरण कर सिविक एक्शन प्रोग्राम के अंतर्गत संचालित राजमिस्त्री प्रशिक्षण का विधिवत समापन किया गया। 01 नवंबर से 15 नवंबर 2020 तक कमाण्डेन्ट 229 बटा0 के निर्देशानुसार 15 दिनों के लिए सीआरपीएफकैम्प नुकलपाल में आस-पास के ग्रामीणों का राज मिस्त्री का प्रशिक्षण चलाया गया था। जिसकी काफी समय से ग्रामीणों द्वारा मांग भी की जा रही थी। इस अवसर पर महेश चन्द्र थ्वाल, द्वितीय कमान अधिकारी, कोरे विशाल, सहा.कमा., कम्पनी कमाण्डर जी/229 बटा. केरिपुबल, सरपंच ड्ड मुन्ना कोरसाम, उप सरपंच-संतोष कूडिया व अन्य गणमान्य व्यक्ति तता कम्पनी के जवान उपस्थित थे। इससे पूर्व भी संपर्क अभियान के तहत 229 वी वाहिनी द्वारा समय-समय पर विभिन्न खेलों के आयोजन, प्रशिक्षण सामग्री, पाठ्यक्रम सामग्री एवं खेल के सामान का वितरण, चालक एवं बढ़ई प्रशिक्षण आदि विभिन्न प्रकार के आयोजन किए गए हैं। जिससे बहुत से ग्रामीण लाभान्वित हुए हैं। इस अवसर पर विवेक भंड्राल कमाण्डेंट-229 बटा0 ने बताया कि यह प्रशिक्षण ग्रामीणों के जीवन स्तर में सुधार लायेगा। इससे इनको आस-पास के इलाके में काम मिलेगा। इसके साथ-साथ इनके साथ जो लेबर का काम करते हैं उनको भी मजदूरी के लिए इधर-उधर नहीं भटकना पड़ेगा। इस अवसर पर ग्रामीण काफी प्रसन्न थे और ग्रामीणों ने विवेक भंद्राल कमाण्डेन्ट 229 बटा. को धन्यवाद ज्ञापित किया।

जेलों में बंद आदिवासियों को तत्काल रिहा कर अपने चुनावी घोषणा पत्र में किए गए वादे को निभाए भूपेश सरकार - कमलेश झाड़ी

बीजापुर - नवप्रदेश। छग में कांग्रेस की भूपेश सरकार ने 2018 की चुनाव में अपने घोषणा पत्र में किए गए वादे पूरे नही कर छग की जनता को बेवकूफ़ बनाने का काम किया है। बस्तर के माओवादी प्रभावित गांवों के हजारों की संख्या में लोग अनेक गंभीर अपराधिक मामलों में जेल में बंद है ?जिस पर निर्मला बुच कमेटी को अध्ययन व जांच कर जो निर्दोष आदिवासी हैं, उन्हें छोड़ने के लिए सरकार को सुझाना था। वह काम आगे नहीं बढ़ पाया। फिर 2018 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी ने अपना चुनाव घोषणा पत्र में इस मुद्दे को अहमियत से शामिल किया था। सरकार बनने के बाद इस पर न्यायाधीश पटनायक कमेटी बना दी गई है। इसमें मजेदार बात यह है कि दोनों कमेटियों ने एकरूपता , समानता दिखाते हुए प्रदेश में आबकारी मामलों में जेलों में बंदी है, उन्हें छोड़ने के लिए सिफारिश किया। दोनों सरकार यानि डॉ.रमन व भूपेश सरकार ने इन्हें जेलों से छुड़ाकर प्रशंसा बटोरने का नाकाम कोशिश किए और कर रहे हैं। असल मुद्दा नक्सली मामलों में जो निर्दोष आदिवासी जेलों में बंद है उन्हें छोड़ना था। सरकार बदलने का इस मामले में कोई भी बदलाव नही हुआ। अर्थात आदिवासियों को बेवकूफ़बनाने की प्रक्रिया अब भी बदस्तूर जारी है। जिसका खामियाजा बस्तर के आदिवासी भुगत रहे हैं इस ज्ञापन देने के दौरान मुख्य रूप से सीपीआई के वरिष्ट कामरेड कोवा राम हेमला, संजय झाड़ी, गुंडा तेलाम, युवा साथी प्रकाश गोटा, बोज्जा राम गोटा, उपसरपंच, मुन्ना राम मिच्छा, संनुराम गोटा।आदि लोग उपस्थित रहे। इन सारे मामलों को लेकर भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी जिला परिषद बीजापुर सरकार से माँग करती है कि अविलंब निः शर्त इन मांगों को जन हित में पूर्ण करें।अन्यथा आने वाले दिनों में सीपीआई आंदोलन के लिए बाध्य होगी जिसकी सम्पूर्ण जवाबदेही सरकार की होगी।

बड़ेगुडरा-कटेकल्यान मार्ग बहाली में आई तेजी, राशन पहुंचेगा अब गांव तक

दंतेवाड़ा। बड़े-गुडरा से कटेकल्यान 21 किलोमीटर के पर मार्ग नक्सलियों की काटी सड़क को बहाल करने का काम अब तेजी से शुरू हो गया है। क्योकि टेटम गांव में सड़क बहाली से लेकर मूलभूत सुविधाओं को पहुँचाने के लिए पुलिस कैम्प बैठा दिया गया है, जिसके बाद से जवानों की सुरक्षा के बीच नक्सलियों के काटी सड़के और तोड़ी पुलिया बनाने का काम तेजी से हो रहा है। तुमकपाल और बड़े गुडरा तक पहले सड़क पर डामरीकरण किया जा चुका था। शेष सड़क को टेटम कैम्प खुलने के साथ ही शुरू किया है। इस सड़क पर नक्सलियों ने गुडरा के आगे सड़क को जगह जगह से काटकर मार्ग वर्षो से बंद कर रखा था। जिसे अब खोलने की कवायद तेज हो गयी है।

सड़क खुलते ही एटेपाल, जियाकोड़ता जैसे गावो को राहत पहुँचेगी। अभी एटेपाल गांव की राशन दुकान का सरकारी अनाज गांव तक पहुँचने लगा है, जिससे 370 हितग्राहियों को अब राशन के लिए बड़े गुडरा तक मीलो पैदल सफर नही करना पड़ेगा।

बांकीमोंगरा थाना प्रभारी भेजे गए लाइन, रामेंद्र सिंह होंगे नए थानेदार

कोरबा। पुलिस कपतान ने कोरबा जिले के बाकी मोंगरा पुलिस थाना प्रभारी एसआर सोनवानी को लाइन अटैच करते हुए बांकी मोंगरा के नए थानेदार को भेजा है। नए थानेदार को नई पदस्थापना पर कामकाज संभालने के निर्देश दिए गए हैं। इसके अलावा नव पुलिसकर्मियों को भी नई जगह पर नियुक्त किया गया है।

पुलिस विभाग के कामकाजो में कसावट लाने के लिए समय समय पर पुलिस कर्मियों को उधर से उधर किया जाता है। इस कड़ी में पुलिस कप्तान अभिषेक मीणा ने बांकी मोंगरा थानेदार को हटाते हुए नए थानेदार की पोस्टिंग की है। बांकी मोंगरा के टीआई एसआर सोनवानी को लाइन अटैच करते हुए रामेन्द्र सिंह जो बांकी का थानेदार बनाया गया है।

ट्रांसपोर्टर नहीं हो रहे तैयार बारदानों का परिवहन अटका

कोरबा । एक दिसंबर से धान खरीदी शुरू हो रही है। जिला विपणन विभाग ने 6 लाख 50 हजार पुराने बारदानों का संग्रहण कर लिया हैं। संग्रहित बारदाने अभी तक उपार्जन केंद्रों में नहीं पहुंचे हैं। परिवहन के लिए विभाग ने निविदा आमंत्रित किया था, लेकिन दर कम होने के कारण एक भी एक भी ट्रांसपोर्टर शामिल नहीं हुए। धान खरीदी शुरू होने से पहले समस्या खड़ी हो गई है। समय पर पर्याप्त बारदाने नहीं पहुंचे तो खरीदी कार्य में प्रभावित होगी। समस्या निदान के लिए विपणन विभाग अब निजी वाहन चालकों के बारदाना आपूर्ति कराने की तैयारी में है।

धान उपार्जन केंद्रों में बीते वर्ष की तरह नए के साथ पुराने बारदानों में धान खरीदी होगी। विपणन और खाद्य विभाग को इसकी जिम्मेदारी दी गई है। पिछले तीन माह से बारदानों के संग्रहण का काम चल रहा है। जिले में बार 12 लाख 65 हजार धान खरीदी का लक्ष?य निर्धारित किया गया है। जिसके लिए 20 लाख बारदानों की आवश्यकता होगी। धान खरीदी के लिए तैयारी मुकम्मल नही होने से बाधाएं शुरू हो गई है। विपणन विभाग ने बारदानों का संग्रहण तो कर लिया है लेकिन लेकिन अभी तक वह उपार्जन केंद्र नहीं पहुंचे हैं। निजी वाहन मालिकों के भरोसे बारदाना आपूर्ति में विभाग अपनी मर्जी के अनुसार काम नहीं करा सकता। इससे समय सीमा के भीतर बारदाना उपार्जन केंद्र तक पहुंचाने में परेशानी होगी। जिले में 44 उपार्जन केंद्र हैं। इनमें कुछ ऐसे केंद्र हैं जहां 4 से पांच लाख क्विंटल धान खरीदी होती है। निर्धारित मांग के अनुसार बारदाना उपलब्ध नहीं कराए जाने के कारण किसानों को उपार्जन केंद्र बारदाने आने का इंतजार करना पड़ेगा। बेहतर मानसून की वजह से इस बाद बेहतर फसल उत्पादन की संभावना बनी है। बीते वर्ष की अपेक्षा किसानों की संख्या में बढ़त होने से अधिक धान खरीदी की संभावना है। पर्याप्त बारदानों की आपूर्ति समय पर नहीं हुई तो खरीदी कार्य प्रभावित होगा।

अन्यथा होगी जब्ती की कार्रवाई

जिला विपणन अधिकारी की माने तो पीडीएस दुकानों से जिन निजी व्यवसायी अथवा मिलर्स ने बारदानों की खरीदी की है उनसे भी निर्धारित मूल्य में वापसी की मांग की गई है। समय रहते जमा नहीं कराया गया तो छापामार कार्रवाई की जाएगी। जब्त बारदानों को धान खरीदी के लिए उपयोग में लाया जाएगा। पटसन से बने बारदानों के अलावा 2000 लाट प्लास्टिक बोरियों की भी मांग शासन से की गई। आपूर्ति होते ही केंद्रों में उपलब्ध कराया जाएगा।

> जिले में इस बार 12.65 लाख धान खरीदी का लक्ष?य निर्धारित किया गया है। जिसके अनुसार बारदानों का संग्रहण किया जा रहा हैं। अब तक 6.50 बारदानों का संग्रहण किया जा चुका हैं। परिवहन के लिए निविदा जारी की गई थी, जिसमें एक भी परिवहन ठेकेदार शामिल नहीं हुए। निजी वाहन मालिकों के माध्यम से उपार्जन केंद्रों तक बारदानों की आपूर्ति की जाएगी।
>
> **जान्हवी जिलहरे, जिला विपणन अधिकारी**

चैनलिंक फेंसिंग तार का उत्पादन कर आगे कदम बढ़ा रही हैं भैरमगढ़ की महिला समूह

बीजापुर। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन से जुड़ी भोलेबाबा महिला स्व-सहायता समूह एवं पार्वती महिला स्व-सहायता समूह भैरमगढ़ की महिलाएं चैनलिंक फेंसिंग तार उत्पादन कर आय संवृद्धि की दिशा में आगे बढ़ रही हैं। बीते दो महीने के भीतर इन दोनों महिला समूहों की महिलाओं ने उत्पादक गतिविधियों से जुड़ने के लिए प्रशिक्षण लेने सहित चैनलिंक फेंसिंग तार बनाने की हरेक बारीकियों को सीखा और अपनी बचत राशि एक लाख 15 हजार रुपए की मशीन क्रय किया। वहीं चैनलिंक फेंसिंग तार उत्पादन के लिए 53 हजार रुपए का निर्माण सामग्री खरीदा। इसके साथ ही चैनलिंक फेंसिंग तार उत्पादन में पूरी मेहनत और लगन से जुट गयीं। इन महिलाओं के अथक परिश्रम को देखकर क्षेत्र के ग्राम पंचायतों के पदाधिकारियों सहित किसानों ने उनके चैनलिंक फेंसिंग तार क्रय करने हेतु मांग शुरु किया, तो उक्त महिलाओं को अपने काम की बेहतर प्रतिसाद मिलने की उम्मीद बढ़ गयी।

झारपारा स्कूल के नवाचारी शिक्षकों ने ऑगमेंटेड रियलिटी टेक्नोलॉजी का उपयोग मोहल्ला क्लास में किया शुरू

■ **बच्चे अपने सामने सचमुच का हाथी, घोड़ा, शेर, डायनासोर इत्यादि पात्रों को देखकर हो रहे रोमांचित**

सूरजपुर। जिले के शासकीय प्राथमिक शाला झारपारा पम्पापुर के शिक्षक गौतम शर्मा और राजेन्द्र जायसवाल के द्वारा पढ़ई तुंहर दुआर कार्यक्रम अंतर्गत आयोजित मोहल्ला क्लास में बच्चों की शिक्षा को रोचक और आनंददायी बनाने के उद्देश्य से ऑगमेंटेड रियलिटी का उपयोग प्रारंभ किया गया है। इससे बच्चों को विषय को समझने में काफी आसानी हो रही है। शिक्षक गौतम शर्मा ने चर्चा के दौरान बताया कि वर्तमान परिदृश्य में प्रदेश में शिक्षा के क्षेत्र में परंपरागत तरीकों को छोड़कर डिजिटल तरीकों को चुना जा रहा है । ऑगमेंटेड रियलिटी वर्चुअल रिएलिटी का ही दूसरा रूप है, इस तकनीक में आपके आसपास के वातावरण से मेल खाता हुआ एक कंप्यूटर जनित वातावरण तैयार किया जाता हैं । यानि आपके आसपास के दुनिया के साथ एक और आभासी दुनिया को जोडकर एक वर्चुअल सीन तैयार किया जाता है, जो देखने में वास्तविक लगता है यानि आप वास्तविक दुनिया और आभासी दुनिया बीच फर्क नहीं बता सकते हैं । आज के समय में ऑगमेंटेड रियलिटी का प्रयोग डिजिटल गेंमिग, शिक्षा, सैन्य प्रशिक्षण, इंजीनियरिंग डिजाइन, रोबोटिक्स, शॉपिंग, और चिकित्सा के क्षेत्र में किया जा रहा है । ऑगमेंटेड रियलिटी जैसे तकनीक के उपयोग से शिक्षा के क्षेत्र में बहुत बड़ा बदलाव किया जा रहा है, जिसके द्वारा आप किसी भी टॉपिक की जानकारी के साथ-साथ उससे संबंधित वर्चुअल चित्र भी देख सकते हैं । शिक्षा में टेक्नोलॉजी विषय को सरल बनाने का काम करती है। आज कल प्रोजेक्टर, स्मार्ट क्लासेज का दौर है।

CHHATTISGARH MEDICAL SERVICES CORPORATION LTD.

(Chhattisgarh Govt. Undertaking)

RENDER REF.NO.: 147E(P)/CGMSC/NIRMAN/EQP/2020-2021, Dt18/11/2020

Short Tender Notice (Second Call)

e-TENDER FOR Rate Contract of Disign, Supply, Installation, Testing, Commissioning and Validation of Modular Operation Theatre at various locations in Chhattisgarh.

Online Tenders are invited from Private Ltd./Partnership firm/ Proprietary firm/ Manufacture's/ Authorized Distributors, Testing and Commissioning. The details of tender list of items with indicative quantily and Tender Documents are made available on website http://cgmsc.gov.in & www.eproc.cgstate.gov.in. The last date/ time of online submission of the tender documents is 26/11/2020 at 17:30 pm.

G-27037/2

Sd/-
Managing Director
CGMSC Ltd. Raipur, Chhattisggarh

यूको बैंक (भारत सरकार का उपक्रम) **UCO BANK** (A Govt. of India Undertaking)

अचल संपत्तियो की बिक्री हेतु बिक्री नोटिस

प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 8(6) के परन्तुक के साथ पठित वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्गठन तथा प्रतिभूतिहित का प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के अधीन अचल आस्तियों के विक्रय हेतु ई-नीलामी विक्रय नोटिस।

आम लोगों को तथा विशेष रूप से उधार लेने वाले और प्रत्याभूति-दाता को यह नोटिस दिया जाता है कि नीचे वर्णित अचल संपत्ति जो प्रतिभूत लेनदार के पास गिरवी/प्रभारित है, का वास्तविक कब्जा प्रतिभूत लेनदार यूको बैंक के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा लिया गया है, को "जहाँ है, जैसा है और जो कुछ भी है" के आधार पर 21.12.2020 को 11.00 बजे से दोपहर 2.00 बजे तक बकाया राशि की वसूली के लिए बेचा जाएगा। आरक्षित मूल्य एवं अन्य विवरण नीचे दिए गए हैं।

बोली प्रस्तुत करने की अंतिम समय नीलामी के 2 घंटे पूर्व सुनिश्चित की गई है। ई-नीलामी की तिथि व समय- 21.12.2020 को सुबह 11.00 बजे से अपरान्ह 2.00 बजे तक प्रत्येक 5 मिनट के असीमित विस्तार के साथ।

क्र.	शाखा का नाम आईएफसी कोड नं., दूरभाष नं. ईमेल	ऋणी एवं गारंटर का नाम	बकाया राशि	मांग सूचना की तिथि व कब्जा सूचना तिथि	संपत्ति का विवरण	आरक्षित मूल्य व बयाना राशि	संपत्ति निरीक्षण दिनांक व संपर्क व्यक्ति
01	सोनसरी शाखा आईएफसी UCBA0001100 खाता सं. 11000210000052 ई-मेल sonsar@ucobank.co.in	श्री विनोद कुमार राते पिता- छबिलाल राते, श्रीमती कुसुम राते, पति- श्री विनोद कुमार राते	₹ 7,14,646/- 30.09.2016 को अतिरिक्त ब्याज के साथ में आकस्मिक खर्च, लागत शुल्क आदि।	08.05.2019 10.07.2019 सांकेतिक कब्जा	श्री विनोद कुमार राते पिता- श्री छबिलाल राते के नाम पर खसरा नं. 84/9 (भाग), प.ह.नं.23, ग्राम-देवडीह, तहसील- पामगढ़ जिला-जांजगीर-चांपा (छ.ग.) में स्थित भूमि व भवन। चौहद्दी- उत्तर- सड़क, दक्षिण- सड़क पूर्व- वेन्डर की भूमि, पश्चिम- सड़क।	₹ 7,62,000/- ₹ 76,200/-	21.12.2020 को सुबह 11 बजे से शाम 4 बजे के बीच। 19.12.2020 तक और संपर्क: श्री मनु साहू, प्रबंधक, यूको बैंक, सोनसरी शाखा- के माध्यम से मो. 7999263508

अन्य प्रभार/सरकारी बकाया/भार : की जानकारी नहीं है

नियम व शर्तें- 1. प्रतिभूत आस्ति आरक्षित मूल्य से कम पर नहीं बेची जाएगी। 2. उपर्युक्त संपत्ति का नीलामी विक्रय उपर्युक्त समय के अनुसार 21.12.2020 को 11.00 पूर्वान्ह से 02.00 अपरान्ह के बीच प्रत्येक 5 मिनट के असीमित विस्तार के साथ वेबसाइट https://mstcecommerce.com के माध्यम से "ऑनलाइन ई-नीलामी" / बोली होगी। 3. इच्छुक बोली लगानेवाले (बोलीदाता) को पोर्टल पर अपना पंजीकरण कराना अपेक्षित होगा, यह ई-बोली के लिए अनिवार्य है। 4. इच्छुक बोली लगाने वाले (बोलीदाता) को सूचित किया जाता है कि अपनी बोली प्रस्तुत करने एवं ई-नीलामी विक्रय कार्यवाही में भाग लेने से पूर्व नीलामी विक्रय के विस्तृत शर्तें एवं निबंधनों के लिए वेबसाइट https://mstcecommerce.com का अवलोकन करें। 5. बोली संबद्ध विवरणी के साथ विहित प्रपत्र में केवल ऑन लाइन माध्यम से प्रस्तुत किए जाएंगे। 6. उपर्युक्त संपत्ति के लिए बयाना जमा राशि आरटीजीएस/एनईएफटी निधि अन्तरण के माध्यम से कॉलम (2) में वर्णित खाता संख्या में जमा किए जाएंगे या प्राधिकृत अधिकारी, यूको बैंक के पक्ष में एवं सोनसरी में देय बैंक ड्राफ्ट/भुगतान आदेश के माध्यम से 19.12.2020 के अपरान्ह 4.00 बजे से पूर्व जमा किए जाएँ। संपत्ति से संबंधित किसी प्रकार की जानकारी के लिए श्री मनु साहू, प्रबंधक, यूको बैंक, सोनसरी शाखा- के माध्यम से मो. 7999263508 से संपर्क किया जा सकता है। 7. ऑनलाइन प्रस्तुत बोली फॉर्म की प्रति (यूटीआर के साथ) प्राधिकृत अधिकारी/शाखा प्रमुख, सोनसरी शाखा, सोनसरी (छ.ग.) को प्रस्तुत किया जाए या इसकी सॉफ्ट प्रति E-mail to: sonsar@ucobank.co.in पर अपेक्षित की जाए। 8. बोली की कीमत न्यूनतम आरक्षित मूल्य के बराबर या इससे अधिक होनी चाहिए, यह किन्तु 10,000/- (दस हजार रु. मात्र) के गुणज में अवश्य हो। कृपया नोट करें कि सिस्टम में जो प्रथम ऑनलाइन बोली आती है, ऑनलाइन अगली नीलामी, बोली प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि तक प्राप्त उच्चतम बोली से एक वृद्धि अधिक होगी अर्थात् प्रारंभिक बोली से एक वृद्धि अधिक होगी या प्रारंभिक कीमत से वृद्धि के गुणजों में अधिक होगी। नीलामी के दौरान बाद की बोली आने पर एक। दर एक वृद्धि मूल्य/उसके गुणजों से अधिक होगी। 9. सफल बोली लगाने वाले (बोलीदाता) को बोली राशि (पहले ही प्रदत्त बयाना जमा राशि सहित) का 25% ई-नीलामी विक्रय प्रक्रिया समाप्त होने के बाद विक्रय के दिन खंड 6 में निर्धारित तरीके से जमा करना होगा। विक्रय कीमत का शेष 75% भाग सफल बोली लगाने वाले को अधोहस्ताक्षरी द्वारा बिक्री की स्वीकृति/पुष्टि करने के 15 दिनों के भीतर भुगतान करना होगा। 10. उपर्युक्त निर्धारित समय के अनुसार बोली लगाने वाले (बोलीदाता) द्वारा बोली की राशि जमा करने में विफल रहने पर बोली लगाने वाले (बोलीदाता) द्वारा जमा की गई राशि जब्त कर ली जाएगी। 11. असफल बोली लगाने वाले (वाली) की बयाना जमा राशि ई-नीलामी बिक्री कार्यवाही समाप्त होने के बाद वापस कर दी जाएगी। 12. विक्रय बैंक की पुष्टि के अध्यधीन है। यदि उधारकर्ता/गारंटीकर्ता विक्रय की तिथि के पूर्व बकाया राशि का पूर्ण भुगतान करता है तो कोई विक्रय नहीं किया जाएगा। 13. इच्छुक बोली लगाने वाले को अपनी बोली प्रस्तुत करने से पूर्व बैंक प्रभार के अतिरिक्त किसी प्राधिकारी से संपत्ति के संबंध में विस्तृत जांच पड़ताल कर लेनी चाहिए एवं संपत्ति के स्वत्व, विस्तार, गुणवत्ता एवं मात्रा आदि के संबंध में पूर्णतः संतुष्ट हो जाना चाहिए। विक्रय के लिए प्रस्तुत संपत्ति के संबंध में संपत्ति पर प्रभार, ऋण भार आदि किसी संबंध में आपत्ति ऑनलाइन बोली प्रस्तुत के बाद स्वीकार नहीं की जाएगी। 14. बिना कारण बताये तथा बिना पूर्व सूचना के बोली को स्वीकार/अस्वीकार करने, विक्रय को स्थगित/निरस्त/विक्रय के निबंधनों एवं शर्तों को संशोधित करने का पूर्ण अधिकार एवं विवेक अधोहस्ताक्षरी के पास है। 15. क्रेता स्टाम्प ड्यूटी, विक्रय प्रमाण पत्र पंजीकरण प्रभार सहित सभी प्रभार, सरकार को भुगतान किए जाने वाले सभी प्रकार के सांविधिक शुल्क, कर, संपत्ति से संबंधित वर्तमान एवं भविष्य दोनों के सभी नियतमान खर्चों आदि का भार वहन करेगा। विक्रय प्रमाण पत्र केवल सफल बोली लगाने वाले के नाम में जारी किया जाएगा। 16. विक्रय सरफेसी अधिनियम/नियम 2002 में निर्धारित एवं उपर्युक्त शर्तों के अधीन होगा। 17. एक बोली लगाने वाला (बोलीदाता) होने की स्थिति में बोली फार्म में उद्धृत बोली राशि में न्यूनतम 1 बोली वृद्धि मूल्य की बढ़ोतरी करनी होगी, अन्यथा विक्रय निरस्त/स्थगित किया जाएगा। 18. विक्रय के विस्तृत निबंधन एवं शर्तों के लिए कृपया https://ibapi.in. में उपलब्ध लिंक देखें। यह प्रकाशन उपर्युक्त उधारकर्ताओं/गारंटीकर्ताओं/बंधककर्ताओं को 15 दिनों की नोटिस भी है।

विवाद की स्थिति में दिनांक 20.11.2020 का अंग्रेजी अखबार "सेन्ट्रल क्रॉनिकल" बिलासपुर संस्करण में प्रकाशित विज्ञापन मान्य होगा।

दिनांक : 19.11.2020 स्थान : सोनसरी (छ.ग.) प्राधिकृत अधिकारी/यूको बैंक, सोनसरी (छ.ग.)

74 में से 69 काम पूरे, फिर भी खनिज न्यास से नहीं मिली राशि

नव प्रदेश संवाददाता

कोरबा। जिले के निर्माणी विभागों में प्रशासनिक कार्यों के प्रति दिलचस्पी कम होते जा रही है। खासकर खनिज न्यास के कार्यों को लेने से तौबा कर रहे हैं। वजह यह है कि काम पूरा होने के बाद भी भुगतान नहीं हो रहा। अकेले ग्रामीण यांत्रकी विभाग में पिछले तीन साल के भीतर 74 कार्य स्वीकृत हुए थे। जिसमें में 69 काम पूर्ण होने के बाद भी दूसरे और तीसरे किश्त की पांच करोड़ की देनदारी लंबित है। भुगतान के लिए अभाव में ठेकेदार कार्यालय का चक्कर लगाने को मजबूर हैं। खनिज न्यास से एक ओर विभिन्ना? विभागो में कार्य स्वीकृति कराने की होड़ लगी है, वहीं निर्माण से जुड़े विभागों के लिए यह परेशानी का सबब साबित हो रहा है। विभाग को कार्य सौंप कर निर्माण तो करा लिया जाता है लेकिन समय पर भुगतान नहीं होने से विभाग की पुजीहत तो होती ही है साथ ही ठेकेदारों को खासी मशक्कत का सामना करना पड़ रहा है।

आरईएस विभाग में अब तक जिन कार्यों के पूर्ण होने के बाद राशि भुगतान लंबित हैं उनमें उप स्वास्थ्य केंद्र, पुलिया, स्कूल भवन, उचित मूल्य दुकान, पंचायत भवन आदि शामिल हैं। बकाया पर गौर किया जाए तो किसी कार्य में दूसरा तो किसी मे तीसरा किश्त का भुगतान नहीं हुआ है। विभाग की ओर से जिला प्रशासन को कई बार मांग पत्र भेजा जा चुका है, लेकिन प्रपत्र में कई तरह की खामिया बताकर उन्हे बैरंग वापस लौटा दिया जाता है। भुगतान नहीं होना कम बजट वाले छोटे ठेकेदारों के लिए के लिए समस्या का सबब साबित हो रहा है।

जिले में भवन निर्माण के अलावा सड़क, पेयजल आपूर्ति, स्वास्थ्य केंद्र भवन जैसे मूलभूत समस्याओं का शीघ्रता से निदान हो सकता है लेकिन भुगतान में होने वाली देरी के कारण कार्यों में प्रगति नहीं है। जिले में खनिज न्यास मद में राशि होने के बाद भी पुरानी सरकारी बिल्डिंग, सड़क, पेयजल टंकी आदि में मरम्मत नहीं होने की विडंबना बनी है।

ठेकेदारों के पांच करोड़ अटके

अधूरे कार्यों में नहीं प्रगति

लंबे समय से राशि आवंटन के अभाव में अधूरे कार्यों में प्रगति नहीं है। पाली ब्लाक के ग्राम संडैल में निर्माणाधीन उपस्वास्थ्य केंद्र दूसरे किश्त की राशि के अभाव में अधूरा है। इसी तरह सेंद्रीपाली कस्तूरबा आश्रम, उरगा में प्रयोग शाला का निर्माण भी किश्त भुगतान के अभाव में अपूर्ण है। समय पर राशि भुगतान नहीं होने के कारण कार्य में प्रगति के लिए विभागीय अधिकारी भी भी ठेकेदारों पर कार्य पूरा करने के लिए दबाव नहीं बना पा रहे हैं। कार्य में प्रगति नहीं होने से अब तक किया गया निर्माण खंडहर में तब्दील हो चुका है।

> खनिज मद से स्वीकृत अधिकांश कार्य पूर्ण किए जा चुके हैं, साथ उनका उपयोग भी हो रहा है। अभी तक राशि भुगतान नहीं हुआ है। लंबित भुगतान के लिए मांग पत्र भेजा गया है। आवंटन मिलते ही भुगतान किया जाएगा।
>
> **–अशोक देवांगन, ईई आरईएस**

बैकुंठपुर शासकीय आवास पर प्रभारी डीएफओ बलरामपुर का कब्जा!

कोरिया वनमण्डल के शासकीय आवास को नियम विरुद्ध तरीके से बनाया बंग्लानुमा

नव प्रदेश संवाददाता

बैकुंठपुर। बर्खास्तगी के बाद नौकरी पर लौटे वर्तमान प्रभारी डीएफओ वनमण्डल बलरामपुर पर आरोप है कि उन्होंने वर्षो से कोरिया वनमण्डल अंतर्गत शासकीय आवास को तोड़ कर बंगले जैसा निर्माण कर अपने कब्जे में ले लिया है, विभागीय मामला होने के नाते कोरिया वन मण्डल के अधिकारी भी सन्न मारे बैठे है। जब कि पूर्व अधिकारी ने पैनल रेंट वसूली का निर्देश दिया था किंतु उक्त अधिकारी के स्थानांतरण होते ही कार्यवाही की फाइल गायब होने की बात कही जा रही ।

गौरतलब है कि सरगुजा वनवृत के बलरामपुर वनमण्डल के वर्तमान प्रभारी डीएफओ को इसके पूर्व उप वनमण्डल अधिकारी कोरिया में पदस्थाना के दौरान छत्तीसगढ़ सरकार ने इन्हें नौकरी से बर्खास्त कर दिया था। बर्खास्तगी के पूर्व कोरिया वनमण्डल बैकुंठपुर में शासकीय सेवा के दौरान इन्होंने मिशन रोड स्कुलपारा बैकुंठपुर स्थित परिक्षेत्र कार्यालय उत्पादन और एक दो शासकीय आवास को तोड़कर एक बंगले का निर्माण कराकर इन्होंने अपना स्थाई निवास बना लिया था।

शासकीय सेवा से बर्खास्त होने के पश्चात भी इन्होंने बराबर उस बंगले में कब्जा जमाए रखा। लेकिन अधिकारी इस सब पर मौन साधे हैं।

ये बताया उच्च अधिकारी ने

वहीं जब इस मामले में वन मंडल के एक उच्च अधिकारी से जानकारी चाही गई तो उन्होंने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि इस संबंध में संबंधित अधिकारी से पत्राचार किया गया था। किंतु संबंधित अधिकारी ने मामला न्यायालय में होने का हवाला दिया जिस कारण शासन स्तर के उच्च अधिकारी को इस संबंध में पूर्व में अवगत कराया गया था, जहा पैनल रेंट लगाने का निर्देश था। किंतु पूर्व अधिकारी के स्थानांतरण होते ही कार्यवाही की फाइल अब कहा है। इस संबंध में कोई भी कर्मचारी सही जवाब नहीं दे रहे। जिस कारण इस मामले में कुछ भी कहना वन विभाग के अधिकारियों का उचित नही कार्यवाही शासन स्तर से हो सकता हैं यदि राज्य सरकार निर्देश जारी करें।

न अनुज्ञा न एनओसी : सूत्र

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार जिस शासकीय आवास को तोड़कर इन्होंने बंगला बनाया है उस भवन का न तो अनुज्ञा है और न ही एनओसी फिर भी अपनी धौस पर नियम विरुद्ध ढंग से पक्के का मकान खड़ा कर दिया गया है और मामला वर्षो से ठंडे बस्ते में पड़ा है।अब देखना यह है की क्या कोरिया वनमण्डल के अधिकारी उक्त वर्षो से कब्जे वाली शासकीय आवास को प्रभारी डीएफओ के कब्जे से मुक्त करा पाते है या नही !

कोरिया में लगा रहता है आना-जाना

वर्तमान में इन्हें वनमंडलाधिकारी के रूप में बलरामपुर में शासकीय बंगला अलाट हुआ है इसके बाद भी बैकुंठपुर कब्जे वाले शासकीय आवास में हर हफ्ते इनका आना जाना लगा रहता है। वन विभाग के अधिकारी ही जब शासकीय भवन में अवैध कब्जा कर लेंगे तो अधीनस्थ कर्मचारियों पर क्या संदेश जाएगा इस बात की चिंता शायद वन विभाग के उच्च अधिकारियों को तनिक भी नही है।

पीडीएस हेराफेरी मामले को लेकर कृषकों ने पुलिस अधीक्षक को सौंपा ज्ञापन

- **समिति प्रबंधक को बर्खास्त कर संचालक मंडल को भंग करने की मांग**
- **सेल्समेन को भी हटाने की मांग**

नव प्रदेश संवाददाता

गरियाबंद। जिले के छुरा ब्लाक मे हुए पीडीएस के चांवल हेराफेरी मामले को लेकर आदिम जाति सेवा सहकारी समिति रानीपरतेवा पं.क.1515 के कृषक सदस्यगणो ने मंगलवार को पुलिस अधीक्षक भोजराम पटेल से मिलकर समिति के प्रबंधक को बर्खास्त कर संचालक मंडल को भंग करने व जॉच अधिकारी को बदलकर निष्पक्ष जॉच कराने की मांग की है। एसपी को सौंपे हस्ताक्षरयुक्त ज्ञापन मे कृषको ने प्रबंधक को बर्खास्त करने, संचालक मंडल को भंग करने लेकर तर्क दिया है कि समिति के प्रबंधक एवं संचालक मंडल द्वारा बिना आवेदन आमंत्रित किये संचालक मंडल के सदस्य पवन कुमार साहू के सगे भतीजे देवकुमार साहू को नियम विरूध्द अकलवारा सेल्समेन नियुक्ति किया गया था। देवकुमार द्वारा ही राशन वितरण में हेराफेरी कर राशन व्यापारी को बेचना और पकड़ा जाना तथा हेराफेरी पर पर्दा डालने के लिए दूसरा फर्जी रजिस्टर तैयार कर हितग्राहियों का जाली हस्ताक्षर करना और उस पंजी में प्रबंधक का सीलयुक्त हस्ताक्षर होना, इससे स्पष्ट प्रमाणित होता है कि समिति प्रबंधक, संचालक मंडल और सेल्समेन सभी ने मिलकर षड़यंत्र पूर्वक गरीबो के हक के राशन में हेरा फेरी किया है। मामला उजागर होने के बाद से देवकुमार साहू फरार है। पुलिस उसकी तलाश कर रही है। इसे देखते हुए संचालक मंडल को भंड करते हुए समिति प्रबंधक को बर्खास्त किया जाए।

ये बताया कृषकों ने

कृषको ने बताया कि जिन शासकीय उचित मूल्य के राशन दुकान में राशन का हेरा-फेरी हुआ है वह आदिम जाति सेवा सहकारी समिति के प्रबंधक पुरानिक निषाद एवं संचालक मंडल के अध्यक्ष पन्ना लाल ध्रुव के अधिनस्थ ही संचालित था। ऐसे में हेरा-फेरी की जिम्मेदारी समिति प्रबंधक एवं संचालक मंडल के अध्यक्ष की भी बनती है। इसे लेकर 10 गांव के कृषकों द्वारा समिति के प्रबंधक को बर्खास्त एवं संचालक मंडल को भंग करने की मांग करने की जा रही है। परंतु समिति प्रबंधक और संचालक मंडल के अध्यक्ष द्वारा बैठक आयोजित कर किसानो को असामाजिक तत्व का समुह बताकर मामले को दबाने की कोशिश की जा रही है।

जांच प्रभावित होने का शक

दूसरी ओर पीडीएस हेराफेरी मामले में पुलिस विभाग ने जिस अनुविभागीय अधिकारी पुलिस संजय ध्रुव को जॉच अधिकारी बनाया है वह हेराफेरी के कथित तौर पर लिप्त रानीपरतेवा समिति, के संचालक मंडल अध्यक्ष पन्नालाल ध्रुव का सगा भांजा है। इससे पूरे मामले की जांच प्रभावित होने की आशंका है। मामले में दोषी को बचाए जाने का पूरी साजिश होने की संभावना है।

> मामले में चालान प्रस्तुत हो चुका है। जांच अधिकारी पहले ही बदले जा चुके है, मामले में जांच अधिकारी डीएसपी टीएस कंवर है।
>
> **–सुखनंदन राठौर, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक**

एफआईआर के 14 माह बाद भी आरोपी की गिरफ्तारी नहीं

कार्यक्रमों में नजर आने से उठ रहे कई सवाल

नव प्रदेश संवाददाता

भटगांव। विधानसभा बिलाईगढ़ के अंतर्गत वनांचल के ग्राम देवरी नगेड़ी में धान खरीदी में तीन करोड़ रूपये गबन के आरोपी पुलिस में नामजद रिपोर्ट के 14 माह बाद भी पुलिस पकड़ से बाहर होने के कारण पुलिस प्रशासन की भूमिका में संदेह व्याप्त है। जबकि उक्त आरोपी का कई राजनीतिक कार्यक्रमों में लगातार देखा जा रहा है। प्राप्त समाचार के अनुसार देवरी नगेड़ी सोसायटी में धान खरीदी में दो करोड़ सड़सठ लाख बत्तीस हजार दो सौ रूपये शासकीय राशि गबन के आरोपी थाना राजा देवरी में प्राथमिकी दर्ज के 14 माह बाद भी पुलिस पकड़ से बाहर होना पुलिस प्रशासन की भूमिका में संदेह उत्पन्न करता है। जबकि उक्त आरोपी सोसायटी अध्यक्ष सुशील पटेल को कई सामाजिक एवं राजनीतिक कार्यक्रमों में लगातार देखा जा रहा है। किन्तु पुलिस प्रशासन नहीं देख पा रही है तो ऐसा प्रतीत हो रहा है कि उसे पुलिस से संरक्षण प्राप्त है। कल 17 नवम्बर को धनसिर के मुनिचुवा में आयोजित राजनीतिक कार्यक्रम दिवाली मिलन में उक्त आरोपी को देखा गया, बकायदा संसदीय सचिव बिलाईगढ़ विधायक के द्वारा गमछा पहनाकर उनका स्वागत किया गया। जिनका विडियो सोशल मीडिया में भी वायरल हो रहा है प्रशासनिक अमले के पास भी उपलब्ध है तथा बार-बार वस्तु स्थिति से अवगत कराने के बाद भी कार्यवाही सिफर है।

ये है मामला

वनांचल के सोसायटी ग्रामीण सेवा सहकारी समिति देवरी नगेड़ी में सोसायटी अध्यक्ष सुशील पटेल एवं चार अन्य लोगों के द्वारा रकबा में हेराफेरी कर धान बेच कर दो करोड़ सड़सठ लाख बत्तीस हजार दो सौ दो रूपये शासकीय राशि गबन जांच में प्रमाणित होने के उपरांत 17 सितम्बर 2019 को सहकारिता निरीक्षक कसडोल डीके भारद्वाज के द्वारा संबंधित थाना राजा देवरी में पुलिस में मामला दर्ज कराने पर थाना में सोसायटी अध्यक्ष सुशील पटेल एवं चार अन्य के खिलाफधारा क्रमांक 120 बी 420, 467, 468 व 471 के तहत मामला पंजीबद्ध है किन्तुं आज 14 माह बाद भी पुलिस प्रशासन फरार चल रहे आरोपीयों तक नहीं पहुंच पाई। ज्ञात हो कि इन 14 माह में जिले के तीन एसपी तथा संबंधित थाने से तीन चार निरीक्षक बदल गए ग्रामीणएवं जागरूक लोगों के द्वारा लगातार इस संबंध में पुलिस प्रशासन को सूचना देने के बाद भी यहां यह हाल है। इस घटना को लेकर वनांचल के सैकड़ो कार्यकताओं में आक्रोश व्याप्त है। इस संबंध में थाना राजा देवरी के टीआई संतोष कुमार साहू से संपर्क करने पर बताया कि आरोपियों के गिरफ्तारी का प्रयास किया जा रहा है एक आरोपी का अग्रिम जमानत हो गया है तथा मूल डायरी हाई कोर्ट में जमा है उसे वापस लाना पड़ेगा घटना वर्ष 2012-14 का है सोसायटी में कोई रजिस्टर कागजात डाक्यूमेंटस नहीं है एनआईसी को पत्र लिखकर जानकारी मांगा गया है उप पंजीयक सहकारी संस्थाएं तथा कलेक्टर खाद्य शाखा को भी पत्र लिखकर जांच की कॉपी मंगाया गया लेकिन किसी के द्वारा जानकारी नहीं दिया जा रहा है।

लवन को तहसील का दर्जा न मिलने से ग्रामीण नाराज

नव प्रदेश संवाददाता

लवन। उपतहसील लवन को तहसील का दर्जा नहीं मिलने से लवन के ग्रामीण नाराज हैं। गत दिवस छत्तीसगढ़ सरकार ने 15 जिलों में 23 नई तहसीलों को मंजूरी दे दी है। इसकी अधिसूचना भी जारी हो गई है। लेकिन इनमें लवन शामिल नहीं है। जबकि इसे तहसील का दर्ज देने की बात कही गई थी। इसके साथ ही प्रदेश में तहसीलों की संख्या 149 से बढ़कर 172 हो गई। क्षेत्र के कई गांवो से काफी अधिक दूरी होने से ग्रामीणों को असुविधा होती है। लवन में तहसील कार्यालय खुलने से लोगो को परेशानियों का सामना नहीं करना पड़ता। लेकिन लवन को तहसील का दर्जा नहीं दिये जाने से क्षेत्र के ग्रामीण काफी नाखुश नजर आ रहे है। वही लवन में कार्यालय के लिये लगभग 40 एकड़ शासकीय जमीन उपलब्ध होने की भी बात कही गई थी। मुख्यमंत्री ने लोगों की बातों को सहानुभूति पूर्वक सुनकर घोषणा तो कर दिया लेकिन तहसील का दर्जा नहीं दे पाये। इससे लोगो में नाराजगी देखी जा रही है।

लापता व्यक्ति को तलाश करने में पोड़ी पुलिस को मिली सफलता

कवर्धा (नव प्रदेश)। कबीरधाम पुलिस अधीक्षक श्री शलभ कुमार सिन्हा के द्वारा समय-समय पर जिले के समस्त थाना प्रभारियों का मीटिंग लेकर सख्त निर्देश दिया गया था कि लंबित मामलों का जल्द से जल्द निराकरण करें तथा जिले में जितने भी गुम इंसान कायम है उनका पता तलाश नए सिरे से प्रारंभ कर थाने स्तर में टीम गठित कर पता तलाश कर परिवार जनों को सुपुर्द करने कहा गया था। इसी तारतम्य में दो वर्ष पूर्व पोंडी चौकी में गुम इन्शान क्रमांक 10/18 नाम हेमंतकुमार साहू पिता भगतराम साहू उम्र 22 वर्ष निवासी खड़ौदा कला का रहने वाला है, जिसका गुमनामी दिनांक 14/11/2018 को पोंडी चौकी में दर्ज कराया गया था। जिसका लगातार पता तलाश किया जा रहा था परंतु टीम को उक्त व्यक्ति के संबंध में कोई भी जानकारी या पता प्राप्त करने मे सफलता नहीं मिली, जिस पर पुलिस अधीक्षक श्री शलभ कुमार सिन्हा के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री अनिल कुमार सोनी व अनुविभागीय अधिकारी बोडला श्री अजीत ओगरे के मार्गदर्शन तथा थाना प्रभारी बोडला निरीक्षक श्री संतराम सोनी के दिशा निर्देश में नए सिरे से चौकी प्रभारी बृजेश सिन्हा के द्वारा टीम गठित कर गुम इन्शान का खोजबीन प्रारंभ किया गया जिसमें मानसिक विछिप्त बालक को पुलिस चौकी पोंडी टीम द्वारा म.प्र. के जंगल से बरामद किया गया तथा उनके परिजनों को सुपुर्द किया गया, जिस पर परिजनों द्वारा पौड़ी चौकी टीम का धन्यवाद ज्ञापित किया गया। उक्त कार्यवाही में चौकी पोंडी प्रभारी उप निरीक्षक बृजेश सिन्हा के कुशल नेतृत्व में आरक्षक 102,आ. 591,आ.585 का सराहनीय योगदान रहा है।

सिरीयस मरीजों का उत्कृष्ट ईलाज (उचित दरों में), सर्वसुविधायुक्त आईसीयू आधुनिक ऑपरेशन थियेटर सभी प्रकार की जांच सुविधा
बाँठिया हॉस्पिटल
कोविड मरीजों के ईलाज के लिए अलग व्यवस्था
100 बिस्तरों का सर्वसुविधायुक्त अस्पताल
24 घंटे उपलब्ध सुविधाएं
राजा तालाब रोड, रायपुर, फोन : 0771-2425009, 2424737